राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

उज्वल दुनिया

खंबरों की बुलंद आवाज

रांची, दिल्ली और यूपी से एक साथ प्रकाशित

आज का दिन

दुनिया भर में हर साल 29 अक्टूबर को विश्व स्ट्रोक दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को मस्तिष्क आघात (स्ट्रोक) के प्रति जागरूक करना और समय पर उपचार के महत्व को समझाना है। स्ट्रोक दुनिया में मृत्यु और विकलांगता के प्रमुख कारणों में शामिल है।

वर्ष, 12 | पृष्ठ 12 | अंक 231 | रांची, गुरुवार, 29 अक्टूबर 2026 | मूल्य 3 रुपये | RNI No.- JHAHIN/ 2014/59794 | ujjwalduniyapress@ gmail.com

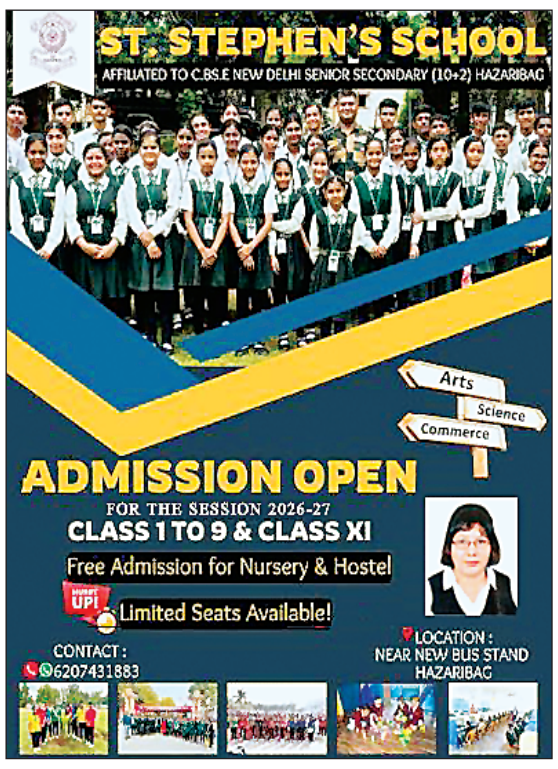

झारखंड में संविदाकर्मियों के मानदेय में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी, कैबिनेट ने दी मंजूरी

ग्रामीण विकास विभाग के प्रस्ताव को स्वीकृति- ब्लॉक प्रोग्राम ऑफिसर से ग्राम रोजगार सेवक तक को मिलेगा लाभ

एजेंसी

रांची। झारखंड सरकार ने विकसित भारत जी राम जी योजना के तहत संविदा पर कार्यरत क्षेत्रीय पदाधिकारियों और कर्मचारियों के मासिक मानदेय में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में ग्रामीण विकास विभाग के इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। सरकार के इस फैसले से ब्लॉक प्रोग्राम ऑफिसर, तकनीकी सहायक, कंप्यूटर एवं लेखा सहायक तथा ग्राम रोजगार सेवकों को लाभ मिलेगा। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में इसकी जानकारी देते हुए कैबिनेट के फैसले पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि विभाग लंबे समय से संविदाकर्मियों के मानदेय में वृद्धि के पक्ष में था। वित्त विभाग की सहमति मिलने के बाद प्रस्ताव को कैबिनेट से स्वीकृति मिली है। दीपावली से पहले लिए गए इस निर्णय को कर्मियों के लिए सरकार की ओर से उपहार माना जा रहा है। मंत्री ने कहा कि संविदाकर्मी लंबे समय से मानदेय बढ़ोतरी के हकदार थे। विभाग ने मानदेय में और अधिक वृद्धि का प्रयास किया था, लेकिन वित्त विभाग से इसकी सहमति नहीं मिल सकी। उन्होंने बताया कि संविदाकर्मियों को ग्रेड पे देने के मुद्दे पर भी विभाग गंभीर है और भविष्य में नियमानुसार आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। नई दरों के अनुसार, पांच वर्ष से कम अनुभव वाले ब्लॉक प्रोग्राम ऑफिसर का मासिक मानदेय 23,140 रुपये से बढ़ाकर 27,768 रुपये किया गया है। वहीं, पांच वर्ष से अधिक अनुभव वाले ब्लॉक प्रोग्राम ऑफिसर का मानदेय 23,700 रुपये से बढ़कर 28,440 रुपये हो गया है। तकनीकी सहायक (सहायक अभियंता समकक्ष) का मानदेय 22,000 और 22,500 रुपये से बढ़ाकर क्रमशः 26,400 और 27,000 रुपये किया गया है। इसी तरह तकनीकी सहायक (कनीय अभियंता समकक्ष) का मानदेय 19,000 और 19,500 रुपये से बढ़कर क्रमशः 22,800 और 23,400 रुपये हो गया है। कंप्यूटर सहायक और लेखा सहायक का मासिक मानदेय 14,300 और 14,800 रुपये से बढ़ाकर क्रमशः 17,160 और 17,760 रुपये किया गया है। वहीं, ग्राम रोजगार सेवकों का मानदेय 11,000 और 12,000 रुपये से बढ़ाकर क्रमशः 13,200 और 14,400 रुपये कर दिया गया है। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि कैबिनेट के इस निर्णय से योजना के तहत कार्यरत क्षेत्रीय पदाधिकारियों और कर्मचारियों को आर्थिक लाभ मिलेगा।

झारखण्ड विधान सभा का स्थापना दिवस समारोह के आयोजन को लेकर बैठक

रांची। श्री रबीन्द्रनाथ महतो माननीय अध्यक्ष झारखंड विधानसभा ने आज झारखण्ड विधान सभा का स्थापना दिवस समारोह के आयोजन को लेकर अपने कार्यालय कक्ष में झारखंड विधानसभा के पदाधिकारियों के साथ बैठक की । बैठक में आगामी 22 नवंबर, 2026 को होने वाले समारोह की तैयारियों, कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं आयोजन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।हाल के दिनों में झारखंड की राजनीतिक जगत से जुड़े लोगों के निधन एवं शोक की मनोदशा को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष झारखंड विधान स्थापना दिवस समारोह सादगीपूर्ण तरीके से मनाये जाने साथ ही,आगामी 25 एवं 26 नवंबर को प्रस्तावित विशेष सत्र के मद्देनजर समारोह के स्वरूप और कार्यक्रमों को लेकर भी बैठक में विचार-विमर्श किये गये। झारखंड विधानसभा स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर सम्मान समारोह यथावत आयोजित किए जाने पर बैठक में सहमति बनी । बैठक में निर्णय लिया गया कि स्थापना दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह सहित अन्य सभी कार्यक्रम झारखण्ड विधान सभा के सेंट्रल हॉल में ही होंगे।

बैलेट पेपर से हुए एमएलसी चुनाव में कांग्रेस ने कितनी सीटें जीतीं? नरेंद्र मोदी ने कसा तंज

एजेंसी

नई दिल्ली। खास बात यह रही कि एमएलसी चुनाव ईवीएम से नहीं, बल्कि बैलेट पेपर से हुए थे। इसमें भी कांग्रेस के एक भी सीट न जीत पाने पर पीएम नरेंद्र मोदी ने तंज कसा है। उन्होंने लिखा कि बैलेट पेपर से चुनाव हुए। गेस करिए कि कांग्रेस ने कितनी सीटें पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, "4 बड़े राज्यों - उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक की 28 सीटों पर एमएलसी चुनाव हुए। चुनाव बैलेट पेपर से हुए। अंदाजा लगाइए कांग्रेस ने कितनी सीटें जीतीं?" बता दें कि 28 सीटों में कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत सकी है। इसमें वो कर्नाटक भी शामिल है, जहां पर कांग्रेस की सरकार है। डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश में भाजपा ने पांच और समाजवादी पार्टी ने तीन सीटें जीतीं। बुधवार को चार राज्यों में 28 ऊपरी सदन की सीटों पर हुए चुनावों के नतीजे आए। काउंटिंग मंगलवार को शुरू हुई और कुछ सीटों पर अभी भी चल रही है। उत्तर प्रदेश में छह टीचर्स और पांच ग्रेजुएट्स सीटों, बिहार में चार-चार, कर्नाटक में दो-दो, और महाराष्ट्र में तीन ग्रेजुएट्स और दो टीचर्स सीटों के लिए 23 अक्टूबर को चुनाव हुए थे। महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति तीन सीटों पर आगे चल रही थी, जबकि विपक्षी NCP (SP) दो सीटों पर आगे थी। जन सुराज पार्टी ने बिहार में अपना खाता खोला और भाजपा, JD(U), RJD और एक इंडिपेंडेंट ने एक-एक सीट जीती है। कर्नाटक में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा और वह चारों सीटें हार गई। विपक्षी JD(S) ने सत्ताधारी पार्टी से एक सीट छीन ली और उसकी सहयोगी भाजपा ने तीन सीटें अपने पास रखीं। बता दें कि कांग्रेस और कई दूसरी विपक्षी पार्टियां मांग कर रही हैं कि आगे के सभी चुनाव बैलेट पेपर से हों, ईवीएम से नहीं। विपक्ष कई सालों से ईवीएम पर सवाल उठाते रहा है।

कैबिनेट:'प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना' के लिए 7395 करोड़ की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में जमीनी स्तर पर शासन को मजबूत करने और गांवों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने के लिए 7,395.55 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 'प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना' (पीएम वीजीएसवाई) को मंजूरी दी है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने आज पत्रकार वार्ता में बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को इस परियोजना को मंजूरी दी है। वैष्णव ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 7,395.55 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 2026-27 से 2030-31 के लिए केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना को मंजूरी दी है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'प्रधानमंत्री विकसित ग्राम स्वराज योजना' (पीएम वीजीएसवाई) नामक एक केंद्र प्रायोजित योजना (सीएसएस) को मंजूरी दी है। यह 'विकसित भारत' के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप, शासन व्यवस्था में बदलाव लाने वाली आधुनिक पहल है। इस योजना को 2026-27 से 2030-31 तक (यानी 16वें वित्त आयोग की अवधि के दौरान) लागू करने की मंजूरी दी गई है। 2.55 लाख से अधिक पंचायतों और पारंपरिक स्थानीय निकायों के 32 लाख निर्वाचित प्रतिनिधियों को लाभ होगा।

इस योजना का वित्तीय प्रभाव: केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने कहा कि इस योजना का कुल बजट 7,395.55 करोड़ रुपये है, जिसमें केंद्र का हिस्सा 4,869.48 करोड़ रुपये और राज्य का हिस्सा 2,526.07 करोड़ रुपये है।

लाभार्थियों की संख्या: 2.55 लाख से अधिक पंचायतों और पारंपरिक स्थानीय निकायों के लगभग 32 लाख निर्वाचित प्रतिनिधि, पंचायत पदाधिकारी और अन्य हितधारक इस योजना के प्रत्यक्ष लाभार्थी होंगे। जागरूकता बढ़ाने वाले प्रत्येक कार्यक्रम से कम से कम 1 करोड़ नागरिक जुड़ेंगे।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री गुरुवार को आएंगे रांची, 30 अक्टूबर को कार्यक्रमों में होंगे शामिल

पीएम किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त जारी होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में लेंगे भाग- खेत बचाओ अभियान में शामिल होने के साथ कृषि अधिकारियों संग करेंगे बैठक

एजेंसी

रांची। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर गुरुवार को दिल्ली से रांची पहुंचेंगे। रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर पार्टी के नेता और कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे। जदयू के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने बुधवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 30 अक्टूबर को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त जारी करेंगे। इस अवसर पर देश के विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें केंद्रीय मंत्री और संबंधित अधिकारी भाग लेंगे। रांची में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर शामिल होंगे। सागर कुमार ने बताया कि 30 अक्टूबर को दोपहर में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री ह्यखेत बचाओ अभियानह्ल कार्यक्रम में भी भाग लेंगे। इसके अलावा वह कृषि विभाग से जुड़े अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे।

लोकतंत्र के नाम पर आंदोलन जबकि आंदोलनकर्ता को लोकतंत्र का क, ख, ग तक नहीं पता - रामदेव

एजेंसी

हरिद्वार। स्वामी रामदेव ने देश में चल रहे आंदोलनों और राजनीतिक बयानों को लेकर कहा कि, भारत में बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल या मध्य पूर्व के देशों की तरह तख्ता पलट नहीं होने वाला है। देश में लोकतंत्र, सेना, अर्धसैनिक बल, पुलिस और न्यायालय जैसी मजबूत व्यवस्थाएं हैं। जिन्हें सत्ता में आना है, वे लोकतांत्रिक तरीके से सत्ता हासिल कर सकते हैं। सड़कों पर उतरकर सत्ता परिवर्तन नहीं किया जा सकता। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बयानों को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि, आजकल के नेता जिस तरह के बयान दे रहे हैं, भगवान उन्हें सद्बुद्धि दें या उनकी सद्गति दें। यूपीएससी की तैयारी के लिए बनाया पतंजलि सिविल सर्विसेज ऐपः योग गुरू स्वामी रामदेव ने कहा कि, युवाओं को सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी में मदद देने के लिए पतंजलि सिविल सर्विसेज ऐप बनाया गया है. इस ऐप को डाउनलोड कर अभ्यर्थी अपने घर से ही पढ़ाई कर सकते हैं. सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। सही मार्गदर्शन और नियमित अभ्यास से अभ्यर्थी अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ सकते हैं. ऐप के माध्यम से अभ्यर्थियों को परीक्षा की तैयारी के लिए जरूरी शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है।

सीजेआई और न्यायपालिका पर टिप्पणी के मामले में मुश्किल में फंसे संजय राउत

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत को 17 नवंबर को अदालत के सामने व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है। यह आदेश भारत के मुख्य न्यायाधीश और न्यायपालिका के बारे में की गई टिप्पणियों से जुड़ी अवमानना कार्यवाही के सिलसिले में दिया गया है। इस मामले की सुनवाई जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बेंच ने की। यह बेंच एक ऐसी याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसे भारत के अटॉर्नी जनरल की लिखित सहमति मिलने के बाद दायर किया गया था। अटॉर्नी जनरल का मानना था कि प्रतिवादियों संजय राउत और पत्रकार निखिल वागले की टिप्पणियां अपमानजनक थी। बेंच ने निखिल वागले को भी उसी दिन वर्चुअल तरीके से अदालत के सामने पेश होने का निर्देश दिया है. वरिष्ठ अधिवक्ता प्रदीप राय और राहुल कौशिक ने अधिवक्ता प्रज्ञा बघाल और मीनेश दुबे के साथ मिलकर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन का पक्ष रखा। उन्होंने कथित तौर पर अदालत की अवमानना करने वालों के ट्वीट्स की ओर इशारा करते हुए कहा कि उनकी पोस्ट से पता चलता है कि उन्हें देश की सर्वोच्च अदालत के प्रति कोई सम्मान नहीं है। वागले की ओर से पेश हुईं वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने दलील दी कि उनके मुवक्किल ने अपने ट्वीट्स के लिए बिना शर्त और सच्चे मन से माफी मांगी है. उन्होंने कहा कि वागले का पांच दशकों से अधिक का करियर बेदाग रहा है और अवमानना का नोटिस मिलने के बाद उन्होंने अपनी पोस्ट हटा दी थी। जस्टिस कुमार ने कहा, 'यह एक ऐसा मुद्दा है जिसका संबंध पूरी न्यायपालिका संस्था से है. जयसिंह ने कहा कि शायद आम तौर पर ऐसा हो सकता है, लेकिन इस विशेष मामले में नहीं. आपकी बात सही है कि आम तौर पर यह एक बड़ा मुद्दा हो सकता है, लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं है. जयसिंह ने आगे कहा, ₹क्योंकि हम इस संस्था से प्यार करते हैं, लेकिन यह एकतरफा नहीं हो सकता...' पक्षों की दलीलें सुनने के बाद बेंच ने कहा कि उसने पहले प्रतिवादी की ओर से पेश वकील जयसिंह को सुना है। उन्होंने अदालत का ध्यान पहले प्रतिवादी द्वारा दाखिल हलफनामे की ओर दिलाया है और 'शो-कॉज नोटिस' (कारण बताओ नोटिस) को रद्द करने का अनुरोध किया है। बेंच ने कहा, 'मामले की गंभीरता को देखते हुए, हमारी राय है कि पहले प्रतिवादी को अगली सुनवाई के दिन वर्चुअल तरीके से (ऑनलाइन) पेश होना चाहिए।' 16 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस के खिलाफ की गई टिप्पणियों को लेकर, आपराधिक अवमानना (क्रिमिनल कंटेंप्ट) की कार्यवाही के तहत शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत और पत्रकार निखिल वागले को 'शो-कॉज नोटिस' जारी किए। इस दौरान सीजेआई ने मौखिक रूप से अफसोस जताते हुए कहा कि जो लोग अक्सर अपनी आजादी की रक्षा के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाते हैं, वे ही अब अदालत की आलोचना कर रहे हैं। उन्होंने इस आलोचना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया और उम्मीद जताई कि वे बेहतर समझदारी से काम लेंगे। बेंच ने यह आदेश रउइअ (सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन) द्वारा दायर अदालत की अवमानना ??से जुड़ी एक याचिका पर दिया है. 15 अक्टूबर को, भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने रउइअ (सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन) द्वारा पत्रकार निखिल वागले और शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत के खिलाफ दायर 'अदालत की आपराधिक अवमानना' के मामले में अपनी सहमति दे दी. यह मामला भारत के मुख्य न्यायाधीश के बारे में उनके सार्वजनिक बयानों से जुड़ा है। वागले ने सीजेआई के एक फैसले पर आई अखबार की रिपोर्ट के जवाब में अपने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट किया था. बाद में उन्होंने उस पोस्ट को हटा दिया और इसके लिए माफी भी मांगी। अटॉर्नी जनरल ने अपने सहमति पत्र में कहाः 'मेरी राय में पत्रकार निखिल वागले और सांसद संजय राउत के ट्वीट प्रथम दृष्टया अपमानजनक हैं. इनका मकसद भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय और विशेष रूप से सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की प्रतिष्ठा को कम करना है।' पत्र में यह भी कहा गया है कि संजय राउत के वे ट्वीट, जिनमें उन्होंने आरोप लगाया था कि ₹जिन राज्यों में भाजपा सत्ता में है, वहां जज पार्टी के राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं...मुख्यमंत्री हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों के स्वागत के लिए डिनर आयोजित कर रहे हैं' किसी भी तथ्य पर आधारित नहीं हैं।

नमस्कार चौक झड़प मामले में बड़ी कार्रवाई, 8 लोगों को भेजा गया जेल

डीजे वाहन जब्त, 14 नामजद समेत 80 से 100 अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी

सदर अंचलाधिकारी के आवेदन पर दर्ज हुआ मामला, अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग शहर के खिरगांव मोहल्ला स्थित नमस्कार चौक पर चादरपोशी के दौरान हुए विवाद और उसके बाद की हिंसक घटनाओं को लेकर पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। मामले में आठ लोगों को जेल भेजे जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस ने घटना से जुड़े एक डीजे वाहन को भी जब्त किया है। इस मामले में 14 नामजद आरोपियों के अलावा 80 से 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी सदर अंचलाधिकारी के आवेदन पर दर्ज की गई है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कार्रवाई जारी है।

चादरपोशी के दौरान शुरू हुआ था विवाद

जानकारी के अनुसार, 27 अक्टूबर की रात करीब 10:40 बजे नमस्कार चौक के पास चादरपोशी के लिए गाजे-बाजे के साथ जा रहे लोगों के दौरान दो पक्षों के बीच विवाद शुरू हुआ था। देखते ही देखते विवाद झड़प में बदल गया। घटना में आठ लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई थी। सूचना मिलने पर बड़ा बाजार थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया।

घरों में पथराव और तोड़फोड़ के आरोप

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घरों पर ईंट-पत्थर फेंके जाने, दरवाजे-खिड़कियां तोड़े जाने और घरेलू सामान को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगाए। कुछ महिलाओं ने घरों में भय का माहौल बनने और संपत्ति क्षतिग्रस्त होने की बात कही। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच और सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। इन आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

14 नामजद, 80 से 100 अज्ञात पर प्राथमिकी

मामले में सदर अंचलाधिकारी के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसमें 14 लोगों को नामजद किया गया है, जबकि 80 से 100 अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने आठ लोगों को जेल भेजने और डीजे वाहन जब्त करने की जानकारी दी है। शेष आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है।

फिलहाल इलाके में शांति, पुलिस अलर्ट

घटना के बाद नमस्कार चौक और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस सतर्क है। इलाके में पुलिस बल की तैनाती कर स्थिति पर नजर रखी जा रही है। फिलहाल क्षेत्र में शांति बनी हुई है। पुलिस का प्रयास है कि दोबारा किसी तरह का विवाद उत्पन्न न हो और कानून-व्यवस्था सामान्य बनी रहे। मामले में आगे की कार्रवाई प्राथमिकी, जांच और आरोपियों की पहचान के आधार पर की जाएगी।

एक नजर

झारखंड हाईकोर्ट की वरीय अधिवक्ता टुनटुन राय का निधन, न्याय और चिकित्सा जगत में शोक

रांची। ब्रह्मर्षि समाज से जुड़ीं झारखंड उच्च न्यायालय की वरीय अधिवक्ता श्रीमती टुनटुन राय का बुधवार प्रातः 5:30 बजे महाप्रयाण हो गया। वे 45 वर्षों तक निस्वार्थ भाव से अधिवक्ता के रूप में सेवा देती रही हैं। वे डॉ. चंदन कुमार की माताजी और दी विनायका हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, नामकुम की अध्यक्ष थीं। उनका निधन नामकुम, रांची स्थित उनके आवास - दी विनायका हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, महुआ टोली, डोरंडा-नामकुम मेन रोड पर हुआ। शाम 6:30 बजे अंतिम यात्रा निकाली गई और स्वर्णरेखा घाट, कोटेश्वर धाम मंदिर में अंत्येष्टि संस्कार किया गया। उनके निधन से न्याय जगत और चिकित्सा जगत को बड़ी क्षति हुई है।

चतरा में ऑपरेशन क्लीन का बड़ा प्रहार, एक करोड़ का गांजा जब्त

चतरा। पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन चतरा अभियान के तहत एक बार फिर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने अंतर्राज्यीय गिरोह के मंसूबों पर पानी फेरते हुए करीब एक करोड़ रुपये मूल्य का अवैध गांजा जप्त किया है। एसपी अनिमेष नैथानी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर एसडीपीओ सन्नी वर्धन के नेतृत्व में चलाए जा रहे वाहन चेकिंग के दौरान मिली कामयाबी। सदर थाना में आयोजित प्रेस कांन्फ्रेंस में एसडीपीओ सदर सन्नी वर्धन नें बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चतरा-जोरी मुख्य मार्ग पर स्थित डाढा मोड के पास एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान एक सफेद रंग की वरना कार काफी तेजी से चतरा शहर की ओर आती दिखी। पुलिस ने जब उसे रुकने का इशारा किया, तो चालक पुलिस को चकमा देकर गाड़ी भगाने लगा। जिसके बाद चेकिंग टीम ने तत्काल वाहन का पीछा किया। जिसके बाफ खुद को घिरता देख अंतर्राज्यीय गिरोह के तस्कर ग्राम सिकिद नदी के किनारे गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। उन्होंने बताया कि भागे हुए अपराधियों की वरना कार (रजिस्ट्रेशन नंबर UP 14CF- 5803) की जब विधिवत तलाशी ली गई, तो कार के भीतर से कुल 82 पैकेट अवैध गांजा बरामद किया गया, जिसका कुल वजन 164 किलोग्राम है। पुलिस ने नशीले पदार्थ के साथ तस्करी में प्रयुक्त वरना कार को भी जप्त कर लिया है। साथ ही मामले में सदर थाना में कांड दर्ज कर तस्करों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

कोमाकी इलेक्ट्रिक वाहन शोरूम का हुआ उद्घाटन

सिल्ली : रांची पुरुलिया मार्ग झारखंड मोड समीप कोमाकी इलेक्ट्रिक वाहन शोरूम उद्घाटन पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने फीता काट कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा इलेक्ट्रिक स्कूटर न सिर्फ प्रकृति के अनुकूल हैं, बल्कि यह आपकी जेब के लिए भी बहुत फायदेमंद हैं। इसमें पेट्रोल का खर्च बचता है, मेंटेनेंस कम होता है, और आधुनिक तकनीक के कारण चलाना भी बेहद आसान और आरामदायक है। साथ ही पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहनों से निकलने वाला धुआं हमारे वातावरण को नुकसान पहुंचाता है। इलेक्ट्रिक स्कूटर अपनाकर हम सब प्रदूषण को कम करने की दिशा में एक बहुत बड़ा और जिम्मेदार कदम उठा रहे हैं। शोरूम संचालक संजय कुमार मंडल,एवं राजेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि स्कूटी चलाने और संभालने में काफी आसान है, जिससे सफर सुरक्षित और आरामदायक हो जाता है। इसमें ऑटोमैटिक अपडेट और कई वायरलेस फीचर्स भी दिए गए हैं। बेहतर ब्रेकिंग के लिए स्कूटर में डिस्क ब्रेक और 3000 वॉट की मोटर लगी है। स्कूटर में कई स्मार्ट सेंसर लगे हैं जो लगातार स्कूटर की स्पीड को चेक करते रहते हैं। साथ ही इसमें सेल्फ-डायग्नोसिस फीचर भी दिया गया है। यह फीचर स्कूटर के सिस्टम को अपने आप चेक करता रहता है और किसी भी खराबी के बारे में पहले ही अलर्ट दे देता है, जिससे समय पर उसकी मरम्मत की जा सके।

ब्रजेश सिंह बने वैश्विक शिव शिष्य परिवार के उपाध्यक्ष

रांची। उपवन, रांची में वैश्विक शिव शिष्य परिवार (न्यास) की बैठक में शिव शिष्यता को कैसे पूरी सृष्टि में जन जन तक पहुंचाया जाये इसपर वृहद चर्चा हुई, साहब श्री हरीन्दानंद एवं दीदी नीलम के आदर्शों पर चल कर शिव के गुरु स्वरूप की कैसे व्याप्ति हो इसपर न्यास परिषद के सदस्यों ने गहन मंथन किया। न्यास के कार्यकलाप को विस्तार देने के लिए न्यास परिषद के सदस्यों को नए सिरे से प्रभार दिया गया। जिसमें ब्रजेश सिंह पटना बिहार को उपाध्यक्ष का दायित्व दिया गया। इस अवसर पर अर्चित आनंद, बरखा आनंद सहित सभी न्यास के सदस्यों ने नव नियुक्त उपाध्यक्ष को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

झारखंड प्रजापति कुम्हार महासंघ ने सिल्ली विधानसभा स्तरीय सम्मेलन का किया आयोजन

सिल्लीः झारखंड प्रजापति कुम्हार महासंघ का सिल्ली विधानसभा स्तरीय सम्मेलन बुधवार को द विलेज रिसोर्ट, सुलूमजुड़ी में आयोजित किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता दशरथ प्रजापति ने की, जबकि संचालन कुंजलाल प्रजापति ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी अनिल कुमार एवं संघ के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि आजादी के 70 साल बाद भी कुम्हार समाज विकास की मुख्यधारा से नहीं जुड़ पाया है, जिसके कारण समाज आज भी शोषित और पीड़ित जीवन जीने को मजबूर है।उन्होंने कहा कि कुम्हारों का पारंपरिक पेशा मिट्टी के घड़ा, ग्लास, ढक्कन, सुराही और खिलौने बनाना था,लेकिन अब प्लास्टिक और एल्युमीनियम उत्पादों ने बाजार पर कब्जा कर लिया है,जिससे रोजगार पर संकट आ गया है। प्रखंड विकास पदाधिकारी अनिल कुमार ने कहा कि कुम्हार समाज हमारी पुरानी सभ्यता का प्रतीक है और संगठित होकर ही समाज विकास कर सकता है। उन्होंने सरकारी योजनाओं का लाभ लेने और शिक्षा पर जोर देने की अपील की।

रूडसेट संस्थान सिल्ली में 30 दिवसीय प्लंबिंग एंड सेनेटरी वर्क्स प्रशिक्षण की होगी शुरूआत

सिल्लीः केनरा बैंक एवं श्री धर्मस्थला मंजुनाथेश्वर शिक्षण ट्रस्ट द्वारा संचालित रूडसेट संस्थान, सिल्ली में 30 दिवसीय प्लंबिंग एंड सेनेटरी वर्क्स प्रशिक्षण प्रारंभ होने वाला है।संस्थान प्रबंधन ने बताया कि यह प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क होगा। इसमें इच्छुक बेरोजगार युवक एवं महिलाएं, जिनकी उम्र 18 से 50 वर्ष के बीच है और जो प्रशिक्षण लेकर अपना रोजगार कर आजीविका बढ़ाना चाहते हैं, वे संस्थान कार्यालय में संपर्क कर अपना नामांकन करा सकते हैं। प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को व्यावसायिक कौशल प्रदान कर स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद प्रतिभागी आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे और अपने बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकेंगे। विशेष जानकारी एवं नामांकन के लिए इच्छुक अभ्यर्थी 9523381187 पर संपर्क कर सकते हैं।

दिवंगत ट्रैकमेंटेनर की पत्नी को 3,69,917 का चेक प्रदान, 10,98,674 का ऋण माफ

सिल्ली : दक्षिण पूर्व रेलवे के लोधमा स्टेशन पर कार्यरत दिवंगत ट्रैकमेंटेनर स्व. पूरन बैठा की पत्नी तारा देवी को अर्बन बैंक की डायरेक्टर एवं दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस प्रतिनिधि ममता कुमारी के मार्गदर्शन में बैंक के मैनेजर अजय कुमार प्रसाद द्वारा ?3,69,917/- का चेक प्रदान किया गया।स्व.पूरन बैठा ने जनवरी 2026 में 12 लाख का ऋण लिए थे।लगभग ?1 लाख की ईएमआई जमा करने के पश्चात 19 जुलाई 2026 को उनका निधन हो गया। इस दुखद परिस्थिति में Guarantee Fund (Death Relief) के अंतर्गत उनके बकाया 10,98,674/- के ऋण को माफ कर दिया गया। इसके अतिरिक्त,सीएमटीडी एवं शेयर की राशि 3,69,917/- उनकी पत्नी श्रीमती तारा देवी को वापस की गई। यह रांची शाखा का पहला सफल दावा है, जो दिवंगत कर्मचारी के परिवार को आर्थिक राहत प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

सभी रेलकर्मियों से महत्वपूर्ण अपील

दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस ने सभी रेलकर्मियों से अपील करता है कि वे ऋण लेते समय प्रति ?1 लाख पर ?250 की दर से लोन बीमा अवश्य करवाएं।जीवन अनिश्चितताओं से भरा है और किसी भी अप्रत्याशित घटना का सामना कभी भी करना पड़ सकता है।ऐसी परिस्थितियों में लोन बीमा कर्मचारी के परिवार को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने तथा ऋण के बोझ को कम करने में सहायक हो सकता है। इस सराहनीय पहल एवं कर्मचारी हित में किए गए प्रयासों के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस के महामंत्री एन. एल. कुमार, अर्बन बैंक की डायरेक्टर श्रीमती ममता कुमारी, चेयरपर्सन एस.पी. सिंह, वाइस चेयरपर्सन एम.रविकांत तथा समस्त बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया जाता है। दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस कर्मचारी हित,सम्मान एवं सामाजिक सुरक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहता है।

सीएमपीडीआई के सीएमडी ने झारखंड के कास्ता ब्लाक में

भूमिगत कोयला गैसीकरण आरएंडडी पायलट प्लांट का दौरा किया

रांची। सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री चौधरी शिवराज सिंह ने आज दिनांक 28 अक्टूबर को झारखंड के जामताड़ा जिले में स्थित ईसीएल के अधीन कास्ता कोल ब्लाक में भूमिगत कोयला गैसीकरण आरएंडडी पायलट प्लांट का दौरा किया। इस दौरे के दौरान कनाडा की ह्यएर्गो एक्सर्जी टेक्नोलाजीज इंकह्न (ईईटीआई) के निदेशक डा0 माइकल ब्लाइंडर्मन ने अपनी टीम के साथ मिलकर पायलट प्लांट में चल रही पूर्व-प्रज्वलन (प्री-इग्निशन) गतिविधियों के बारे में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री चौधरी शिवराज सिंह को जानकारी दी। मौके पर सीएमपीडीआई के क्षेत्रीय संस्थान-1-आसनसोल के क्षेत्रीय निदेशक श्री अभिजीत बनर्जी, मुख्यालय-रांची के महाप्रबंधक (सीईडी) श्री बी0के0 पांडे तथा आरआई-1 तथा क्लीन एनर्जी डिपार्टमेंट के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। कोयला गैसीकरण आरएंडडी परियोजना का उद्देश्य भारतीय भू-खनन (जियो-माइनिंग) परिस्थितियों के तहत भूमिगत कोयला गैसीकरण तकनीक को स्थापित करना और उसका प्रदर्शन करना है। इस परियोजना के लिए सीएमपीडीआई, रांची और ईसीएल, संकटोरिया मुख्य कार्यान्वयन एजेंसी है, जबकि कनाडा की ईईटीआई उप-कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में कार्य कर रही है। इस परियोजना को कोल इंडिया के आरएंडटी बोर्ड द्वारा वित्तपोषित किया गया है। भूमिगत कोयला गैसीकरण एक ऐसी आधुनिक तकनीक है, जो कोयले को पारंपरिक तरीके से बाहर निकाले बिना, उसे उसी स्थान पर सिंथेसिस गैस (सिनगैस) में परिवर्तित करती है। इससे उत्पादित गैस का उपयोग ईंधन के रूप में या रसायनों सिंथेटिक प्राकृतिक गैस, उर्वरकों और अन्य मूल्यवर्धित उत्पादों के निर्माण के लिए कच्चे माल (फीडस्टाक) के तौर पर किया जा सकता है। यह तकनीक उन कोयला संसाधनों का उपयोग करने की संभावना भी प्रदान करती है, जिन्हें पारंपरिक खनन विधियों से आर्थिक रूप से निकालना संभव नहीं होता। इस परियोजना की शुरूआत मार्च, 2024 में हुई थी और इसे दो चरणों में पूरा करने की योजना बनाई गई थी।

पारस एचइसी हॉस्पिटल में ब्लड कैंसर से पीड़ित मरीज को मिली नई जिंदगी

उज्जवल दुनिया संवाददाता

रांची। पारस एचईसी हॉस्पिटल, रांची के मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग ने ब्लड कैंसर से पीड़ित एक मरीज का सफल इलाज कर उसे नई जिंदगी दी है। मरीज एक्यूट लिंफोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के हाई-रिस्क वेरिएंट फिलाडेल्फिया पॉजिटिव (पीएच-पॉजीटिव) ब्लड कैंसर से ग्रसित था और इलाज के लिए मुंबई के टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल से रेफर होकर रांची पहुंचा था। मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ गुंजेश कुमार सिंह की अगुवाई में इस मरीज का इलाज प्रारंभ किया गया। डॉ गुंजेश ने कहा कि मरीज के उपचार के दौरान कई जटिल परिस्थितियां सामने आईं। कीमोथेरेपी के दौरान उसे गंभीर संक्रमण, खून की कमी और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा, जिसके कारण कई बार अस्पताल में भर्ती भी करना पड़ा। लंबे समय तक चले इलाज और लगातार निगरानी के बाद मरीज की स्थिति में सुधार हुआ। डॉ गुंजेश ने कहा कि वर्तमान में मरीज पूरी तरह कैंसर-मुक्त है। पिछले लगभग एक वर्ष से वह मेंटेनेंस थेरेपी पर है और नियमित फॉलो-अप करवा रहा है। बैंक कर्मचारी होने के नाते वह अब सामान्य रूप से अपने कार्यस्थल जा रहा है और रोजमर्रा की जिंदगी पहले की तरह जी रहा है। उन्होंने कहा कि पारस हॉस्पिटल, रांची में हेड एंड नेक कैंसर, लंग कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर समेत विभिन्न प्रकार के कैंसरों का

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रथम टेली कैरियर काउंसलिंग सफलतापूर्वक संपन्न

उज्जवल दुनिया संवाददाता

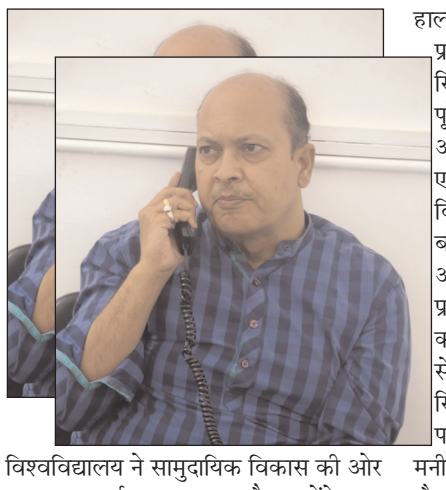

रांची। 28 अक्टूबर 2026 को अपराह्न 2 से 3 बजे तक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची द्वारा निर्धारित प्रथम टेली कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न। प्रदेश के साहेबगंज, दुमका, जमशेदपुर, हजारीबाग, खूंटी, गुमला , बुंडू और चतरा आदि स्थानों से विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में शैक्षणिक परामर्श विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ राजीव मनोहर से प्राप्त किया। जिन विषयों पर प्रश्न पूछे गए, उनमें आर्चरी के राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों की जानकारी, राज्य एवं संघ लोक सेवा आयोग के मुख्य परीक्षा की तैयारी, फॉरेन लैंग्वेज के क्षेत्र में कैरियर और 12 वीं के बाद महत्वपूर्ण कैरियर विकल्पों की जानकारी प्राप्त करना था। 2 से 3 बजे तक निर्धारित इस कैरियर काउंसलिंग में विशेषज्ञ के तौर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ राजीव मनोहर ने सभी विद्यार्थियों को काफी विस्तारपूर्वक उनके प्रश्नों से संबंधित शैक्षणिक परामर्श प्रदान किया। उन्होंने कहा कि आज विश्वविद्यालय ने सामुदायिक विकास की ओर एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि टेली काउंसलिंग के जरिए विश्वविद्यालय प्रदेश के सभी स्थानों के विद्यार्थियों को फोन पर ही शैक्षणिक परामर्श प्रदान कर रहा है , जो जनसंपर्क की दिशा में विश्वविद्यालय का एक सार्थक और सकारात्मक प्रयास है और उन्होंने इस कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा हाल ही में गठित जनसंपर्क और सामुदायिक प्रसार विभाग के निदेशक डॉ राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में बोर्ड के सदस्यों के साथ पूरे वर्ष संचालित किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रथम काउंसलिंग की एक महत्वपूर्ण विशेषता थी, कि न सिर्फ विद्यार्थियों ने शैक्षणिक परामर्श प्राप्त किया बल्कि दुमका, साहेबगंज आदि स्थानों से अभिभावकों ने भी अपने बच्चों के लिए प्रश्न पूछे। आज की निर्धारित टेली काउंसलिंग में इन्होंने प्रश्न पूछे, साहेबगंज से रूबी कुमारी, जमशेदपुर से आशीष सिंह, हजारीबाग से प्रियांश, दुमका से पल्लवी सिंह, बुंडू से कालीचरण, रांची से मनीषा,हजारीबाग से पाही, प्रभा इत्यादि। गौरतलब है विद्यार्थियों के अकादमिक हितों को ध्यान में रखते हुए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची , प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है जिसने इस प्रकार की टेली कैरियर काउंसलिंग प्रारंभ की है। आज की इस टेली काउंसलिंग कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन और स्नातकोत्तर इतिहास

विश्व स्ट्रोक दिवस पर भगवान महावीर मणिपाल हॉस्पिटल की अपील

स्ट्रोक के लक्षण पहचानें और समय पर इलाज कराएं

रांचीः प्रत्येक वर्ष 29 अक्टूबर को विश्व स्ट्रोक दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम ह्लहर मिनट महत्वपूर्ण हैह्व को ध्यान में रखते हुए भगवान महावीर मणिपाल हॉस्पिटल, रांची ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें डॉक्टरों ने स्ट्रोक के लक्षणों को समय पर पहचानने और बिना देर किए इलाज शुरू करने की जरूरत बताई। उन्होंने समझाया कि स्ट्रोक के लक्षण दिखने पर तुरंत हॉस्पिटल पहुंचना चाहिए, क्योंकि इलाज में देरी से मरीज की हालत गंभीर हो सकती है। इस चर्चा में न्यूरोलॉजी के कंसल्टेंट डॉ दीपक चंद्र प्रकाश और न्यूरोलॉजी व मूवमेंट डिसऑर्डर के कंसल्टेंट डॉ रोहित केशव शामिल हुए। इनके साथ न्यूरोसर्जरी के सीनियर कंसल्टेंट डॉ अमित कुमार और डॉ विक्रम सिंह, इमरजेंसी मेडिसिन विभाग के एचओडी और कंसल्टेंट डॉ रोहित कुमार सेंगर और क्रिटिकल केयर के चेयरमैन डॉ. विजय कुमार मिश्रा भी मौजूद रहे। उन्होंने स्ट्रोक से जुड़ी जरूरी बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि स्ट्रोक के लक्षणों को पहचानकर मरीज को जल्द हॉस्पिटल पहुंचाना और सही समय पर इलाज देना बहुत जरूरी है। साथ ही, उन्होंने इलाज में तालमेल यानि मरीज की बेहतर देखभाल के लिए अलग-अलग विभागों के डॉक्टरों के मिलकर काम करने की भूमिका के बारे में भी बताया। स्ट्रोक तब पड़ता है, जब दिमाग तक खून पहुंचना बंद हो जाता है या दिमाग में खून बहने लगता है। इससे व्यक्ति को चलने, बोलने, देखने और शरीर का संतुलन बनाए रखने में परेशानी हो सकती है। स्ट्रोक के लक्षण पहचानने के लिए ह्यबी फास्टह्न तरीका अपनाया जाता है। इसके तहत कुछ खास लक्षणों पर ध्यान देना जरूरी है, जैसे शरीर का संतुलन बिगड़ना, दिखाई देने में परेशानी होना, चेहरे का एक तरफ लटक जाना, हाथ में कमजोरी आना और बोलने में दिक्कत होना। इनमें से कोई भी लक्षण दिखाई देने पर तुरंत मेडिकल मदद लेनी चाहिए और मरीज को हॉस्पिटल पहुंचाना चाहिए। स्ट्रोक में समय पर इलाज मिलना बहुत जरूरी है। 'गोल्डन आवर' यानि शुरूआती समय में इलाज मिलने से मरीज को गंभीर नुकसान से बचाने में मदद मिल सकती है। हालांकि, इलाज का तरीका स्ट्रोक के प्रकार और मरीज की हालत पर निर्भर करता है। इसलिए लक्षण दिखते ही देर किए बिना हॉस्पिटल जाना चाहिए। स्ट्रोक के इलाज में कई तरह के डॉक्टरों और मेडिकल टीम की जरूरत होती है। मरीज की हालत के हिसाब से अलग-अलग चरणों में जांच और इलाज किया जाता है। न्यूरोलॉजी के डॉक्टर दिमाग की स्थिति की जांच करते हैं और दवाओं से इलाज करते हैं। वहीं, न्यूरोसर्जरी के डॉक्टर यह देखते हैं कि मरीज को ऑपरेशन की जरूरत है या नहीं। कुछ मरीजों में दिमाग की नस में फंसे खून के थक्के को निकालने के लिए मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टॉमी नामक खास प्रक्रिया की जाती है। यह इलाज कुछ खास मरीजों में ही संभव होता है। जो न्यूरो-इंटरवेंशनल विशेषज्ञ द्वारा होता है।इमरजेंसी और क्रिटिकल केयर की टीम मरीज की हालत पर लगातार नजर रखती है, ताकि किसी भी परेशानी का समय रहते पता लगाकर तुरंत इलाज किया जा सके। स्ट्रोक का सही इलाज तय करने के लिए डॉक्टर सीटी स्कैन या एमआरआई जैसी जांच करते हैं। इससे पता चलता है कि स्ट्रोक किस तरह का है और मरीज को किस इलाज की जरूरत है। अगर इस्केमिक स्ट्रोक यानी दिमाग की नस में खून का थक्का जमने से स्ट्रोक हुआ है, तो मरीज की हालत के अनुसार थक्का घोलने की दवा दी जा सकती है या उसे निकालने की मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टॉमी प्रक्रिया की जा सकती है। इलाज के बाद मरीज को दोबारा चलने-फिरने, बोलने और रोजमर्रा के काम करने में मदद के लिए फिजियोथेरेपी और दूसरी तरह की रिहैबिलिटेशन की जरूरत भी पड़ सकती है। भगवान महावीर मणिपाल हॉस्पिटल, रांची के डायरेक्टर मनोज रॉय ने कहा कि विश्व स्ट्रोक दिवस के मौके पर हमारा मकसद रांची के लोगों को स्ट्रोक के लक्षणों के बारे में जागरूक करना है।

झारखंड में संगठन विस्तार में जुटा राजद, 30 नवंबर तक कमेटियों का ब्योरा जमा करने का निर्देश

अधूरी पंचायत और प्रखंड कमेटियों का 20 दिनों में होगा गठन- नवंबर में तेजस्वी यादव का प्रस्तावित कार्यक्रम, दिवाली-छठ के बाद होंगे जिला सम्मेलन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। झारखंड में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने पंचायत से लेकर जिला स्तर तक संगठन को मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। पार्टी ने सभी जिला प्रभारियों को पंचायत और प्रखंड कमेटियों का गठन पूरा करने तथा पदाधिकारियों का विस्तृत ब्योरा 30 नवंबर तक प्रदेश कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया है। साथ ही नवंबर में पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारी शुरू करने को कहा गया है। बुधवार को राजधानी रांची के हरमू रोड स्थित राजद प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव की अध्यक्षता में संगठनात्मक बैठक हुई। बैठक का संचालन पूर्व मंत्री एवं पार्टी के प्रधान महासचिव सत्यानंद भोक्ता ने किया।

बैठक के बाद प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष ने जिला प्रभारियों को संबंधित जिलाध्यक्षों और सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर पर संगठन का विस्तार करने का निर्देश दिया है।

उन्होंने बताया कि सभी पंचायत और प्रखंड अध्यक्षों के नाम, मोबाइल नंबर, पते और फोटो सहित कमेटियों का पूरा विवरण 30 नवंबर 2026 तक प्रदेश कार्यालय में जमा करना अनिवार्य किया गया है। इसके बाद संगठनात्मक कमेटियों की जानकारी पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व को भेजी जाएगी।

प्रदेश अध्यक्ष ने निर्देश दिया कि जिन जिलों में पंचायत और प्रखंड कमेटियों का गठन अब तक नहीं हुआ है, वहां जिला प्रभारी और जिलाध्यक्ष मिलकर 20 दिनों के भीतर गठन की प्रक्रिया पूरी करें। उन्होंने स्थानीय जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) तथा आरक्षण से जुड़े मुद्दों पर भी सक्रिय रहने को कहा।

संजय सिंह यादव ने बताया कि नवंबर में राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव का झारखंड में कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसके लिए अभी से तैयारियां शुरू करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि दिवाली और छठ महापर्व के बाद सभी जिलों में जिला सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। जिला प्रभारियों को इन कार्यक्रमों की तैयारी के साथ संगठन को मजबूत करने का निर्देश दिया गया है।

बैठक के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में विधानसभा में राजद विधायक दल के नेता सुरेश पासवान ने कहा कि एक नवंबर को झारखंड से पार्टी के हजारों कार्यकर्ता झंडे और बैनर के साथ दिल्ली के रामलीला मैदान पहुंचेंगे और केंद्र सरकार की नीतियों का विरोध करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की ओर से झारखंड को रॉयल्टी की राशि नहीं दिए जाने के कारण राज्य का विकास प्रभावित हो रहा है।

पासवान ने एसआईआर के माध्यम से मतदाता सूची से नाम हटाए जाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों को लेकर राजद सड़क से सदन तक आंदोलन करेगा।

बैठक में विधायक दल के नेता सुरेश पासवान, विधायक नरेश प्रसाद सिंह, पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मनोज कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष अनीता यादव, गिरधारी यादव, प्रवक्ता आबिद अली, युवा अध्यक्ष रंजन यादव, प्रणव कुमार बबलू, मनोज कुमार पांडे, सुनीता चौधरी, इरफान अंसारी, तारापदो ढीबर, रामकुमार यादव, भूतनाथ यादव, संतोष यादव, धर्मेंद्र महतो और विक्रम यादव सहित विभिन्न जिलों के प्रभारी एवं जिलाध्यक्ष उपस्थित थे।

एक नजर

धार्मिक और सांस्कृतिक जागरूकता के लिए सत्संग को बढ़ावा दें विहिप कार्यकता : अरुण नेटके

रांची। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के केंद्रीय सहमंत्री अरुण नेटके ने कहा कि संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है कि वह सत्संग को बढ़ावा देने के साथ समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाए। सत्संग के माध्यम से समाज में आपसी समन्वय, संस्कार और संगठन के प्रति जागरूकता को मजबूत किया जा सकता है। अरुण नेटके बुधवार को रांची एयरपोर्ट के समीप स्थित एक होटल में आयोजित विश्व हिन्दू परिषद की रांची विभाग बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, कार्यकताओं के दायित्वों, सत्संग के महत्व और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कार्यकताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में संगठनात्मक गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित करने का आह्वान किया। साथ ही संगठन के विस्तार और निर्धारित कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सक्रिय सहभागिता पर जोर दिया। अरुण नेटके विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय सहमंत्री होने के साथ अखिल भारतीय मंदिर एवं अर्चक-पुरोहित संपर्क प्रमुख तथा धर्मयात्रा महासंघ के अखिल भारतीय सहप्रमुख का दायित्व भी संभाल रहे हैं। बैठक में रांची विभाग के अंतर्गत क्षेत्र, प्रांत और विभाग स्तर के पदाधिकारियों के अलावा जिला समितियों के प्रतिनिधि, विभिन्न आयामों के पदाधिकारी, प्रखंड अध्यक्ष, मंत्री और बजरंग दल के संयोजक शामिल हुए। इस दौरान संगठन के कार्यों की समीक्षा की गई और आगामी कार्यक्रमों के संचालन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में हितचिंतक अभियान के निर्धारित प्रपत्र को पूर्ण रूप से भरकर जमा करने तथा संबंधित पदाधिकारियों को अद्यतन कार्यवृत्त प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। कार्यकताओं से संगठनात्मक कार्यों में समयबद्धता, अनुशासन और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की गई। इस अवसर पर प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत, प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र, प्रांत उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद यादव, प्रांत संयोजक रंगनाथ महतो, प्रांत संगठन मंत्री चितरंजन कुमार, प्रांत मातृशक्ति प्रमुख अनिमा पाण्डेय, प्रांत दुर्गावाहिनी प्रमुख कृति गौरव, प्रांत सेवा सहप्रमुख अशोक अग्रवाल, प्रांत विद्यालय संपर्क प्रमुख अमर प्रसाद और रांची विभाग मंत्री रवि शंकर सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

माता वैष्णो देवी मंदिर में 29 को होगा करवा चौथ व्रत

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रामगढ़। शहर के झंडा चौक स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर परिसर में गुरुवार को करवा चौथ व्रत कथा का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम अपराह्न तीन बजे से शुरू होगा। इसकी जानकारी पंजाबी हिन्दू बिरादरी के महासचिव महेश मारवाह ने बुधवार को दी।

उन्होंने बताया कि करवा चौथ का व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है। इस अवसर पर व्रतधारी महिलाओं को मां करवा की कथा सुनाने के लिए मंदिर परिसर में विशेष व्यवस्था की गई है। माता वैष्णों देवी मंदिर के पुजारी पंडित लीलाधर शर्मा पारंपरिक विधि-विधान के साथ महिलाओं को करवा चौथ व्रत की कथा सुनाएंगे। महेश मारवाह ने बताया कि कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाने वाला करवा चौथ व्रत पति की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और दांपत्य जीवन की मंगलकामना से जुड़ा है। इस दिन सुहागिन महिलाएं निर्जला व्रत रखकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करती हैं तथा चंद्रमा के दर्शन के बाद व्रत का पारण करती हैं। उन्होंने सभी व्रतधारी महिलाओं से निर्धारित समय पर माता वैष्णो देवी मंदिर पहुंचकर व्रत कथा श्रवण करने की अपील की है। कार्यक्रम को लेकर पंजाबी हिन्दू बिरादरी के पदाधिकारियों की ओर से आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई है। मंदिर परिसर में धार्मिक आयोजन को लेकर विशेष व्यवस्था की गई है।

सादगी से मनाया जाएगा झारखंड विधानसभा का स्थापना दिवस, सम्मान समारोह पूर्ववत होगा

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो ने अधिकारियों के साथ की तैयारियों की समीक्षा- 22 नवंबर को विधानसभा के सेंट्रल हॉल में आयोजित होंगे सभी कार्यक्रम

रांची। झारखंड विधानसभा का स्थापना दिवस समारोह इस वर्ष 22 नवंबर को सादगीपूर्ण तरीके से मनाया जाएगा। हालांकि, इस अवसर पर आयोजित होने वाला सम्मान समारोह पूर्ववत होगा। स्थापना दिवस से जुड़े सभी कार्यक्रम विधानसभा के सेंट्रल हॉल में आयोजित किए जाएंगे। यह निर्णय बुधवार को विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया।

विधानसभा अध्यक्ष ने अपने कार्यालय कक्ष में अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान कार्यक्रमों की रूपरेखा, आयोजन की व्यवस्था और अन्य आवश्यक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में हाल के दिनों में झारखंड के राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के निधन और शोक की स्थिति को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष स्थापना दिवस समारोह सादगी से मनाने पर सहमति बनी। साथ ही 25 और 26 नवंबर को प्रस्तावित विधानसभा के विशेष सत्र के मद्देनजर समारोह के स्वरूप और कार्यक्रमों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि स्थापना दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह पूर्व की भांति आयोजित किया जाएगा। सम्मान समारोह सहित अन्य सभी कार्यक्रम विधानसभा के सेंट्रल हॉल में ही संपन्न होंगे। इस अवसर पर विधानसभा के प्रभारी सचिव रंजीत कुमार, एस. वजीह बंटी, कुन्दन कुमार सिंह, गुरूचरण सिंकु, संजीत कुमार, अनुप लाल, किरण सुमन बाखला, रवि शंकर प्रसाद, विष्णु पासवान और राव दिपेन्द्र कुमार यादव सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

झारखण्ड सरकार
कार्यालय:जिला मत्स्य पदाधिकारी,कोडरमा

Tender Reference No- 04 Date - 23.10.2026

अल्पकालीन निविदा

राज्यादेश सं0 25 दिनांक 11.08.2026 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2026–27 में मत्स्य प्रसार एवं अनुसंधान एवं प्रशिक्षण योजनान्तर्गत नये रंगीन मछली एवं पूर्व संचालित रंगीन मछली इकाईयों के लिए GEM के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं0	'शीर्षक	विवरण
1	कार्य का नाम	नये रंगीन मछली एवं पूर्व संचालित रंगीन मछली आपूर्ति के लाभुकों को रंगीन मछली / एक्वेरियम इत्यादि की आपूर्ति
2	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम	जिला मत्स्य पदाधिकारी, कोडरमा।
3	कार्य की अवधि	2026–27
4	निविदा वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि	23.10.2026
6	अग्रधन राशि	20000 /– मात्र।
7	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि	12.11.2026 (12:00 बजे दोपहर)
8	निविदा निस्तारण की तिथि एवं समय	13.11.2026 (12:00 बजे दोपहर)
9	निविदा आमंत्रित करने का स्थान	जिला मत्स्य कार्यालय, कोडरमा
10	निविदा खोलने का स्थान	जिला मत्स्य कार्यालय, कोडरमा
11	संपर्क संख्या	ई–मेल–kodermadfo@rediffmail.com

निविदा की शर्तें जिला मत्स्य कार्यालय, कोडरमा के सूचनापट्ट, www.koderma.nic.in एवं GEM Portal पर देखी जा सकती है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी,
कोडरमा

PR 392712 Fish (26-27) D"

मध्याह्न भोजन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, मेन्यु के अनुसार दें भोजन : ज्योति

खूंटी। खूंटी की प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्योति कुमारी की अध्यक्षता में बुधवार को उनके कार्यालय कक्ष में प्रखंड स्तरीय स्टीयरिंग सह मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में झारखंड राज्य मध्याह्न भोजन प्राधिकरण, रांची और जिला शिक्षा अधीक्षक की ओर से जारी निदेशों की समीक्षा की गई। साथ ही प्रखंड के सभी मध्यान भोजन संचालित विद्यालयों के प्रभारी प्रधानाध्यापकों को निदेशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) ने निर्देश दिया कि सभी विद्यालयों में जरूरी फाइल को अपडेट रखें। साथ ही उन्होंने बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच, उनके सर्वांगीण विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रतिदिन निर्धारित मेन्यु के अनुसार स्वच्छ एवं साफ-सुथरे तरीके से मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने सभी मध्याह्न भोजन संचालित विद्यालयों में हैंडवाश और ब्लीचिंग पाउडर की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

खूंटी में बेटे की हत्या के आरोप में पिता गिरफ्तार

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

खूंटी, 28 अक्टूबर (हि.स.)। खूंटी जिले के कर्रा थाना क्षेत्र के बरांगों गांव निवासी सांदिर मुंडा की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। हत्या के आरोप में मृतक के पिता मुंडला मुंडा (57) को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। पुलिस ने घटना के 36 घंटे के भीतर आरोपित को गिरफ्तार करने का दावा किया है। तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) विजय कुमार सिंह ने बुधवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि सांदिर मुंडा अक्सर अपने पिता के साथ मारपीट करता था। बीते 25 अक्टूबर को भी वह अपने पिता के साथ गाली-गलौज कर रहा था। इसी दौरान विवाद बढ़ने पर मुंडला मुंडा ने आवेश में आकर पास में रखी दौली (एक तरह का धारदार हथियार) से बेटे के सिर पर वार कर दिया। एसडीपीओ के अनुसार, सिर पर गंभीर चोट लगने के बावजूद सांदिर मुंडा घर से निकलकर पंडरा परसा टोली के पास स्थित जंगल की ओर चला गया। वहां अत्यधिक रक्तस्राव के कारण वह गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। 26 अक्टूबर को पुलिस ने जंगल से सांदिर मुंडा का शव बरामद किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए हत्या का खुलासा करने के लिए उनके नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने जांच और छापेमारी के बाद आरोपित पिता मुंडला मुंडा को गिरफ्तार कर लिया। छापेमारी दल में एसडीपीओ विजय कुमार सिंह के अलावा इंस्पेक्टर परशुराम पासवान, कर्रा थाना प्रभारी राजू कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक अरविन्द कुमार, बीरबल करमाली और जितेंद्र राम शामिल थे।

ई० प्रोक्यूरमेंट सेल,
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
भवन निर्माण विभाग,भवन प्रमण्डल संख्या-02, रॉची

अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेन्ट नोटिस

ई–टेन्डर रेफरेन्स नं0–30/2026-27/EE/BCD/DIV-2,RANCHI. दिनांक–29.10.2026

1.	कार्य का नाम	2. प्राक्कलित राशि (रू0)	3. कार्य पूर्ण की अवधि
	Renovation of CD Type Quarter (Block E) at Old Vidhan Sabha Campus, Dhurwa, Ranchi	राशि रू0 82,68,400.00 (बयासी लाख अड़सठ हजार चार सौ) रूपये मात्र।	3 (तीन) माह
4.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	12.11.2026 को 11:00 बजे	
5.	बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि / समय	18.11.2026 को 11:00 बजे तक	
6.	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, रॉची।	
7.	निविदा खोलने की तिथि / समय एवं स्थान	19.11.2026 को 11:30 बजे नोडल पदाधिकारी, ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल, अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–2, रॉची	
8.	प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	6203309676	
9.	ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन संख्या	7992430721	

10. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
11. सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेंस विभाग, झारखण्ड, सरकार के आदेश ज्ञापांक–120 दिनांक–03.10.2023 के द्वारा निर्गत SOP (मानक संचालन प्रक्रिया) एवं भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड, सरकार के पत्रांक 2229 दिनांक 06.10.2023 के आलोक में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
12. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, SOP के तहत अग्रधन की राशि उसी खाते में वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी संपूर्ण जवाबदेही निविदादाता की होगी।
- अन्य किसी भी प्रकार के बदलाव की सूचना http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
भवन निर्माण विभाग,
भवन प्रमण्डल संख्या–02, रॉची

PR 392721 Building(26-27).D

जमीन और क्वार्टर बेचकर नहीं, उत्पादन बढ़ाने से सुधरेगी एचईसी की आर्थिक स्थिति : लीलाधर सिंह

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

केंद्र सरकार से कार्यशील पूंजी और बैंक गारंटी उपलब्ध कराने की मांग- छठ महापर्व से पहले कर्मचारियों का बकाया वेतन भुगतान करने पर जोर

रांची। हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन के महामंत्री एवं इंटक के राष्ट्रीय संगठन सचिव लीलाधर सिंह ने कहा कि हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन (एचईसी) जैसे ऐतिहासिक सार्वजनिक उपक्रम को जमीन और क्वार्टर बेचकर लंबे समय तक नहीं चलाया जा सकता। इसकी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए उत्पादन और उत्पादों की बिक्री बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने केंद्र सरकार से एचईसी के सुचारु संचालन के लिए कार्यशील पूंजी और बैंक गारंटी की व्यवस्था करने की मांग की है। लीलाधर सिंह ने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि एचईसी की आर्थिक स्थिति लगातार चिंताजनक बनी हुई है। कार्यशील पूंजी की कमी के कारण उत्पादन प्रभावित हो रहा है और कर्मचारियों को लंबे समय से वेतन संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रबंधन से हर हाल में छठ महापर्व से पहले कर्मचारियों के बकाया वेतन का भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि एचईसी की जमीन और आवासीय क्वार्टर बेचकर न तो उद्योग का स्थायी संचालन संभव है और न ही कर्मचारियों को नियमित वेतन दिया जा सकता है। इसके लिए उत्पादन बढ़ाने, नए कायार्देश प्राप्त करने और तैयार उत्पादों की बिक्री पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

लीलाधर सिंह ने कहा कि बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठानों की स्थापना और संचालन पर हजारों करोड़ रुपये खर्च होते हैं। ऐसे उद्योग देश के औद्योगिक विकास में योगदान देने के साथ बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार भी उपलब्ध कराते हैं। आर्थिक संकट के समय औद्योगिक संपत्तियों की बिक्री करने के बजाय उत्पादन क्षमता और कारोबार बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

एचईसी के डिस्पैच में आई गिरावट पर चिंता जताते हुए उन्होंने बताया कि इस वर्ष सितंबर में करीब 12 करोड़ रुपये का डिस्पैच हुआ था, जबकि अक्टूबर में अब तक मात्र 70 लाख रुपये का डिस्पैच हुआ है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में उत्पादन और बिक्री बढ़ाने के लिए प्रभावी प्रयास करने के साथ कर्मचारियों के बकाया वेतन का भुगतान भी प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए।

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग,
अवर प्रादेशिक नियोजनालय, हजारीबाग

भर्त्ती कैम्प, सूचना

अवर प्रादेशिक नियोजनालय –सह– मॉडल कैरियर सेन्टर, हजारीबाग द्वारा दिनांक 31.10.2026 को आई० टी० आई० परिसर, सिन्दुर, हजारीबाग में 10:30 बजे पूर्वाहन से 4:00 बजे अपराह्न तक निम्न कंपनियों के अधीन रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु एक दिवसीय भर्त्ती कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, जिसका विवरण निम्न हैं :–

SN	Name of the Establishment	Name of Vacancies	No of Vacancies	Qualification	Experience in Month	Age	Pay/Salary	Job Location	Remarks
01	Bajaj Life Insurance Pvt. Ltd., Laxmi Cinema Hall Complex, Hazaribagh	Sales Manager	04	B.A. / B. Com/ B.Sc. Any stream	0 - 12	25	3 Lakh Per Year	Hazaribagh	
02	RSG Sales & Services Pvt. Ltd.Patna Bihar	Sales Marketing	80	12th	No	18-40	14000-18000	All Over India	
		Technician	40	10th 12th ITI	2 Year	18-40	15000-20000	All Over India	
		Survey Executive	60	10th 12th I	No	18-40	14000-17000	All Over India	
		Supervisor	20	Graduation	1 Year	18-40	16500-20000	All Over India	
		H.R. Manager	01	P.G.	2 Year	18-40	18000-24000	All Over India	
		Computer Operator	10	12th	No	18-40	14000-16000	All Over India	
		Tele Caller	20	12th	No	18-40	10000-12000	All Over India	
		Accountant	02	B.Com	1 year	22-35	16000-20000	All Over India	
		Sales Officer	05	12th	No	18-40	14200-18000	All Over India	
03	LHRS Human Resource Service Pvt. Ltd, Patna Bihar	Insurance Advisor	50	12th	No	18-50	25000-35000	All Over India	
		Loan Advisor	100	12th	No	18-40	15000-40000	All Over India	
		Team Leader	50	Graduation	No	22-40	16500-20000	All Over India	
		Computer Operator	50	12th	No	18-40	14000-16000	All Over India	
		Tele Caller	50	12th	No	18-40	10000-12000	All Over India	
		Accountant	02	B. Com	1 Year	22-35	16000-20000	All Over India	
		Sales Officer	50	12th	No	18-40	14200-18000	All Over India	
		Technician	100	10th, 12th, ITI	No	18-40	15000-18000	All Over India	

योग्य एवं इच्छुक आवेदक (उम्मीदवार) जो पूर्व से निबंधित नहीं है वे अपने निकटतम नियोजनालय में अथवा www.jharniyojan.jharkhand.gov.in पर अपना निबंधन कराते हुए इस भर्त्ती कैम्प में नियोजक / नियोजक के प्रतिनिधि के समक्ष अपने सभी मूल प्रमाण–पत्रों एवं अंक प्रमाण–पत्रों की छाया प्रतियों, अंचल कार्यालय द्वारा निर्गत आवासीय प्रमाण–पत्र तथा वायोडाटा दो प्रतियों में, दो पासपोर्ट साईज का फोटो के साथ साक्षात्कार हेतु उपस्थित हो सकते है। जो उम्मीदवार पूर्व से निबंधित है उन्हे पुनः निबंधन करवाने की आवश्यकता नहीं है। चूँकि रिक्ति निजी क्षेत्र से संबंधित है, अतएव चयन की प्रक्रिया में नियोजनालय का किसी भी प्रकार से हस्तेक्षप नहीं रहेगा। इस निमित किसी भी प्रकार का मार्ग व्यय देय नही होगा।

नियोजन पदाधिकारी,
अवर प्रादेशिक नियोजनालय, हजारीबाग

PR 392648 Labour Employment and Traning(26-27)#D

झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा के सफल संचालन को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

कदाचारमुक्त परीक्षा कराने का निर्देश
चतरा के 18 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में शामिल होंगे 12 हजार 268 अभ्यर्थी, सुरक्षा एवं निगरानी के पुख्ता इंतजाम करने का निर्देश

उज्जवल दुनिया संवाददाता

चतरा। समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में चतरा उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट)-2026 के सफल, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं कर्मियों की ब्रीफिंग सह समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा की तैयारियों, विधि-व्यवस्था संधारण, सुरक्षा व्यवस्था तथा प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं कर्मियों के दायित्वों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 1 नवंबर 2026 को जिले के 18 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में परीक्षा आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली में उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6 से 8) की परीक्षा सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली में प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5) की परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 4:30 बजे तक होगी। दोनों पालियों में प्रथम में 7103 द्वितीय पाली में 5165 अभ्यर्थि शामिल होंगे। इस प्रकार कुल 12268 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। उपायुक्त ने सभी केंद्राधीक्षकों को परीक्षा केंद्रों पर साफ-सफाई, विद्युत व्यवस्था, पर्याप्त रोशनी एवं सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि परीक्षा के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारी एवं कर्मी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता, सतर्कता एवं आपसी समन्वय के साथ करें, ताकि परीक्षा निष्पक्ष एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके।

परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरण प्रतिबंधित

परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए परीक्षा केंद्रों के भीतर मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस तथा अन्य संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रवेश एवं उपयोग पर जैक द्वारा निर्धारित दिशा-निदेर्शों के अनुरूप प्रतिबंध रहेगा। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पूर्व निर्धारित नियमों का पालन करना होगा। केंद्राधीक्षक एवं प्रतिनियुक्त कर्मी प्रवेश के दौरान निर्धारित जांच प्रक्रिया सुनिश्चित करेंगे, ताकि किसी भी प्रकार के अनुचित साधन के उपयोग की संभावना न रहे। प्रतिबंधित वस्तुओं के संबंध में जैक द्वारा जारी निदेर्शों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।

जैक के निदेर्शों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश

उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों, केंद्राधीक्षकों, दंडाधिकारियों एवं प्रतिनियुक्त कर्मियों को निर्देश दिया कि आयोग द्वारा परीक्षा के सफल संचालन के लिए जारी दिशा-निदेर्शों एवं निर्गत आदेशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी जैक द्वारा जारी गाइडलाइन सहित परीक्षा से संबंधित सभी निदेर्शों एवं आदेशों का भली-भांति अध्ययन कर लें, ताकि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो। निर्धारित दायित्वों के निर्वहन में किसी भी प्रकार की चूक नहीं होनी चाहिए तथा परीक्षा की गोपनीयता, निष्पक्षता एवं अनुशासन बनाए रखने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

विधि-व्यवस्था एवं निगरानी के लिए रहेगी विशेष सतर्कता

परीक्षा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को अपने निर्धारित दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने का निर्देश दिया गया। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की आवाजाही तथा केंद्रों के आसपास की गतिविधियों पर निगरानी रखी जाएगी। प्रतिनियुक्ति आदेश के अनुरूप स्टैटिक दंडाधिकारी, गश्ती दल एवं अन्य निर्धारित निगरानी दलों के माध्यम से परीक्षा केंद्रों का पर्यवेक्षण किया जाएगा। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, संदिग्ध गतिविधि या कदाचार की सूचना मिलने पर तत्काल नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

एक नजर

बड़कागांव विधायक ने पीसीसी सड़क का किया शिलान्यास

केरेडारी। बड़कागांव विधायक रौशन लाल चौधरी ने केरेडारी प्रखंड के चट्टी बरियातू गांव में खैर पवार से बाला महतो के घर तक पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास फीता काट कर व नारियल फोड़ कर किया। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि डी एमएफटीफंड का उपयोग पूरी पारदर्शिता के साथ क्षेत्र के विकास के लिए किया जा रहा है। पीसीसी सड़क के बन जाने से चट्टीबारियातु के ग्रामीणों को कीचड़ और जलजमाव की समस्या से निजात मिलेगी और आवागमन सुगम होगा! इस दौरान ग्रामीणों ने विधायक जी का फूल-मालाओं से स्वागत किया और आभार व्यक्त किया।

केरेडारी में एसीबी की बड़ी कार्रवाई, पंचायत सेवक 9 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार

केरेडारी। भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी की बड़ी कार्रवाई केरेडारी प्रखंड मुख्यालय में हुई है! जहां हजारीबाग एसीबी की टीम ने केरेडारी प्रखंड के कराली व पाताल पंचायत के पंचायत सेवक तालेश्वर दास को 9,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है! मिली जानकारी के अनुसार पंचायत सेवक किसी सरकारी योजना के एवज में कराली पंचायत के एक लाभुक से 9 हजार रुपये रिश्वत की मांग किया था! जिसकी शिकायत लाभुक ने हजारीबाग एसीबी से की थी! एसीबी द्वारा शिकायत के सत्यापन के 28 अक्टूबर को को दोपहर 1:40 बजे एसीबी की टीम ने जाल बिछाकर केरेडारी में पंचायत सेवक को 9 हजार रुपये लेते हुए धर दबोचा !गिरफ्तारी के बाद पंचायत सेवक को एसीबी की टीम अपने साथ हजारीबाग ले गई है, जहाँ आगे की कार्रवाई की जा रही है !एसीबी की इस कार्रवाई के बाद केरेडारी प्रखंड कार्यालय में हड़कंप मच गया है। सरकारी महकमे में चर्चा है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है।

शाहपुर-दूधमटिया सड़क पर मंडरा रहा हादसे का खतरा, मिट्टी बहने से लटका सड़क का हिस्सा

कटकमसांड़ी। क्षेत्र के शाहपुर पंचायत से दूधमटिया होते हुए मनार को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर इन दिनों हादसे का खतरा मंडरा रहा है। शाहपुर में गुलाब यादव के घर और बलदेव यादव के घर के बीच स्थित पुलिया से कुछ आगे सड़क के नीचे से मिट्टी पानी के बहाव के कारण पूरी तरह बह गई है। मिट्टी बह जाने से सड़क का ढलाई वाला हिस्सा हवा में लटका हुआ है, जिससे कभी भी सड़क का यह हिस्सा टूटकर बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क के नीचे लगातार मिट्टी कटने के कारण स्थिति गंभीर होती जा रही है। यदि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं कराई गई तो सड़क का बड़ा हिस्सा धंस सकता है और आवागमन पूरी तरह बाधित होने के साथ-साथ किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहेगी। यह सड़क शाहपुर, दूधमतियां और मनार सहित आसपास के कई गांवों को जोड़ती है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण इस मार्ग से आवागमन करते हैं। ऐसे में सड़क की जर्जर स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई है।

मौसम की मार से बदली सोहराय महोत्सव की तारीख, अब 4 और 5 नवंबर को होगा आयोजन

हजारीबाग। हजारीबाग में आयोजित होने वाले सोहराय महोत्सव की तिथि में बदलाव किया गया है। पहले यह महोत्सव 30 और 31 अक्टूबर को संत कोलंबस कॉलेज मैदान में आयोजित होने वाला था, लेकिन मौसम की स्थिति और बारिश की संभावना को देखते हुए अब इसका आयोजन 4 और 5 नवंबर को किया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार, महोत्सव में झारखंड के विभिन्न जिलों के साथ-साथ दूसरे राज्यों से भी बड़ी संख्या में कलाकारों और प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है। ओडिशा समेत गुमला, सिमडेगा, जमशेदपुर, धनबाद, रांची और अन्य क्षेत्रों से लोग इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पहुंचेंगे। बारिश के कारण उन्हें यात्रा करने और कार्यक्रम में शामिल होने में परेशानी हो सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए महोत्सव की तारीख आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

विभावि में दीक्षांत समारोह को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग में 11वें दीक्षांत समारोह को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में है। स्वामी विवेकानंद सभागार में 30 अक्टूबर को आयोजित दीक्षांत समारोह में दीक्षांत संबोधन तथा स्वर्ण पदक एवं उपाधि वितरण बतौर मुख्य अतिथि झारखंड के माननीय राज्यपाल सह कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार के कर कमल तथा अनुमति से किया जाना है।आयोजन को सफल बनाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा के आदेश से कई महत्वपूर्ण समितियों का गठन किया गया है। आयोजन समिति के अध्यक्ष के दायित्व में खुद कुलपति है। वह सभी समितियां की तैयारी की समय-समय पर खबर ले रहे हैं आवश्यक दिशा निर्देश भी जारी कर रहे हैं। दीक्षांत समारोह के संयोजक तथा विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा एवं दीक्षांत समारोह के समन्वयक सह केंद्रीय पुस्तकालय के निदेशक डॉ विनोद रंजन महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। समारोह का विशेष आकर्षण इस बार की स्मारिका होगी। इस समिति के संयोजक तथा विश्वविद्यालय के सीसीडीसी प्रो मिथिलेश कुमार सिंह एवं डॉ विनोद रंजन स्मारिका को नए अंदाज में प्रकाशित करवाने के लिए कठिन परिश्रम किए हैं।दीक्षांत समारोह से संबंधित सामग्री वितरण के लिए बनी समिति के संयोजक डॉ सरोज कुमार सिंह अपनी समिति के सभी साथियों के साथ मुस्तैद है। उन्होंने बताया कि 29 तारीख को अपराह्न 1:00 से स्वामी विवेकानंद सभागार में यह सामग्री वितरित की जाएगी।

चंद्रगुप्त कोल परियोजना में सीसीएल प्रबंधन पर मनमानी का आरोप

जमीन का बगैर सत्यापन और मुआवजा के ट्रांसपोर्टिंग करने का आरोप
जमीन गई, लेकिन न नौकरी मिली और न मुआवजा
सड़क जाम करने उतरे रैयतों का आरोप भारी सुरक्षा बल बुलाकर दबाव में दोबारा शुरू कराया ट्रांसपोर्टिंग

केरेडारी। सीसीएल के चंद्रगुप्त कोल परियोजना में रैयतों की समस्याओं को लेकर एक बार फिर विवाद गहराता नजर आ रहा है। माइंस खुलने के बावजूद प्रभावित रैयतों की जमीन का सत्यापन नहीं होने और नौकरी व मुआवजा नहीं मिलने से नाराजगी बढ़ रही है। रैयतों का आरोप है कि उनकी समस्याओं का समाधान किए बिना ही कोयला परिवहन का कार्य किया जा रहा है। अपनी मांगों को लेकर आक्रोशित रैयतों ने ट्रांसपोर्टिंग सड़क जाम कर विरोध जताया। रैयतों का आरोप है कि जब तक जमीन का सत्यापन कर नौकरी और मुआवजे से संबंधित मामलों का निष्पादन नहीं किया जाता, तब तक उनकी समस्याओं को नजरअंदाज कर परिवहन कार्य जारी रखना उचित नहीं है। रैयतों ने आरोप लगाया कि सड़क जाम के बाद सुशी इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के कर्मियों ने भारी सुरक्षा बल बुलाया और दबाव बनाकर ट्रांसपोर्टिंग कार्य दोबारा शुरू करवा दिया। इससे प्रभावित रैयतों में नाराजगी और बढ़ गई है। रैयतों का सवाल है कि जब उनकी जमीन से जुड़ी समस्याओं का समाधान अब तक नहीं हुआ है, तो आखिर किस आधार पर परिवहन कार्य को प्राथमिकता दी जा रही है? रैयतों को कब मिलेगा उनका हक? इस पूरे मामले ने सीसीएल की चंद्रगुप्त कोल परियोजना और उससे जुड़ी कंपनी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हिंसा का रास्ता छोड़ नई जिंदगी की शुरूआत, ओपन जेल में दो पूर्व नक्सली कमांडरों ने वैवाहिक बंधन से बंधे

आत्मसमर्पण के बाद विवाह बंधन में बंधे सुरेश सिंह मुंडा और सोमवारी हेम्ब्रम
पुलिस और प्रशासन के अधिकारी बने बाराती, विवाह का कराया गया विधिवत पंजीकरण

हजारीबाग। कभी नक्सली गतिविधियों से जुड़ी जिंदगी, फिर आत्मसमर्पण और अब वैवाहिक जीवन की नई शुरूआत। हजारीबाग ओपन जेल में दो पूर्व नक्सली कमांडरों की शादी ने पुनर्वास की प्रक्रिया को एक अलग रूप में सामने रखा है। पुलिस और जिला प्रशासन की पहल पर आयोजित इस विवाह समारोह में अधिकारियों ने बाराती की भूमिका निभाई और नवदंपती को नई जिंदगी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस विवाह को आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने वाले लोगों के पुनर्वास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तौर पर देखा जा रहा है। इसका उद्देश्य ऐसे लोगों को समाज में सम्मानजनक जीवन शुरू करने का अवसर उपलब्ध कराने के प्रयास को सामने लाना है।

रांची जिले के रहने वाले हैं दोनों

जानकारी के अनुसार, विवाह बंधन में बंधने वालों में रांची जिले के बुंडू थाना क्षेत्र के बारूहातू गांव निवासी सुरेश सिंह मुंडा और तमाड़ क्षेत्र के अराहंगा गांव की रहने वाली सोमवारी हेम्ब्रम शामिल हैं। दोनों पूर्व में नक्सली गतिविधियों से जुड़े रहे हैं और आत्मसमर्पण के बाद जीवन की नई शुरूआत कर रहे हैं।

झारखंड विधानसभा की लोक लेखा समिति ने किया हजारीबाग जिले का दौरा

हजारीबाग। झारखंड विधानसभा की लोक लेखा समिति ने बुधवार को हजारीबाग जिले का दौरा किया। समिति के सभापति बरही विधायक मनोज कुमार यादव की अध्यक्षता में परिसदन भवन में आयोजित बैठक के दौरान जिले के विभिन्न विभागों के वित्तीय प्रबंधन एवं लेखा संबंधी मामलों की समीक्षा की गई। बैठक में समिति के सदस्य मनोहरपुर विधायक जगत मांझी तथा बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव उपस्थित रहे। बैठक में समिति ने जिले के वरीय पदाधिकारियों के साथ विभागवार वित्तीय मामलों की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान विभागीय आय- व्यय, सरकारी राशि के उपयोग में पारदर्शिता, लेखा परीक्षण, वित्तीय दस्तावेजों के मूल्यांकन, वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित कार्रवाई, प्रपत्र-क के गठन, राशि की वसूली, विभागीय कार्रवाई, सर्टिफिकेट केस एवं नीलामी से जुड़े मामलों की समीक्षा की गई। समिति ने संबंधित पदाधिकारियों से इन मामलों में अद्यतन प्रतिवेदन एवं आवश्यक जानकारी प्राप्त की। समिति ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने विभागों से संबंधित लेखा कंडिकाओं की नियमित समीक्षा करें तथा लंबित मामलों के निष्पादन में तेजी लाएं।

बिहारी पैक्स चुनाव की घोषणा, 22 नवंबर को होगा मतदान, 7 नवंबर को नामांकन, 8 नवंबर को आपत्ति व नाम वापसी की प्रक्रिया

पदमा। बिहारी पैक्स लिमिटेड में अध्यक्ष सहित प्रबंध समिति के चुनाव की घोषणा कर दी गई है। निर्वाचन पदाधिकारी सह टाटीझरिया प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी (बीसीओ) टी. टुडू ने इस संबंध में आधिकारिक पत्र जारी किया है। जारी चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, 22 नवंबर 2026 को अध्यक्ष पद के लिए मतदान कराया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के तहत 7 नवंबर को नामांकन होगा, जबकि 8 नवंबर को नामांकन पत्रों पर आपत्ति दर्ज कराने और नाम वापस लेने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। निर्वाचन को लेकर मतदाता सूची का प्रकाशन और उस पर आपत्ति दर्ज करने की प्रक्रिया पहले ही पूरी कर ली गई है। मतदान सहित निर्वाचन से संबंधित निर्धारित कार्यक्रम बिहारी पैक्स गोदाम सह कार्यालय में संपन्न होगा।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी भीषण आग

लाखों की संपति जलकर राख
कटकमसांड़ी प्रखंड के लुपूंग में रात 7 से 8 बजे के बीच हुआ हादसा, घर में रह रहे लोगों ने किसी तरह भागकर बचाई जान

कटकमसांडी। कटकमसांडी प्रखंड क्षेत्र के लुपूंग गांव में बुधवार की रात करीब 7 से 8 बजे के बीच शॉर्ट सर्किट से अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरा घर आग की चपेट में आ गया। घर के अंदर रह रहे लोगों ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। बताया जाता है कि पूजा कुमारी, पति सुधीर कुमार मेहता, के घर में अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ, जिसके बाद आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की चपेट में आने से घर में रखा बेड, पलंग, कपड़े, घरेलू सामान समेत लगभग पूरा सामान जलकर राख हो गया। घटना में घर को भी काफी नुकसान पहुंचा है। स्थानीय लोगों के अनुसार आग इतनी भयावह थी कि कुछ ही देर में घर काअधिकांश हिस्सा आग की चपेट में आ गया। आसपास के लोगों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक घर का काफी सामान जल चुका था।

लोटिया जलाशय के जीर्णोद्धार को 32.17 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति

विधायक मनोज कुमार यादव ने विधानसभा में उठाया था मुद्दा, जलाशय के पुनरुद्धार और मुख्य नहरों की लाइनिंग से किसानों को मिलेगी राहत

उज्जवल दुनियां संवाददाता

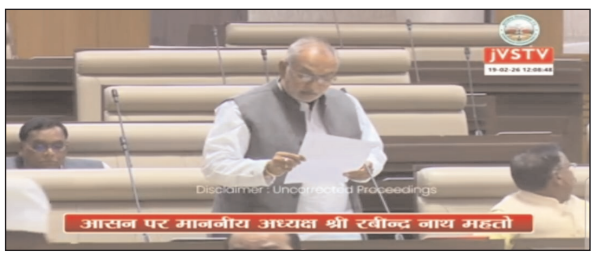

पदमा। बरही विधानसभा क्षेत्र के पदमा प्रखंड स्थित लोटिया जलाशय के जीर्णोद्धार और मुख्य नहरों की लाइनिंग का रास्ता साफ हो गया है। सरकार ने लोटिया जलाशय योजना के पुनरुद्धार एवं मुख्य नहरों की लाइनिंग के लिए 32 करोड़ 17 लाख 6 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। इस योजना के स्वीकृत होने से क्षेत्र में सिंचाई व्यवस्था मजबूत होने और किसानों को राहत मिलने की उम्मीद बढ़ गई है।विधानसभा में उठाया था मुद्दा लोटिया जलाशय के मुख्य गेट के क्षतिग्रस्त होने के कारण वर्षा जल का समुचित संचयन नहीं हो पा रहा था। इससे जलाशय की उपयोगिता प्रभावित हो रही थी और किसानों को सिंचाई के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने विधानसभा के बजट सत्र में जलाशय के जीर्णोद्धार और मुख्य नहरों की लाइनिंग का मुद्दा प्रमुखता से उठाया था। उनके प्रयासों के बाद योजना को प्रशासनिक स्वीकृति मिलने से क्षेत्र में इसके क्रियान्वयन की उम्मीद जगी है।सिंचाई व्यवस्था को मिलेगी मजबूती जलाशय के पुनरुद्धार और मुख्य नहरों की लाइनिंग का कार्य पूरा होने पर वर्षा जल के बेहतर संचयन तथा सिंचाई जल के प्रभावी उपयोग में मदद मिलने की संभावना है। इससे कृषि पर निर्भर किसानों को लाभ मिल सकता है। साथ ही, जल संरक्षण और भू-जल स्तर में सुधार की दिशा में भी यह योजना महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। अब धरातल पर काम शुरू होने की उम्मीद प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद क्षेत्र के किसानों की निगाहें अब योजना के धरातल पर उतरने पर टिकी हैं।

जेपी केंद्रीय कारा, हजारीबाग में जेल आईजी ने किया औचक निरीक्षण, बंदियों की सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा में भोजन वितरण प्रणाली की जांच, महिला बंदियों के बच्चों और जेल में संचालित पढ़ाई की भी ली जानकारी

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड के जेल महानिरीक्षक सुदर्शन मंडल ने बुधवार को हजारीबाग स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जेल की आंतरिक व्यवस्था, बंदियों को मिलने वाली सुविधाओं और भोजन वितरण प्रणाली का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान बंदियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और जेल में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी भी ली।

बंदियों से संवाद कर सुविधाओं की जानकारी ली

निरीक्षण के दौरान जेल आईजी ने बंदियों के बीच जरूरत की सामग्री वितरित की। उन्होंने महिला बंदियों के साथ रह रहे बच्चों से मुलाकात की और जेल परिसर में बच्चों की पढ़ाई के लिए संचालित व्यवस्था का भी अवलोकन किया। जेल के भीतर उपलब्ध सुविधाओं और उनके संचालन की स्थिति को समझने के लिए उन्होंने संबंधित लोगों से जानकारी प्राप्त की।

भोजन वितरण के लिए ट्रॉली व्यवस्था का निरीक्षण

बंदियों तक भोजन पहुंचाने की व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए जेल में उपलब्ध कराई गई ट्रॉली का भी निरीक्षण किया गया। इस व्यवस्था का उद्देश्य भोजन वितरण को व्यवस्थित करना और बंदियों तक खाना पहुंचाने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाना है। राज्य की विभिन्न जेलों में इस तरह की ट्रॉली उपलब्ध कराने की पहल की गई है।

जेल परिसर में किया पौधरोपण

केंद्रीय कारा पहुंचने पर जेल आईजी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद झारखंड की सांस्कृतिक परंपरा के अनुरूप उनका स्वागत किया गया। निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान सुदर्शन मंडल ने जेल परिसर में रुद्राक्ष और आंवला के पौधे भी लगाए। जेल आईजी का यह दौरा जेल की व्यवस्थाओं, बंदियों को उपलब्ध सुविधाओं और दैनिक कार्यप्रणाली की समीक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण रहा। निरीक्षण के दौरान भोजन वितरण, बच्चों की पढ़ाई और बंदियों की जरूरतों से जुड़े विभिन्न पहलुओं का जायजा लिया गया। इधर जानकार सूत्रों की माने तो चाक-चौबंद व्यवस्था के कारण जेल आईजी जेल के सलाखों में बंद कैदियों और बंदियों की पीड़ा से रु-ब-रू नहीं हो सकें।

हजारीबाग में जनगणना कार्यों को लेकर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

हजारीबाग। उपायुक्त-सह-जिला जनगणना पदाधिकारी हेमंत सती के निदेर्शानुसार बुधवार 28 अक्टूबर 2026 को पंचायत प्रमंडल प्रशिक्षण केंद्र, जबरा, हजारीबाग में दो दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। दिनांक 28 से 29 अक्टूबर 2026 तक आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन अपर समाहर्ता श्री महेंद्र छोटन उरांव द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर प्रशिक्षक के रूप में ज्ञान चन्द महतो, सहायक निदेशक, जनगणना निदेशालय, झारखंड, रांची तथा जिला समन्वयक, हजारीबाग उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना कार्यों के सुचारू, व्यवस्थित एवं प्रभावी संचालन के लिए संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला सांख्यिकी पदाधिकारी-सह-अपर जिला जनगणना पदाधिकारी, हजारीबाग, अनुमंडल पदाधिकारी-सह-अनुमंडल जनगणना पदाधिकारी, बरही, जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-चार्ज जनगणना पदाधिकारी, सभी अपर चार्ज जनगणना पदाधिकारी, जिला स्तरीय तकनीकी कोषांग के कर्मी तथा जनगणना कोषांग के पदाधिकारी, कर्मी एवं कंप्यूटर ऑपरेटर शामिल हुए।

तीरंदाजी में आयुष कुमार ने जीता रजत पदक, आइलेक्स पब्लिक स्कूल का बढ़ाया मान

बरही। हजारीबाग तीरंदाजी संघ की ओर से कर्जन स्टेडियम, हजारीबाग में आयोजित इंटर स्कूल डिस्ट्रिक्ट आर्चरी चैंपियनशिप 2026-27 में आइलेक्स पब्लिक स्कूल के छात्र आयुष कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीनियर कैटेगरी में सिल्वर मेडल हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। आयुष ने अपनी मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास के दम पर विद्यालय का नाम रोशन किया है। आयुष की सफलता पर विद्यालय के निदेशक डॉ. शैलेश कुमार ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि आयुष की उपलब्धि मेहनत, अनुशासन और नियमित अभ्यास का परिणाम है। खेलकूद विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उपायुक्त ने किया सदर अस्पताल का निरीक्षण

सुरक्षा, बाउंड्री निर्माण, मॉड्यूलर ओटी और आधुनिक आईसीयू को लेकर दिए कड़े निर्देश

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री आदित्य रंजन ने सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों, निमार्णाधीन बुनियादी ढांचे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए

सदर अस्पताल परिसर की बाउंड्री वॉल का निर्माण शीघ्र पूरा करने का निर्देश

उज्जवल दुनिया संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा अस्पताल के ऊपरी तल के निर्माण और परिसर की बाउंड्री को लेकर योजना स्वीकृत की गई है। उन्होंने कहा कि बाउंड्री नहीं होने के कारण पूर्व में परिसर से उपकरणों और सामानों की चोरी की घटनाएं सामने आई हैं, साथ ही सुरक्षा को लेकर भी आशंका बनी रहती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्य कर्मियों को भयमुक्त व सुरक्षित वातावरण प्रदान करने तथा करोड़ों रुपये के सरकारी उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बाउंड्री वॉल का निर्माण कार्य चल रहा है जिसे तत्काल पूरा कराया जाएगा। परिसर की जमीन पर हो रहे अतिक्रमण और चारदीवारी के दायरे में आने वाले निमार्णों पर बोलते हुए उपायुक्त ने कहा कि सरकारी जमीन पर जनहित का अधिकार सबसे पहले है। जहां कुछ व्यक्तियों द्वारा जमीन का उपयोग किया जा रहा है, वहीं चारदीवारी और अस्पताल के विस्तार से जिले के हजारों-लाखों मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि नियमों के तहत नोटिस की प्रक्रिया पूरी की जा रही है और अस्पताल निर्माण में आने वाली किसी भी बाधा को जनहित में हटाया जाएगा।

मॉड्यूलर ओटी और इंटीग्रेटेड आईसीयू का कार्य प्रगति पर

उपायुक्त ने अस्पताल में बन रहे स्टेट-ऑफ-द-आर्ट मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर और इंटीग्रेटेड आईसीयू के कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने बताया कि मॉड्यूलर ओटी का कार्य अंतिम चरण में है और अगले 10 से 15 दिनों में इसे हैंडओवर कर दिया जाएगा, जिससे बाधित ऑपरेशनों को जल्द सुचारू किया जा सके। अत्याधुनिक आईसीयू का कार्य भी आगामी एक सप्ताह में शुरू होने की संभावना है। इस दौरान एएनएम स्कूल ऑफ ट्रेनिंग का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने पानी की व्यवस्था, बोरिंग कराने और कक्षाओं में स्मार्ट बोर्ड लगाने जैसी मांगें रखीं। इन मांगों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए इन्हें पूरा करने का आश्वासन दिया, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिल सकें। साथ ही, प्रिंसिपल कक्ष की छत की मरम्मत का कार्य जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया। कुछ महीने पहले ही छत का निर्माण कराया गया था, लेकिन इसके बाद से वहां पानी टपकने जैसी समस्याएं सामने आ रही थीं। इस पर संबंधित ठेकेदार को कड़ी फटकार लगाते हुए जल्द से जल्द सुधार कार्य पूरा करने का निर्देश दिया गया।

एक नजर

शाहनवाज हुसैन के पुत्र के विवाह समारोह में शामिल हुईं धनबाद की पत्रकार प्रीति पूजा

धनबादः पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन और रेणु हुसैन के पुत्र के निकाह के उपलक्ष्य में नई दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित पीएसओआई क्लब में आयोजित स्वागत समारोह में धनबाद की पत्रकार प्रीति पूजा शामिल हुईं। शाहनवाज हुसैन के पुत्र का विवाह हरियाणा के जगाधरी से कांग्रेस विधायक मोहम्मद अकरम खान की पुत्री अफशां अकरम खान के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रीति पूजा ने नवविवाहित जोड़े से मुलाकात कर उन्हें आशीर्वाद दिया तथा सुखमय, समृद्ध और खुशहाल वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं। समारोह में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित कई गणमान्य लोग नवदंपती को आशीर्वाद देने पहुंचे। स्वागत समारोह में पारिवारिक आत्मीयता और सामाजिक सौहार्द का माहौल देखने को मिला। देश की विभिन्न हस्तियों की उपस्थिति ने समारोह को खास बना दिया।

अभिजीत गांगुली जूनियर फुटबॉल लीग में डीसी और एसएसपी ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

धनबाद। जिला फुटबॉल लीग के तहत बिरसा मुंडा स्टेडियम में आयोजित अभिजीत गांगुली जूनियर फुटबॉल लीग के मुकाबले में बिरसा मुंडा क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एफसीसी भितया को 6-0 से करारी शिकस्त दी। मुकाबले में बिरसा मुंडा क्लब के खिलाड़ियों ने शुरू से ही आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और एकतरफा जीत दर्ज की। टीम की जीत के हीरो सोहेल अंसारी रहे, जिन्होंने शानदार खेल दिखाते हुए तीन गोल दागकर हैट्रिक बनाई। वहीं, विकास मुर्मू, भुनेश्वर मुर्मू और रॉकी मुर्मू ने एक-एक गोल कर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। मैच में निर्णायक की भूमिका जसविंदर सिंह, पूजा कुमारी, जेवियर टुडू, धणपति पांडे और दिलीप महतो ने निभाई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में धनबाद के उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, एसडीएम लोकेश बारंगे, डीडीसी सन्नी राज और जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा उपस्थित रहे।

शीतलपुर सीआईएसएफ की बड़ी कार्रवाई: मुगमा मोड़ पर अवैध स्टीम कोयला लदा ट्रक पकड़ा

गुप्त सूचना पर टीम ने की छापेमारी, चालक के पास नहीं मिले कोयले से संबंधित कागजात; पुलिस जांच के बाद होगा खुलासा

एग्यारकुंड। कोयले के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए शीतलपुर सीआईएसएफ की टीम ने बुधवार शाम करीब चार बजे मुगमा मोड़ स्थित महादेव कांटा के पास स्टीम कोयला लदे एक ट्रक को पकड़ा। इस कार्रवाई से इलाके में कोयले के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों के बीच हड़कंप मच गया। पकड़े गए ट्रक का नंबर बीआर 01 जीक्यू 7073 बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार शाम करीब चार बजे मुगमा मोड़ स्थित महादेव कांटा पर कोयला लदा ट्रक पहुंचा था। इसी दौरान गुप्त सूचना के आधार पर सीआईएसएफ की टीम ने कार्रवाई करते हुए ट्रक को पकड़ लिया। टीम ने जब चालक से कोयले से संबंधित कागजात मांगे, तो वह मौके पर कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। गुप्त सूचना पर हुई कार्रवाई शीतलपुर सीआईएसएफ टीम के प्रमुख डीके सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने के बाद बुधवार शाम करीब चार बजे कोयला लदे ट्रक को पकड़ा गया। चालक से कोयले से संबंधित कागजात मांगे गए, लेकिन वह कोई दस्तावेज नहीं दिखा सका। चालक ने बताया कि निरसा थाना की पुलिस पहले भी ट्रक को पकड़कर कागजात की जांच कर रही है। शीतलपुर सीआईएसएफ टीम के डीके सिंह के अनुसार, मौके पर निरसा थाना पुलिस के पहुंचने और जांच के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अवैध भट्ठों से कोयला ढुलाई की चर्चा

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पंचेत ओपी और कालूबथान ओपी क्षेत्र में लतीबाबू पुल के आसपास कथित रूप से अवैध कोयला भट्ठे संचालित होने की चर्चा है। आरोप है कि इन भट्ठों से कोयला लदे ट्रक मुगमा रेलवे फाटक होते हुए मुगमा मोड़ स्थित कांटों तक पहुंचते हैं। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।बुधवार को कोयला लदे ट्रक को पकड़े जाने के बाद एक बार फिर क्षेत्र में कोयले की ढुलाई और उससे संबंधित दस्तावेजों की जांच का मुद्दा चर्चा में आ गया है। अब पुलिस की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि ट्रक में लदे कोयले का स्रोत क्या था और उसके परिवहन से संबंधित दस्तावेज वैध थे या नहीं।

धनबाद विधायक राज सिन्हा ने बैंक मोड़ स्थित 'कान्हा जेवर प्लेस' का किया विधिवत उद्घाटन

धनबाद। झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद के विधायक श्री राज सिन्हा ने आज बैंक मोड़ स्थित कान्हा जेवर प्लेस का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिष्ठान के संचालक को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और व्यवसाय की निरंतर प्रगति की कामना की। उद्घाटन के अवसर पर विधायक श्री सिन्हा ने कहा कि किसी भी नए प्रतिष्ठान की शुरूआत स्थानीय व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और आर्थिक विकास को गति देने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि कान्हा जेवर प्लेस निरंतर उन्नति के नए शिखर प्राप्त करे तथा अपने ग्राहकों को बेहतर सेवा और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराते हुए उनका विश्वास अर्जित करे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह प्रतिष्ठान अपनी गुणवत्ता, विश्वसनीयता और उत्कृष्ट ग्राहक सेवा के बल पर धनबाद के व्यापारिक क्षेत्र में एक विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा तथा सफलता के पथ पर निरंतर अग्रसर रहेगा। अंत में विधायक श्री राज सिन्हा ने प्रतिष्ठान के संचालक एवं उनकी पूरी टीम को शुभकामनाएँ देते हुए व्यवसाय के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

डीसी आदित्य रंजन और एसएसपी प्रभात कुमार ने प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट का किया औचक निरीक्षण, बेहतर संचालन का दिया निर्देश

एग्यारकुंड। धनबाद के उपायुक्त आदित्य रंजन एवं एसएसपी प्रभात कुमार ने बुधवार को माड़मा पंचायत भवन के समीप पीएचईडी विभाग द्वारा संचालित प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यूनिट का संचालन कर रही एजेंसी मेसर्स चौधरी ट्रेडर्स के संचालक अशोक चौधरी से प्लास्टिक कचरा प्रबंधन की प्रक्रिया एवं कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी ली। साथ ही, प्लांट का निरीक्षण कर इसका बेहतर तरीके से संचालन करने का निर्देश दिया।निरीक्षण के दौरान यूनिट के संचालक अशोक चौधरी ने उपायुक्त को बताया कि विभिन्न स्थानों से प्लास्टिक कचरा एकत्रित कर प्लांट में लाया जाता है। इसके बाद मशीनों की मदद से प्लास्टिक की सफाई की जाती है और अलग-अलग गुणवत्ता के प्लास्टिक को छांटकर अलग किया जाता है। फिर उसकी कटिंग कर बंडल तैयार किए जाते हैं, जिन्हें आसनसोल, गिरिडीह, बरवड्डा सहित अन्य स्थानों पर बिक्री के लिए भेजा जाता है।इस अवसर पर उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट की स्थापना की गई है। उन्होंने यूनिट का सुचारु रूप से संचालन सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा कि इससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और लोगों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।वहीं,एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि निरसा के पुराने थाना भवन में पर्याप्त जगह उपलब्ध है। इस स्थान का विभागीय स्तर पर किस प्रकार उपयोग किया जा सकता है, इस पर विचार किया जा रहा है।निरीक्षण के दौरान जिले के कई वरीय पदाधिकारियों के अलावा निरसा के बीडीओ इंद्रलाल ओहदार, सीओ विक्रम आनंद, थाना प्रभारी अजीत कुमार भारती सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

निरसा में तेज रफ्तार बस की टक्कर से 55 वर्षीय जाहिद अंसारी की मौत, मुआवजे की मांग पर सड़क जाम

धनबाद-चिरकुंडा मार्ग पर हादसा, निरसा पुलिस ने पीछा कर बस को पकड़ा; चालक और खलासी फरार

एग्यारकुंड। निरसा के कंचनडीह मोड़ पर बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 55 वर्षीय जाहिद अंसारी की मौके पर ही मौत हो गई। धनबाद से चिरकुंडा की ओर जा रही श्री गोकुल बस (संख्या खल्ह 10 इइ 1982) ने सड़क पार कर रहे जाहिद अंसारी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। घटना से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, जाहिद अंसारी कंचनडीह मोड़ पर चिकन की दुकान चलाते थे। बुधवार को वह एग्यारकुंड स्थित होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. आकुली से इलाज कराने गए थे। चिकित्सक को दिखाने के बाद जब वह सड़क पार कर रहे थे, तभी धनबाद की ओर से चिरकुंडा जा रही श्री गोकुल बस ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। बस की जोरदार टक्कर से उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम

हादसे की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। जाहिद अंसारी की मौत से आक्रोशित लोगों ने मृतक के परिजनों को मुआवजा देने की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। इसके कारण मार्ग पर आवागमन प्रभावित हुआ। खबर लिखे जाने तक सड़क जाम जारी था। स्थानीय लोग मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग पर अड़े हुए थे।

पुलिस ने पीछा कर बस को पकड़ा, चालक और खलासी फरार

घटना के बाद निरसा पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दुर्घटनाग्रस्त बस का पीछा किया और नशा मुक्ति केंद्र के समीप बस को पकड़ लिया।

चार साल पुराने मामले में पुलिस की दबिश, वारंटी मुनेश्वर तुरी गिरफ्तार

गोमिया। फरार वारंटियों के खिलाफ बोकारो पुलिस की कार्रवाई तेज हो गई है। इसी अभियान के तहत चतरोचट्टी थाना पुलिस ने बुधवार को एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मुनेश्वर तुरी (25 वर्ष), पिता गिरी तुरी उर्फ गिरिधारी तुरी, निवासी बिंदितोला चैलियाटांड़, थाना चतरोचट्टी, जिला बोकारो के रूप में हुई है। पुलिस कार्यालय, बोकारो से 28 अक्टूबर 2026 को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चतरोचट्टी थाना क्षेत्र में वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया गया था। इसी क्रम में पुलिस ने एसटी संख्या 131/2022 से संबंधित मामले में कार्रवाई करते हुए मुनेश्वर तुरी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस अभियान में चतरोचट्टी थाना के सअनि महेश कुमार शर्मा, हवलदार गंगाराम बनर्जी, हवलदार महेश तामसोय, आरक्षी संख्या 1608 रामेश्वर यादव और चालक नागेंद्र महतो शामिल थे। पुलिस की इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि फरार वारंटियों की गिरफ्तारी को लेकर अभियान चलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय नावाडीह में विशेष शिक्षक-अभिभावक बैठक

बोर्ड परीक्षा-2027 की सफलता के लिए बनी रणनीति

नावाडीह। मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय, नावाडीह में बुधवार को विशेष शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अर्धवार्षिक परीक्षा-2026 का परिणाम घोषित किया गया तथा आगामी वार्षिक एवं बोर्ड परीक्षा-2027 में विद्यार्थियों के बेहतर प्रदर्शन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान विद्यालय प्रबंधन की ओर से विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति को बेहतर बनाने के लिए संचालित रेमेडियल कक्षाओं, सीबीएसई द्वारा जारी सैंपल पेपर के नियमित अभ्यास तथा औसत एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग कार्ययोजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही सरकार की ओर से विद्यार्थियों को मिलने वाली विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं से भी अभिभावकों को अवगत कराया गया। इस अवसर पर आहरडीह पंचायत की मुखिया गायत्री देवी ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने बच्चों की नियमित पढ़ाई, अनुशासन और शैक्षणिक गतिविधियों में अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया। विद्यालय के प्राचार्य राजीव रंजन तिवारी ने विद्यालय परिवार की ओर से विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की। उन्होंने विद्यालय के परीक्षा परिणामों के साथ खेलकूद, जिला एवं राज्यस्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी तथा कला-संस्कृति के क्षेत्र में विद्यार्थियों की उपलब्धियों को भी अभिभावकों के समक्ष रखा।बैठक में विद्यालय के शिक्षक आनंद महतो, सरोज कुमार ठाकुर, चंद्र भूषण श्रीवास्तव, लक्ष्मण प्रसाद, विकास कुमार, ललन कुमार दास, उपेन्द्र कुमार दास तथा शिक्षिका संगीता कुमारी ने भी विद्यार्थियों के बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए शिक्षक-अभिभावक समन्वय, नियमित अध्ययन और सामूहिक जिम्मेदारी की आवश्यकता पर अपने विचार रखे।

चंदनकियारी प्रखंड कार्यालय में ड्यूटी के दौरान सोते दिखे नाजिर धर्मेंद्र प्रसाद, कार्यशैली पर उठे सवाल

बोकारो (चंदनकियारी): सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की जवाबदेही और कार्यसंस्कृति को लेकर एक बार फिर सवाल उठे हैं। चंदनकियारी प्रखंड कार्यालय से सामने आई एक तस्वीर में कार्यालय में कार्यरत नाजिर धर्मेंद्र प्रसाद ड्यूटी के दौरान सोते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस तस्वीर को लेकर सरकारी कामकाज और कर्मचारियों की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। एक ओर बोकारो के उपायुक्त अजय नाथ झा जिले में प्रशासनिक व्यवस्था को प्रभावी बनाने, विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करने और आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर प्रखंड कार्यालय से सामने आई इस तस्वीर ने सरकारी कर्मियों की कार्यशैली और कर्तव्यनिष्ठा को लेकर चर्चा छेड़ दी है। प्रखंड कार्यालय आम लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जहां ग्रामीण विभिन्न सरकारी योजनाओं, प्रमाणपत्रों और प्रशासनिक कार्यों के सिलसिले में पहुंचते हैं। ऐसे में कार्यालय में तैनात कर्मचारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे निर्धारित समय में अपने दायित्वों का निर्वहन करें और आम लोगों के कार्यों का समय पर निष्पादन सुनिश्चित करें।

बड़कागांव में विकास की नई इबारत, 5.81 करोड़ की दो सड़क योजनाओं से गांवों को मिलेगी बड़ी सौगात

बड़कागांव। बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण विकास को नई रफ्तार देने की दिशा में विधायक रोशन लाल चौधरी ने दो महत्वपूर्ण सड़क निर्माण योजनाओं का शिलान्यास किया। डीएमएफटी मद से कुल 5.81 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इन सड़कों से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बेहतर होगी। लंबे समय से बेहतर सड़क संपर्क की जरूरत महसूस कर रहे ग्रामीणों को इन योजनाओं के पूरा होने से राहत मिलने की उम्मीद है।

दोनों योजनाओं के तहत बड़कागांव प्रखंड की सांढ और आंगो पंचायत में सड़क निर्माण कराया जाएगा। पहली योजना में सांढ पंचायत के शिवाडीह मुख्य पथ से होरम तक 2.49 करोड़ रुपये की लागत से गार्डवाल एवं पीसीसी सड़क बनाई जाएगी। वहीं, दूसरी योजना के तहत सुदूरवर्ती आंगो पंचायत में पत्थलकुदवा से सिमराजारा तक 3.32 करोड़ रुपये की लागत से पीसीसी सड़क का निर्माण होगा। दोनों योजनाओं पर कुल 5.81 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में अंतर्विभागीय खेल प्रतियोगिता, फुटबॉल में आर्ट्स और इंजीनियरिंग फाइनल में

हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग में अंतर्विभागीय खेल टूर्नामेंट 2026-27 के तहत बुधवार को विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। फुटबॉल में कला और इंजीनियरिंग विभाग की टीमों ने जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। दरअसल बुधवार को फुटबॉल का पहला मुकाबला वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग और विज्ञान विभाग के बीच खेला गया। इसमें वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग ने 4-1 से शानदार जीत दर्ज की। वहीं दूसरे मुकाबले में इंजीनयरिंग विभाग ने सीएस एंड आईटी विभाग को 4-0 से पराजित किया। अब 31 अक्टूबर को कला विभाग और इंजीनियरिंग विभाग के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। छात्राओं की खो-खो प्रतियोगिता के शुरूआती मुकाबले में सीएस एंड आईटी विभाग ने विज्ञान विभाग को 9-5 से हराकर जीत हासिल की। दूसरा मुकाबला कला विभाग एवं वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के बीच खेला गया, जो बराबरी पर समाप्त हुआ। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कबड्डी और वॉलीबॉल का फाइनल 30 अक्टूबर को जबकि खो-खो और फुटबॉल का फाइनल मुकाबला 31 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा।

नावाडीह में बने कोल्ड स्टोर का अब तक नहीं हो पाया उपयोग

विकास योजनाओं के संचालन पर उठे सवाल

निर्माण के बाद भी बंद पड़ा कोल्ड स्टोर, योजनाओं के संचालन पर उठे सवाल

नावाडीह। विकास योजनाओं का निर्माण करना जितना जरूरी है, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण उनका सुचारू रूप से संचालन और आम जनता को उसका लाभ पहुंचाना है। लेकिन जब किसी योजना का निर्माण होने के वर्षों बाद भी उसका उपयोग शुरू नहीं हो पाता, तो योजना की उपयोगिता और उसके उद्देश्य को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। नावाडीह पंचमंदिर के सामने स्थित कोल्ड स्टोर (शीत गृह) इसका एक उदाहरण है। निर्माण कार्य पूरा हुए सालों बीत जाने के बावजूद अब तक इसका उपयोग शुरू नहीं हो पाया है। कोल्ड स्टोर का निर्माण क्षेत्र में उपयोगी सुविधाएं उपलब्ध कराने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा सकता है। विशेषकर किसानों के लिए शीत गृह जैसी व्यवस्था कृषि उत्पादों के सुरक्षित भंडारण में सहायक हो सकती है। इससे किसानों को अपनी उपज के संरक्षण में सुविधा मिलने की उम्मीद रहती है। लेकिन जब निर्माण के बाद ऐसी सुविधा का उपयोग ही शुरू नहीं हो पाता, तो उससे मिलने वाला संभावित लाभ भी लोगों तक नहीं पहुंच पाता। नावाडीह पंचमंदिर के सामने स्थित शीत गृह के निर्माण के बाद से अब तक उपयोग शुरू नहीं होने का मामला विकास योजनाओं की कार्य प्रणाली पर विचार करने की जरूरत को सामने लाता है। किसी भी योजना को धरातल पर उतारने के साथ ही उसके संचालन की व्यवस्था, आवश्यक संसाधन, रखरखाव और जिम्मेदारी तय करना भी जरूरी है। अन्यथा, निर्माण पर खर्च होने के बावजूद योजना अपने निर्धारित उद्देश्य को पूरा नहीं कर पाती।

निर्माण के साथ संचालन पर भी हो ध्यान

विकास योजनाओं को सफल बनाने के लिए केवल निर्माण कार्य पूरा कर देना पर्याप्त नहीं है। संबंधित विभागों और प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि निर्मित परिसंपत्तियों का समय पर उपयोग शुरू हो और उनका लाभ संबंधित लोगों तक पहुंचे। यदि किसी योजना के संचालन में तकनीकी, प्रशासनिक या अन्य किसी प्रकार की बाधा है, तो उसकी पहचान कर समाधान निकालना जरूरी है। नावाडीह के शीत गृह के मामले में भी यह स्पष्ट होना चाहिए कि निर्माण के वर्षों बाद तक इसका उपयोग क्यों शुरू नहीं हो पाया है। इसके संचालन में क्या बाधाएं हैं, उन्हें दूर करने के लिए अब तक क्या प्रयास किए गए हैं और इसे कब तक चालू किया जा सकता है—इन सवालों पर संबंधित विभाग और प्रशासन को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

जन-जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत

विकास योजनाओं के प्रभावी संचालन में जन-जागरूकता और जनभागीदारी की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ताओं को इस दिशा में गंभीरतापूर्वक विचार-विमर्श करना चाहिए। केवल नई योजनाओं की मांग करना या निर्माण कार्यों को प्राथमिकता देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पहले से निर्मित योजनाओं की स्थिति की जानकारी लेना, उनकी उपयोगिता सुनिश्चित करना और संबंधित अधिकारियों तक समस्याओं को पहुंचाना भी जरूरी है।

स्वामी वी. आई. इंटरप्राइजेज के लिए प्रकाशक मानवेन्द्र कुमार सिंह एवं मुद्रक एस. एच. प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, कांटीटांड, नियर टेंडर बगीचा, रातू, रांची -835222 द्वारा झारखंड से मुद्रित एवं एसटी-663/664, न्यू एसटी चौक, धुर्वा, रांची से प्रकाशित, संपादकः मानवेन्द्र कुमार सिंह (खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) : फोन नं. 8709022665, PRGI N0. - JHAHIN/2014/59794

संक्षिप्त समाचार

स्कूल में मिड-डे मील बनाते समय सिलेंडर में लगी आग

कोडरमा,एजेंसी। कोडरमा जिले के सतगांवां थाना क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय समलडीह में बुधवार को एक बड़ा हादसा टल गया। मिड-डे मील बनाते समय गैस सिलेंडर में आग लग गई, जिससे स्कूल में अफरातफरी मच गई। शिक्षिका शबनम अर्शी ने बताया कि सुबह करीब 11 बजे रसोइया ने आग लगने की सूचना दी। इसके बाद सभी बच्चे स्कूल से बाहर भागने लगे। प्रधानाध्यापक सुनील कुमार और अन्य शिक्षकों ने छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला। प्राचार्य और कुछ शिक्षक आग बुझाने में जुट गए इसी दौरान प्राचार्य सुनील कुमार आग की चपेट में आने से मामूली रूप से झुलस गए। उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। स्कूल में स्थायी रसोई नहीं होने के कारण मिड-डे मील बरामदे में बनता है। रसोइया के अनुसार, उन्हें रेगुलेटर से गैस लीकेज की बदबू आई। जब उन्होंने रेगुलेटर ठीक करने की कोशिश की, तो वह प्रेशर से उछल गया और गैस तेजी से निकलने लगी। देखते ही देखते गैस ने आग पकड़ ली। गनीमत रही कि इस आगजनी में प्राचार्य के अलावे सभी बच्चे व शिक्षक-शिक्षिकाएं सुरक्षित बच गईं। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही बीडीओ मनोज कुमार रवि उक्त विद्यालय पहुंचे और मामले की जानकारी ली। वहीं, बीडीओ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर प्राचार्य का हालचाल भी जाना।

हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम,एजेंसी। बर्मामाइंस थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध हथियार के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक देशी कट्टा, पांच गोलियां और एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किया गया है। गिरफ्तार युवक की पहचान कैरेज कॉलोनी की मुस्लिम बस्ती निवासी मो. इरफान (20) के रूप में हुई है। पुलिस को आशंका है कि युवक हथियार के साथ किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। पूछताछ के दौरान उसने हथियार और गोलियां मो. शाहिद नामक व्यक्ति द्वारा दिए जाने की बात कही है। मंगलवार को नगर पुलिस अधीक्षक ललित मीणा ने प्रेस वार्ता में बताया कि 26 अक्टूबर को वरीय पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि बर्मामाइंस थाना क्षेत्र के रेलवे कंटेनर यार्ड के आसपास एक युवक अवैध देशी कट्टा और गोलियां लेकर घूम रहा है। सूचना में यह भी आशंका जताई गई थी कि युवक किसी अप्रिय घटना को अंजाम देने की तैयारी में है। सूचना मिलने के बाद नगर पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए रेलवे कंटेनर यार्ड के पास छापेमारी की। इसी दौरान पुलिस को देखकर एक युवक भागने लगा। पुलिस अधिकारियों और जवानों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक देशी कट्टा, पांच गोलियां और एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में मो. इरफान ने बताया कि बरामद हथियार और गोलियां कैरेज कॉलोनी की मुस्लिम बस्ती निवासी मो. शाहिद (32) की हैं। युवक ने दावा किया कि शाहिद ने ही उसे हथियार और गोलियां दी थीं तथा उसके कहने पर वह उन्हें लेकर जा रहा था। पुलिस अब युवक के बयान के आधार पर मामले की जांच कर रही है और हथियार उपलब्ध कराने में कथित रूप से शामिल व्यक्ति की भूमिका की पड़ताल की जा रही है।

जगन्नाथपुर में पति ने की पत्नी की हत्या आरोपी पति गिरफ्तार

चाईबासा,एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिले के जगन्नाथपुर के जिन्तुगाड़ा गांव में बुधवार सुबह एक महिला की हत्या हो गई। आरोप है कि पति मंगल सिंकू ने 35 वर्षीय पत्नी सलमी सिंकू के सिर पर गैता से कई वार किए। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है। ग्रामीणों के अनुसार, घटना बुधवार सुबह करीब चार बजे हुई। घर का दरवाजा बंद कर सलमी पर हमला किया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। जगन्नाथपुर पुलिस ने गांव पहुंचकर शव पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राफेल मुर्मू ने भी जानकारी ली। घर छोड़कर चला गया था कहीं मंगल सिंकू कुछ दिनों से अजीब व्यवहार कर रहा था। वह तीन दिन पहले घर छोड़कर कहीं चला गया था और परिजन उसे सोमवार को वापस लाए थे।

डेवलपमेंट वर्क और कोहरे से ट्रेनों पर असर

कोहरे के कारण झांसी-कोलकाता एक्सप्रेस की 26 यात्राएं रद्द, कई ट्रेनों के परिचालन में बदलाव

जामताड़ा,एजेंसी। पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल में ट्रैक मरम्मत, पुल हटाने और सर्दियों में कोहरे के कारण कई ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है। मथुरापुर-मधुपुर रेलखंड पर डाउन लाइन में मरम्मत के लिए 29 अक्टूबर से 30 नवंबर 2026 तक हर सोमवार और गुरुवार को 210 मिनट का ब्लॉक लिया जाएगा। इसके कारण ट्रेन संख्या 63546 जसीडीह-अंडाल मेमू की 10 यात्राएं रद्द रहेंगी।

वहीं, ट्रेन संख्या 63509/63510 बर्द्धमान-झाझा-बर्द्धमान मेमू की 10-10 यात्राएं मधुपुर स्टेशन पर ही समाप्त या शुरू होंगी। ट्रेन संख्या 63564 जसीडीह-आसनसोल मेमू 29 अक्टूबर तथा 5, 12, 19 और 26 नवंबर को 45 मिनट की देरी से चलेगी। रेलवे ने यात्रियों को यात्रा से पहले ट्रेनों की स्थिति की जानकारी लेने की सलाह दी है।

कोहरे के कारण झांसी-कोलकाता एक्सप्रेस की 26 यात्राएं रद्द: सर्दियों में कोहरे के कारण 1 दिसंबर 2026 से 28 फरवरी 2027 तक कुछ ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा। ट्रेन संख्या 22198 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कोलकाता एक्सप्रेस की 4 दिसंबर से 26 फरवरी के बीच निर्धारित 13 यात्राएं रद्द रहेंगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 22197 कोलकाता-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी एक्सप्रेस की 6 दिसंबर से 28 फरवरी के बीच निर्धारित 13 यात्राएं नहीं चलेंगी।

इसके अलावा ट्रेन संख्या 12177 हावड़ा-मथुरा एक्सप्रेस की 4 दिसंबर से 26 फरवरी के बीच निर्धारित 13 यात्राएं आगरा-मथुरा के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेंगी। ट्रेन संख्या 12178 मथुरा-हावड़ा एक्सप्रेस की 7 दिसंबर से 22 फरवरी के बीच निर्धारित 12 यात्राएं मथुरा-आगरा के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेंगी। यात्रियों को इस अवधि में यात्रा की योजना बनाते समय इन बदलावों का ध्यान रखने की जरूरत है।

23 दिसंबर को कुंभ एक्सप्रेस रीशेड्यूल, दुरंतो बदले रास्ते से चलेगी: आसनसोल मंडल में दुर्गापुर के आर्च ब्रिज संख्या 396 को हटाने और अंडाल में फुट ओवर ब्रिज के गर्डर लगाने का काम 23 दिसंबर को किया जाएगा। इसके कारण ट्रेन संख्या 13037 हावड़ा-देहरादून कुंभ एक्सप्रेस उस दिन 150 मिनट यानी ढाई घंटे पुनर्निर्धारित समय से चलेगी।

वहीं, ट्रेन संख्या 12260 बीकानेर-सियालदह दुरंतो एक्सप्रेस 22 दिसंबर को परिवर्तित मार्ग से चलेगी। यह ट्रेन पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, गया, किऊल, भागलपुर, गुमानी, रामपुरहाट, सैंथिया और खाना जंक्शन होकर चलेगी। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे संबंधित तारीखों में अपनी ट्रेन का समय और मार्ग जांचकर ही स्टेशन पहुंचें, ताकि किसी तरह की असुविधा से बचा जा सके।

गुमला में नो एंट्री के बावजूद शहर में घुसा ट्रक

सब्जी खरीदकर सड़क पार कर रहे युवक को कुचला, पैर तीन जगह से टूटा; रिम्स रेफर

गुमला,एजेंसी। गुमला के सिंसई रोड स्थित डुमरटोली मोड़ के पास एक कंटेनर ट्रक ने युवक को कुचल दिया। हादसे में गांधीनगर निवासी 30 वर्षीय कल्याण कुजूर गंभीर रूप से घायल हो गए। वे बाजार से सब्जी खरीदकर सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान टावर चौक की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे कंटेनर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना के बाद चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। हादसे में कल्याण का पैर तीन जगह से टूट गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल घायल को सदर अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया। कुछ लोगों ने भाग रहे कंटेनर का पीछा भी किया, लेकिन चालक तेज रफ्तार से वाहन लेकर निकल गया।

बाजार के दिन रहती है नो एंट्री: हादसे के बाद शहर की ट्रैफिक व्यवस्था

पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मंगलवार को गुमला में बाजार था। इस कारण सिंसई रोड समेत शहर के कई इलाकों में लोगों की आवाजाही अधिक थी। सड़क किनारे सब्जियों की बिक्री भी होती है। इससे सड़क पर भीड़ और जाम की स्थिति बनती है। ऐसे में बड़े वाहनों के प्रवेश पर नो एंट्री लागू रहती है। इसके बावजूद कंटेनर ट्रक शहर के भीतर पहुंच गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि भीड़भाड़ वाले इलाके में भारी वाहनों की आवाजाही पर सख्ती जरूरी है। नो एंट्री के नियमों का पालन नहीं होने से आम लोगों की सुरक्षा खतरे में पड़ रही है। 15 दिन पहले बोलेरो हादसे में गई थी एक व्यक्ति की जान इस घटना के करीब 15 दिन पहले भी एक अनियंत्रित बोलेरो ने दो अलग-अलग स्थानों पर दुर्घटना की थी। इसके बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया था। उस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी भी थी। अब कंटेनर की चपेट में आने से युवक के गंभीर रूप से घायल होने की घटना ने एक बार फिर यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा पर बहस तेज कर दी है। लोगों का कहना है कि शहर में तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण और नो एंट्री के नियमों का सख्ती से पालन कराया जाना चाहिए। साथ ही दुर्घटना के बाद फरार होने वाले चालकों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई जरूरी है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बाजार वाले क्षेत्रों में यातायात पुलिस की तैनाती बढ़ाई जाए।

लातेहार में स्कॉर्पियो-ऑटो की जोरदार टक्कर, 4 घायल

2 की हालत गंभीर, सब्जी बेचकर घर लौट रहे थे सभी, रिम्स रेफर

लातेहार,एजेंसी। लातेहार के चंदवा थाना क्षेत्र में एनएच-39 के पास बोरसीदाग में स्कॉर्पियो और ऑटो के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में ऑटो सवार चार लोग घायल हो गए। इनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों की पहचान बैजनाथ महतो (60), शिवनारायण साहू (45), अवध साव (45) और ऑटो चालक नेसार अंसारी (45) के रूप में हुई है। सभी लोहरदगा के कुडू थाना क्षेत्र के उडुमुडू बारीडीह के रहने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, चारो ऑटो से चंदवा बाजार में सब्जी बेचने आए थे। बाजार में सब्जी बेचने के बाद वे अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान बोरसीदाग के पास स्कॉर्पियो ने उनके ऑटो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

ऑटो में फंसा चालक, पुलिस और ग्रामीणों ने निकाला: दुर्घटना में ऑटो चालक नेसार अंसारी वाहन के अंदर ही फंस गए। उन्हें निकालने में पुलिस और स्थानीय लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। घटना की सूचना मिलते ही चंदवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से चालक को ऑटो से बाहर निकाला गया। इसके बाद सभी चारों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल अवध साव और नेसार अंसारी को बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर कर दिया गया। थाना प्रभारी बोले- दुर्घटना की जांच की जा रही चंदवा थाना प्रभारी मनोरंजन कुमार सिंह ने बताया कि सड़क दुर्घटना में चार लोग घायल हुए हैं। इनमें दो की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया है।

मधुपुर में सेना के जवान के बंद घर में चोरी

सोने-चांदी के जेवर और 20 हजार नकद उड़ाए, ग्रामीणों ने दो संदिग्धों को पकड़ा, पुलिस को सौंपा

गिरिडीह,एजेंसी। देवघर के मधुपुर थाना क्षेत्र में सेना के जवान के बंद घर को चोरों ने निशाना बनाया। पहाड़पुर फौजी मोड़ के पास भारतीय सेना में कार्यरत जवान अब्दुल रज्जाक के घर का ताला तोड़कर चोरों ने सोने-चांदी के आभूषण, 20 हजार रुपए नकद समेत अन्य सामान चोरी कर लिया। हालांकि, पड़ोस के एक युवक की सतर्कता से दो संदिग्ध ग्रामीणों के हत्थे चढ़ गए। ग्रामीणों ने दोनों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। जवान की पत्नी इशरत जबीन ने मधुपुर थाने में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। आवेदन के अनुसार, परिवार घर में ताला लगाकर रिश्तेदारी में गया था। इसी दौरान अज्ञात लोग मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर घर में घुस गए। इसके बाद उन्होंने अलमारी से कीमती सामान निकालना शुरू कर दिया।

पड़ोसी युवक ने देखा टूटा ताला, शोर मचाकर ग्रामीणों को बुलाया: घर के पास रहने वाले अली उमर की नजर दरवाजे के टूटे ताले पर पड़ी। उसे अनहोनी की आशंका हुई। उसने तत्काल शोर मचाया और घर का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। अचानक घिर जाने पर संदिग्ध घबरा गए। वे छत से कूदकर भागने लगे। इस दौरान एक संदिग्ध के घायल होने की बात सामने आई है। ग्रामीणों ने दो लोगों को पकड़

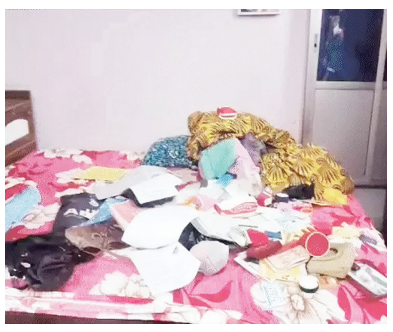

लिया। इसके बाद उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया गया। बताया जा रहा है कि इस दौरान एक अन्य व्यक्ति चोरी का सामान लेकर फरार होने में सफल रहा। घटना की जानकारी मिलने के बाद इलाके के लोग मौके पर जुट गए। बंद घर में चोरी और आरोपियों के भागने की कोशिश से आसपास के लोगों में चर्चा शुरू हो गई। ग्रामीणों की सतर्कता से दो संदिग्धों को पकड़ा जा सका। हालांकि, चोरी का पूरा सामान बरामद हुआ है या नहीं, इसकी स्थिति स्पष्ट नहीं है।

पुलिस हिरासत में लिए लोगों से कर रही पूछताछ: घटना की सूचना मिलने के बाद मधुपुर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। हिरासत में लिए गए दोनों संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि चोरी में कुल कितने लोग शामिल थे। जवान की पत्नी के आवेदन के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। चोरी गए आभूषणों, नकदी और अन्य सामान का पूरा ब्योरा भी जांच के दौरान स्पष्ट होगा। पुलिस की जांच और पूछताछ के बाद ही आरोपियों की भूमिका से जुड़े तथ्यों की पुष्टि हो सकेगी।

अर्नब तूफान से फीकी होगी कुम्हारों की दिवाली :बारिश के अलर्ट ने बढ़ाई की चिंता, बोले- दीए कैसे सूखेंगे, कैसे बिकेंगे

चाईबासा (पश्चिमी सिंहभूम), एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिले में अर्णव चक्रवात के कारण ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। 28 और 29 अक्टूबर को मूसलाधार बारिश की संभावना है। साथ ही दीपावली के आसपास भी बारिश होने की आशंका बनी हुई है। ऐसे में दिवाली से पहले मौसम बिगड़ने से दीये बनाने वाले कुम्हारों की चिंता बढ़ गई है। उन्हें अपनी मेहनत और कारोबार पर असर पड़ने का डर है। दीये बनाने का काम कई चरणों में होता है। मिट्टी तैयार कर चाक पर दीये बनते हैं, फिर धूप में सुखाकर पकाए जाते हैं।

दीयों को सुखाना मुश्किल: इस पूरी प्रक्रिया में समय और लागत लगती है। लगातार बारिश होने पर खुले में रखे दीयों को सुखाना और तैयार माल को बचाना मुश्किल होगा। इससे दिवाली की बिक्री पर असर पड़ सकता है। कुम्हार मोहन लाल प्रजापति ने बताया कि मौसम को देखते हुए इस बार वे पिछले साल से कम दीये बना रहे हैं। उन्हें डर है कि बारिश हुई तो दीयों को सुखाने और सुरक्षित रखने में दिक्कत होगी। इससे माल खराब होने और आर्थिक नुकसान का खतरा है।

व्यवसाय को जारी रखना चुनौतीपूर्ण: दिवाली में ही कुम्हारों को ज्यादा आय होती है पर इस बार उसपर भी चक्रवात की वजह से ग्रहण लग गया है। कुम्हार टोली, चाईबासा के कुम्हार विजय कुमार ने बताया कि मिट्टी के दीये बनाने के काम में काफी मेहनत लगती है।

मिट्टी तैयार करने से लेकर दीये बनाने, सुखाने और बिक्री के लिए तैयार करने तक कई प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। उन्होंने चिंता जताई कि उनकी अगली पीढ़ी इस पारंपरिक काम को आगे बढ़ाने में रुचि नहीं दिखा रही है। ऐसे में भविष्य में इस व्यवसाय को जारी रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। महिला कुम्हार शोभा देवी ने बताया कि मिट्टी के दीये-बर्तन बनाना उनके परिवार का मुख्य पेशा है और इसी से घर का खर्च चलता है। उन्होंने कहा कि अगर बारिश होती है, तो उनका काम पूरी तरह बंद हो सकता है। इससे परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा होने की आशंका है।

दीये बनाने, सुखाने या बाजार तक पहुंचाने में बाधा: दिवाली कुम्हारों के लिए साल के महत्वपूर्ण कारोबारी अवसरों में से एक है। इसी दौरान मिट्टी के दीयों की मांग बढ़ती है और बिक्री से होने वाली कमाई परिवारों को आर्थिक सहारा देती है। बारिश के कारण दीये बनाने, सुखाने या बाजार तक पहुंचाने में बाधा आती है तो इसका असर उनकी आय पर पड़ सकता है। पर्याप्त शेड और सुरक्षित जगह की कमी होने पर परेशानी और बढ़ सकती है।

कोडरमा में एक ही दिन 2 दुकानों में चोरी टीन की छत काट कर घुसे, 30 हजार का सामान-नकदी ले गए चोर

कोडरमा,एजेंसी। कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र में चोरी की लगातार हो रही घटनाओं से दुकानदारों की चिंता बढ़ गई है। चोरों ने एक ही दिन में दो दुकानों को निशाना बनाया। पिछले तीन दिनों में तीन दुकानों में चोरी की घटनाएं सामने आई हैं।

पहली घटना गझंडी रोड स्थित वजीर महतो चौक पर चंदा फ्लोर मिल के पास हुई। यहां गुमो बरवाडीह निवासी मुकेश वर्मा की दुकान को चोरों ने निशाना बनाया। चोर दुकान की टीन की छत काटकर अंदर घुसे। इसके बाद गल्ला तोड़कर नकदी निकाल ली।

दुकान से राशन, अंडे और अन्य सामान भी चोरी कर लिया। दुकानदार के मुताबिक, चोरी गए सामान और नकदी की कुल कीमत करीब 30 हजार रुपए है। घटना की जानकारी मिलने के बाद दुकानदार को

नुकसान का पता चला। लगातार हो रही चोरी से इलाके के व्यापारियों में चिंता बढ़ गई है।

कृष्णा मिष्ठान भंडार को भी बनाया निशाना: दूसरी घटना माहतोआरा-गझंडी रोड पर तुलसीयान फैक्ट्री के पास हुई। यहां राजू प्रसाद वर्मा की कृष्णा मिष्ठान भंडार दुकान में चोरी की गई। चोरों ने इस दुकान की टीन की छत काटी और अंदर प्रवेश किया। इसके बाद नकदी और सामान लेकर फरार हो गए। हालांकि, इस घटना में कितने रुपए की चोरी हुई है, इसका आकलन अभी नहीं हो पाया है।

एक ही दिन में दो दुकानों में चोरी की घटनाओं से स्थानीय कारोबारियों में असुरक्षा की भावना बढ़ गई है। दुकानदारों का कहना है कि रात के समय दुकानें बंद रहने का फायदा उठाकर चोर वारदात कर रहे हैं। छत काटकर दुकानों में घुसने का तरीका भी चिंता का विषय है। लगातार हो रही घटनाओं से व्यापारियों को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ सुरक्षा की चिंता सता रही है।

तीन दिनों में तीसरी चोरी, पुलिस गश्ती बढ़ाने की मांग: स्थानीय स्तर पर मिली जानकारी के अनुसार, करीब एक सप्ताह के भीतर दुकानों की छत या करकट काटकर चोरी की यह तीसरी घटना है। तीन दिनों में तीन दुकानों को निशाना बनाए जाने से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। दुकानदारों का कहना है कि रात के समय पुलिस गश्ती बढ़ाने की जरूरत है। बाजार और व्यावसायिक इलाकों में नियमित निगरानी होनी चाहिए, ताकि चोरों पर अंकुश लगाया जा सके।

व्यापारियों ने ऐसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की आवश्यकता जताई है। लगातार हो रही चोरी से दुकानदारों में चिंता का माहौल है। हालांकि, दूसरी दुकान से चोरी हुए सामान और नकदी की सही कीमत का पता नहीं चल पाया है।

आईसीसी ने आचार संहित उल्लंघन के लिए पाक के हारिस रऊफ पर जुर्माना लगाया

दुबई,एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आचारसंहित उल्लंघन के लिए पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ पर जुर्माना लगाया है। इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को हए इस मुकाबले में रऊफ को अनुचित व्यवहार का दोषी पाया गया और उनपर मैच फीस का 20 फीसदी जुर्माना लगाये जाने के साथ ही उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया। इसके अलावा इंग्लैंड टीम पर भी घीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है।आईसीसी ने कहा है कि रऊफ ने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए बनाये आचार संहिता नियमों को तोड़ा है। ये खेल की भावना के विपरीत व्यवहार है। इसलिए उन्हें आधिकारिक तौर पर फटकार भी लगायी गयी है। गौरतलब है कि यह पिछले 24 महीने की अवधि में तीसरी बार है जब रऊफ ने कोई उल्लंघन किया है, जिसके चलते उनके खाते में कुल पांच नकारात्मक अंक दर्ज हो गए हैं। यह घटना पाकिस्तान की पारी के अंत में 46वें ओवर की समाप्ति के बाद हुई। नॉन-स्ट्राइकर एंड पर खड़े रऊफ ने वाइड बॉल की अपील की, जिसके बाद उनकी इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स के साथ बहस हो गई। पाकिस्तान के इस तेज गेंदबाज ने बहस के दौरान अपना बल्ला उठाया और ऑन-फील्ड अंपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद की चेतावनी के बावजूद अपनी बहस जारी रखी। इसके बाद, वह जैक्स की ओर बढ़ते हुए अंपायर को धक्का दे बैठे, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई।वहीं इस मैच में इंग्लैंड टीम को धीमी ओवर गति का दोषी पाते हुए मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया गया है, क्योंकि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने ओवर पूरा करने में तीन ओवर पीछे रह गए थे। यह जुर्माना आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत लगाया गया है, जिसमें यह स्पष्ट है कि यदि कोई टीम न्यूनतम ओवर-रेट की आवश्यकता से प्रत्येक ओवर कम फेंकती है, तो खिलाड़ी की मैच फीस का पांच फीसदी जुर्माना लगाया जाएगा।हारिस रऊफ और इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक दोनों ने ऑफ मैच रेफरी जेफ क्रो द्वारा लगाए गए आरोपों और संबंधित सजाओं को स्वीकार कर लिया। इससे अब इस मामले में आगे सुनवाई नहीं होगी।

स्विटजरलैंड के टेनिस स्टार वावरिंका ने खेल को अलविदा कहा

बेसल ,एजेंसी। स्विटजरलैंड के दिग्गज स्विस स्टार स्टेन वावरिंका ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी है। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन 41 साल के वावरिंका ने अपने घरेलू दर्शकों के सामने, स्विस इंडोर्स बेसल टूर्नामेंट में मिली हार के बाद सन्यास लिया। वावरिंका को अपने इस अंतिम मुकाबले में जिरी लेहेका ने हराया। अपने शानदार करियर में, वावरिंका ने तीन ग्रैंड स्लैम एकल खिताब, एक ओलंपिक स्वर्ण पदक (युगल में) और एक डेविस कप जीता। वह विशेष रूप से अपने शक्तिशाली और वन-हैंडेड बैकहैंड के लिए जाने जाते थे, जिसे खेल के इतिहास के सबसे बेहतरीन शॉट्स में से एक माना जाता है। उनके नाम कुल 590 टूर-लेवल जीतें और 16 टूर-लेवल खिताब दर्ज हैं, जिसमें 2014 में एटीपी रैंकिंग में करियर के सबसे ऊंचे नंबर 3 पर पहुंचना शामिल है। वावरिंका के करियर का सबसे उल्लेखनीय पहलू यह रहा कि उन्होंने अपने तीनों ग्रैंड स्लैम खिताब उस समय के दुनिया के नंबर एक खिलाड़ियों को हराकर जीते।

रोहित ओर विराट जिताएंगे 2027 एकदिवसीय विश्वकप : रैना

मुम्बई ,एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा है कि आगामी 2027 विश्वकप में अगर विराट कोहली और रोहित शर्मा खेले तो भारतीय टीम की जीत तय है। रैना ने कहा कि वह ये बात पूरे भरोसे से कह रहे हैं और यहां तक कि लिख कर भी दे सकते हैं कि दोनो के कारण ही टीम खिताबी जीत दर्ज करेगी। रैना का ये बयान ऐसे समय आया है जब अटकलें हैं कि क्या विश्व कप तक रोहित ओर विराट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलेंगे या नहीं

वहीं एक रैना को रोहित और विराट की बल्लेबाजी क्षमता पर पूरा भरोसा है। यह अटूट विश्वास इन दो दिग्गज बल्लेबाजों की क्षमता और अनुभव पर आधारित है, जिनकी मौजूदगी किसी भी टीम के लिए गेम चेंजर साबित हो सकती है। यह बयान भारतीय क्रिकेट के भविष्य को लेकर उम्मीद की किरण भी जगाता है, खासकर 2023 विश्व कप फाइनल में मिली हार के बाद, जहां भारत को ऑस्ट्रेलिया के हाथों शिकस्त मिली थी। उस हार का दर्द अभी भी ताजा है, और अगले विश्व कप में खेलने की इच्छा और ट्रॉफी जीतने का जुनून उनके लिए एक बड़ी प्रेरणा हो सकती है। रैना ही नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने भी हाल ही में विराट कोहली और रोहित शर्मा के 2027 विश्व कप में खेलने की संभावना पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर कोई खिलाड़ी फिट है, लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और देश के लिए मैच जीतने में मददगार साबित हो रहा है, तो उसकी उम्र को चयन में बाधा नहीं बनना चाहिए। मन्हास के मुताबिक, टीम में जगह पाने के लिए खिलाड़ी की फिटनेस और उसका मैदान पर प्रदर्शन ही सबसे महत्वपूर्ण मानदंड होने चाहिए, न कि उसकी जन्मतिथि। यह बीसीसीआई का एक प्रगतिशील रुख है जो अनुभव और प्रदर्शन को प्राथमिकता देता है।

हालांकि, रोहित और विराट के सामने 2027 विश्व कप तक एक बड़ी चुनौती होगी। दोनों खिलाड़ी फिलहाल टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, और अब उनका पूरा ध्यान एकदिवसीय क्रिकेट पर केंद्रित है। लेकिन अगले एक साल तक अपनी फिटनेस को बनाए रखना और लगातार शीर्ष स्तर का प्रदर्शन करना उनके लिए आसान नहीं होगा। अप्रैल 2027 तक रोहित शर्मा 40 साल के हो जाएंगे, जबकि विराट के दौरान 38 वर्ष के होंगे। दोनों 2023 वनडे विश्व कप में भारतीय टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा थे।

अभिषेक किसी भी प्रकार के हालातों मे खेलने में सक्षम : कैफ

सपाट पिच के आलोचकों को उसकी बल्लेबाजी से मिला

नई दिल्ली ,एजेंसी। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने भारतीय टी20 टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह किसी भी प्रकार के हालातों में खेल सकता है। कैफ ने कहा कि जिस प्रकार से अभिषेक ने हाल के दिनों में खेला है उससे उनकी आलोचना करने वालों को जवाब मिल गया है। कैफ ने कहा कि जो लोग अभिषेक को सपाट पिच का खिलाड़ी कहते थे अब उन्हें ये अवसर नहीं मिलेगा। जिस प्रकार से उसने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों उन्हीं की धरती पर पीटा है। उससे साबित हुआ है कि वह किसी भी प्रकार की पिच पर खेल सकता है। कैफ का मानना है कि अभिषेक ने पिछले एक महीने के भीतर यह साबित कर दिया है कि वह कठिन और अलग-अलग हालातों में भी बड़ी व प्रभावशाली पारियां खेलने में सक्षम हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ उनकी 35 गेंदों में शतक और 15 गेंदों में अर्धशतक की पारी इसका उदाहरण है, खासकर तब जब न्यूजीलैंड की परिस्थितियाँ बल्लेबाजी के अनुकूल नहीं मानी जातीं। कैफ ने साफ शब्दों में कहा, सबसे पहले, लोग यह कहना बंद कर दें कि अभिषेक शर्मा फ्लैट ट्रैक का खिलाड़ी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वास्तविकता इससे कोसों दूर है। कैफ ने बीते एक महीने में अभिषेक द्वारा खेली गई दो महत्वपूर्ण पारियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा, जापान में हुए एशियाई खेल के फाइनल में आपको याद होगा, उन्होंने मुश्किल पिच पर रन बनाए थे। वहां स्पिनर हावी थे और उन्हें पिच से मदद मिल रही थी, फिर भी अभिषेक ने एक मैच विजेता पारी खेली थी। वहीं न्यूजीलैंड की परिस्थितियों पर बात करते हुए कैफ ने आलोचकों को घेरा, अब आ जाओ न्यूजीलैंड पर तो यहां भी लोग बात करते हैं कि यहां बैटिंग कंडीशन्स हैं। अरे भाई यहां बैटिंग कंडीशन नहीं हैं! उन्होंने बताया कि अभिषेक ने दो बिल्कुल अलग-अलग हालातों में अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाया है, जो उनकी अनुकूलन क्षमता को दर्शाता है। कैफ ने कहा, वह हालातों के अनुसार प्रभावी पारियां खेल सकते हैं। मैं तो हरगिज यह मानने के लिए तैयार नहीं हूं। बल्लेबाज को श्रेय देने की बात पर कैफ ने कहा, इसका श्रेय बल्लेबाज को मिलना चाहिए। उसने इतनी मेहनत की है और इसका फल मिल रहा है तो इसकी चर्चा और इसकी तारीफ होनी चाहिए।

कैफ ने अभिषेक को एक बहुमुखी प्रतिभा वाला बल्लेबाज बताया है जो किसी एक प्रकार के हालातों में प्रभावी प्रदर्शन कर सकता है।

बुमराह और ऋषभ न्यूजीलैंड ए के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट से कर सकते हैं वापसी

बेंगलुरु ,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत न्यूजीलैंड ए के खिलाफ अगले माह 7 नवंबर से लिंकन में यहां होने वाले दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के लिए भारत ए टीम में शामिल किये जा सकते हैं। इस मैच से इन दोनो ही खिलाड़ियों के पास दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए लय हासिल करने का अवसर रहेगा। ये दोनों ही खिलाड़ी अभी बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में अपनी फिटनेस और लय हासिल करने में लगे हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, बुमराह फिट होने के बाद भी इसलिए सीओई आये है क्योंकि ये किसी भी खिलाड़ी की टीम में वापसी से पहले प्रक्रिय का एक हिस्सा है।

बुमराह ने इस महीने की शुरुआत में जापान में हुए एशियाई खेलों में शानदार गेंदाजी कर टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, उस उपलब्धि के बाद से उन्होंने कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीमित ओवरों की सीरीज के साथ-साथ न्यूजीलैंड दौरे पर जारी टी20 अंतरराष्ट्रीय और एकदिवसीय मुकाबलों से भी आराम दिया गया था, ताकि वह आगामी महत्वपूर्ण मुकाबलों के लिए तरोताजा रहें।

दूसरी ओर ऋषभ अक्टूबर की शुरुआत में ही ईरानी कप के दौरान शेष भारत टीम की कप्तानी करते हुए चोटिल हो गये थे।

इसी कारण वह दिल्ली के रणजी ट्रॉफी के शुरुआती मुकाबले में नहीं खेल सके थे, और उन्हें न्यूजीलैंड ए के खिलाफ पहले दो चार दिवसीय मैचों से भी बाहर रहना पड़ा था। रिपोर्ट बताती है कि इस विकेटीपर बल्लेबाज ने सीओई में हल्का अभ्यास फिर से शुरू कर दिया है, जिसमें बल्लेबाजी की महत्वपूर्ण ड्रिल भी शामिल हैं, जो उनकी वापसी के लिए एक सकारात्मक संकेत है। हालांकि, उन्होंने अभी तक विकेटकीपिंग का अभ्यास शुरू नहीं किया है, जिससे पता चलता है कि उनकी फिटनेस को लेकर सतर्कता बरती जा रही है।अभी उनकी गैरमौजूदगी में, झारखंड के होनहार विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी मिली है। बुमराह और ऋषभ दोनों को ही न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैच की महत्वपूर्ण सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। यह सीरीज 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन में और 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक क्राइस्टचर्च में खेली जाएगी। न्यूजीलैंड ए के खिलाफ यह अनौपचारिक टेस्ट इन दोनों प्रमुख खिलाड़ियों को मुख्य सीरीज से पहले मैच फिटनेस और लय हासिल करने का अंतिम अवसर प्रदान करेगा।

तीन बार के एशियाई पैरा खेलों के स्वर्ण विजेता नीरज यादव ने की आत्महत्या

नई दिल्ली ,एजेंसी। तीन बार के एशियाई पैरा खेलों के स्वर्ण विजेता खिलाड़ी नीरज यादव ने आत्महत्या कर ली है। वहीं नेशनल चीफ पैरा-एथलेटिक्स कोच एस. सत्यनारायण ने कहा कि नीरज ने ये कदम क्यों उठाया। इसका पता नहीं चला है। इस घटना के बाद से ही खेल जगत में दुख छाया हुआ है। डोपिंग प्रतिबंध के कारण वह इस महीने आयोजित एशियाई पैरा खेलों में हिस्सा नहीं ले सके थे। इससे व्याप्त तनाव भी उनकी मौत के कारणों में से एक हो सकता है।

कोच ने कहा, नीरज ने अपने फ्लैट पर आत्महत्या कर ली है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद है। उन्होंने नीरज को भारत के सबसे प्रतिभाशाली और सम्मानित पैरा-एथलीटों में से एक बताया। साथ ही कहा कि नीरज ने अपनी असाधारण प्रतिभा और दृढ़ संकल्प से खेल जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई थी। उनका अचानक चले जाना भारतीय खेल समुदाय के लिए एक बड़ी क्षति है। गौरतलब है कि सात साल की छोटी उम्र में ही पोलियो का शिकार होने के बाद से ही नीरज व्हीलचेयर पर थे और उसी पर रहते हुए आगे बढ़े। साल 2015 में एथलेटिक्स की दुनिया में कदम रखा। यह निर्णय उनके करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, और वह जल्द ही भारतीय दल का हिस्सा बन गए। अपनी कड़ी मेहनत और लगन से, उन्होंने जल्द ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता का प्रदर्शन करना शुरू कर दिया।

नीरज का एथलेटिक्स करियर उपलब्धियों से भरा रहा। 2018 के इंडोनेशिया एशियन पैरा गेम्स में उन्होंने जैवलिन थ्रो (एफ55 क्लास) में 29.84 मीटर के एशियन रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। उनकी सबसे यादगार उपलब्धि अक्टूबर 2023 में चीन के हांगझोऊ में हुए एशियन पैरा गेम्स में रही,

एस्पेनयोल ने सेस्टाओ से मिली हार के बाद कोच को हटाया

मैड्रिड । स्पेन के फुटबॉल क्लब एस्पेनयोल ने कोपा डेल रे में सेस्टाओ रिवर के खिलाफ मिली 4-3 की हार के बाद अपने मुख्य कोच मनोलो गोंजालेज को बाहर कर दिया है। चौथे दर्जे की टीम से मिली हार के बाद से ही एस्पेनयोल में हड़कंप मचा हुआ है। वहीं इसके बाद क्लब ने अपने पर एक बयान में कोच को हटाने की पुष्टि की। इसमें कहा गया, एस्पेनयोल ने क्लब के कोच के तौर पर गोंजालेज का कार्यकाल समाप्त कर दिया है। इसके साथ ही क्लब ने गोंजालेज के प्रति आभार जताते हुए कहा, आरसीडी गोंजालेज का उनके पेशेवर रवैये, प्रतिबद्धता और समर्पण के लिए आभार व्यक्त करता है। गौरतलब है कि 47 साल के गोंजालेज ने मार्च 2024 में रिजर्व साइड से प्रमोट होने के बाद एस्पेनयोल की पहली टीम की कमान संभाली थी। उनके मार्गदर्शन में क्लब ने उसी सत्र के आखिर में ला लीगा में वापसी की थी। हालांकि, पिछले सीजन के दूसरे हाफ में टीम का प्रदर्शन संघर्षपूर्ण रहा, जब एस्पेनयोल 143 दिनों के भीतर खेले गए 18 मैचों में कोई जीत हासिल नहीं कर सका। इससे उन्हें हटाने की मांग उठने लगी थी। इस सत्र में अपने शुरुआती पांच लीग मैचों में से दो जीतने के बावजूद, एस्पेनयोल तब से लगातार पांच गेम बिना जीत के खेल चुका है, जिससे गोंजालेज पर दबाव और बढ़ गया था। एस्पेनयोल ने बताया कि गोंजालेज पहली टीम की कमान संभालने के बाद तीन से ज्यादा सीजन और कुल 107 कॉम्पिटिटिव मैचों के बाद क्लब छोड़ रहे हैं।

जरमनप्रीत ने संन्यास की अटकलों को खारिज किया

लॉस एंजिल्स ओलंपिक तक खेलेंगे

चंडीगढ ,एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के अनुभवी डिफेंडर जरमनप्रीत सिंह ने अपने संन्यास की अटकलों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि उनका लक्ष्य है लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक में टीम को जीत दिलाना है। जरमनप्रीत ने स्पष्ट किया है कि उनका संन्यास का कोई इरादा नहीं है और वह आगे भी खेलते रहेंगे। भारत ने हाल ही में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जिससे टीम में नए खिलाड़ियों को मौका देने की संभावना बढ़ गई है। ऐसे में कहा जा रहा है कि जरमनप्रीत को शायद ही टीम में जगह मिले। जरमनप्रीत ने हालांकि इन खबरों को खारिज करते हुए कहा, मैं खेलना जारी रखना चाहता हूं और लॉस एंजिल्स ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। मैं टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता हूं। उन्होंने हाल ही में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने को बड़ी उपलब्धि बताया। जरमनप्रीत ने कहा, यह हमारे लिए शानदार अवसर है और हम लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद हम ओलंपिक के लिए अपनी तैयारी शुरू करेंगे। मैं चाहता हूं कि टीम वहां अच्छा प्रदर्शन करे और स्वर्ण पदक जीते। वहीं भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने भी संन्यास की अटकलों को महज अफवाह करार दिया है। अपने अब तक के करियर में 171 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके जरमनप्रीत, टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के एक प्रमुख सदस्य थे। वह हाल ही में संपन्न हुए एशियाई खेल 2022 (जो 2023 में आयोजित हुए) में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे। उन्होंने कहा, मैंने अपने रक्षात्मक कौशल को बेहतर बनाने, अच्छे अवसर पैदा करने और टीम की जीत में योगदान देने की कोशिश की है। मैं एक डिफेंडर के रूप में अपने खेल में लगातार सुधार करने की कोशिश करता रहूंगा। जरमनप्रीत का यह बयान ऐसे समय में आया है जब टीम एकजुटता और भविष्य की योजनाओं को लेकर स्पष्टता चाहती है, और अनुभवी खिलाड़ियों की भूमिका पर बहस छिड़ी हुई है।

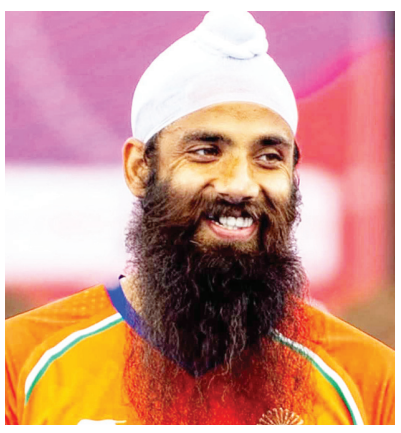

ऑकलैंड टी-20 में 40,000 से अधिक दर्शकों के आने का अनुमान

ऑकलैंड ,एजेंसी। यहां भारत और मेजबान न्यूजीलैंड के बीच शुक्रवार को होने वाले चौथे टी-20 मुकाबले में दर्शकों की भारी भीड़ होने की उम्मीद है। भारतीय टीम ने इस सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है पर जिस प्रकार का रोमांचक क्रिकेट देखने में आया है उससे प्रशंसक उत्साहित हैं। इस मैच में 40,000 से अधिक दर्शकों के आने की संभावना है। इससे एक कारण भारतीय टीम के बल्लेबाजों अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी है। वेलिंग्टन में खेले गए तीसरे टी-20 में इन दोनों ने पहले विकेट के लिए महज कुछ ही ओवरों में 133 रनों की साझेदारी कर किवी गेंदबाजों को को कोई अवसर नहीं दिया। इस दौरान दोनो ने ही एक से बढ़कर एक शॉट लगाकर दर्शकों का काफी मनोरंजन किया था। अभिषेक ने केवल 38 गेंदों पर 113 रनों की पारी खेली। वहीं वैभव ने भी 19 गेंदों में 45 रन बना दिये। युवा खिलाड़ियों की बैखौफ बल्लेबाजी से दर्शकों का मैचों की ओर रुझान बढ़ा है।

इससे माना जा रहा है कि दर्शक एक नया रिकार्ड बना देंगे। इससे पहले साल 2019 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुए एक मुकाबले में 36,523 दर्शक उपस्थित थे। ईडन पार्क में अब तक की सर्वाधिक दर्शक संख्या वर्ष 1982 में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के एकदिवसीय मैच के दौरान 42,000 तथा वर्ष 2015 के विश्व कप सेमीफाइनल में 41,000 दर्ज की गई थी। वहीं यदि चौथे टी20 में शुक्रवार को 40,000 से अधिक दर्शक स्टेडियम पहुंचते हैं, तो ये दर्शकों की संख्या के मामले में तीसरी बार होगा जब इतने अधिक लोग स्टेडियम पहुंचते हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया है कि पांचवे टी20 के भी पूरे टिक बिक गये हैं।

जानकारों की मानें तो दर्शकों का यह उत्साह केवल ऑकलैंड तक ही सीमित नहीं है। रविवार को हैमिल्टन के सेडन पार्क में खेले जाने वाले पांचवें और अंतिम टी-20 मुकाबले के टिकट भी पूरी तरह से बिक चुके हैं।

संपादकीय

रिजीम चेंज का वैश्विक खतर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने नागपुर में विजयादशमी उत्सव के अवसर पर अपने संबोधन में विविध समसामयिक विषयों पर गहरे और गंभीर विचार व्यक्त करते हुए रिजीम चेंज (सत्ता परिवर्तन) के वैश्विक खतरे से न केवल भारत वरन सम्पूर्ण विश्व को आगाह किया है।सरसंघचालक के रिजीम चेंज के निहितार्थ का व्यापक फलक हैं, जिसके आलोक में अपकारी शक्तियों के उद्देश्य का भयावह स्वरुप स्पष्ट होता है,जहां किसी देश में इन विध्वंसकारी शक्तियों द्वारा विविध प्रकार से अराजकता और आतंक का वातावरण स्थापित कर उस देश की सत्ता परिवर्तन ही नहीं वरन उस देश की सभ्यता,संस्कृति और अस्तित्व का विनाश करना है। अराजकता के व्याकरण पर उन्होंने डॉ. बी.आर. अंबेडकर के कथन का संदर्भ देते हुए कहा कि हिंसक और अनियंत्रित विद्रोह समाज में केवल अराजकता फैलाते हैं, कोई सार्थक बदलाव नहीं लाते। मोहन भागवत ने भारत सहित सम्पूर्ण विश्व आगाह किया कि 'रिजीम चेंज' (सत्ता या सरकार परिवर्तन) करने से कभी भी परिस्थितियां नहीं बदलती हैं। इतिहास साक्षी है कि इससे कभी किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। यह वैश्विक षड्यंत्र का हिस्सा है। उन्होंने दुनिया भर में हो रही उथल-पुथल का उल्लेख करते हुए कहा कि फ्रांस,अल्बानिया, बांग्लादेश और नेपाल में जो कुछ भी हुआ, वह सब एक सोचे-समझे षड्यंत्र का हिस्सा है। पश्चिम से एक ऐसी आंधी (आसुरी शक्तियां) चली है जो हर प्रकार की व्यवस्था, भद्रता और संस्कारों से नफरत करती है और उसे नष्ट करना चाहती है। भारत मुख्य निशाना है, इसलिए संघ प्रमुख ने चेतावनी दी कि अपने स्वार्थ का पोषण करने वाली कुछ वैश्विक ताकतें भारत की प्रगति से परेशान हैं और उन्होंने भारत को अपने निशाने पर ले लिया है। वे नहीं चाहतीं कि भारत इतना शक्तिशाली बने कि उनके वर्चस्व को चुनौती दे, इसलिए भारत, हिंदू समाज और संघ को कमजोर व विभाजित करने के लिए ऐसी कोशिशें (सत्ता परिवर्तन के प्रयास) भारत में भी की जा रही है।

रमेश सर्राफ धमोरा

आज का राशिफल

मेष- कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी।

वृष- आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी।

मिथुन- व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें।

कर्क- अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे।

सिंह - नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें।

कन्या- आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें।

तुला - लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा।

वृश्चिक- शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा।

धनु- यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए।

मकर - मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए।

कुम्भ- आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी।

मीन- बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे।

दैनिक पंचांग

29 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.31 ब.से
चंद्र	वृष में	धनु	09.47 बजे से
मंगल	कर्क में	मकर	11.53 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	13.39 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	15.12 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	16.42 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.22 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.21 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.34 बजे से
		सिंह	00.50 बजे से
		कन्या	03.02 बजे से
		तुला	05.13 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2026 वर्ष का 302 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 22.11 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** रोहिणी 11.12 बजे को समाप्त। **योग** परिघ 00.06 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बव 11.38 बजे तदनन्तर बालव 22.11 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 18.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 13° 23' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872877 **जूलियन दिन** 2461342.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** जमादि उलावल **तारीख** 17 **विशेष** करवा चौथ, रोहिणी व्रत, संकष्टी चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54	से 07.22	बजे तक	अमृत	05.40	से 07.11	बजे तक
रोग	07.22	से 08.51	बजे तक	चर	07.11	से 08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51	से 10.19	बजे तक	रोग	08.43	से 10.15	बजे तक
चर	10.19	से 11.47	बजे तक	काल	10.15	से 11.47	बजे तक
लाभ	11.47	से 01.15	बजे तक	लाभ	11.47	से 01.19	बजे तक
अमृत	01.15	से 02.43	बजे तक	उद्वेग	01.19	से 02.51	बजे तक
काल	02.43	से 04.11	बजे तक	शुभ	02.51	से 04.23	बजे तक
शुभ	04.11	से 05.40	बजे तक	अमृत	04.23	से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

करवा चौथ: पति-पत्नी के पवित्र रिश्तों का पर्व

भारत एक धर्म प्रधान देश है। यहां साल के सभी दिनों का महत्व है तथा साल का हर दिन पवित्र माना जाता है। करवा चौथ हिन्दुओं का प्रमुख त्योहार है। यह राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब का पर्व है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चन्द्रमा दर्शन के बाद सम्पूर्ण होता है। ग्रामीण स्त्रियों से लेकर आधुनिक महिलायें करवा चौथ का व्रत बड़ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रखती हैं। यह व्रत लगातार 12 अथवा 16 वर्ष तक हर वर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन किया जाता है। जो सुहागिन स्त्रियां आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं। करवा चौथ का व्रत हर साल महिलाओं द्वारा अपने पतियों के लिए किया जाता है और यह न केवल त्यौहार है बल्कि पति-पत्नी के पवित्र रिश्तों का पर्व है। कहने को तो करवा चौथ का त्यौहार एक व्रत है लेकिन यह नारी शक्ति औ? उसकी क्षमताओं का सवश्रेष्ठ उदहारण हैं। क्योंकि नारी अपने दृढ़ संकल्प से यमराज से भी अपने पति के प्राण ले आती हैं तो फिर वह क्या नहीं कर सकती हैं। आज के नये जमाने में भी हमारे देश में महिलायें हर वर्ष करवा चौथ का व्रत पहले की तरह पूरी निष्ठा व भावना से मनाती हैं। सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक पत्नियाँ अपने पति की सलामती के लिए व्रत रखती हैं। पूरे दिन बिना पानी पिए और कुछ भी खाए व्रत रखना आसान नहीं है लेकिन स्नेही पत्नियाँ अपने पति के प्रति पूरे प्रेम और सम्मान के साथ ये सभी रस्में निभाती हैं। यह त्यौहार हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार पति की दीर्घायु एवं अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इस दिन भालचन्द्र गणेश जी की पूजा-अर्चना की जाती है। करवा चौथ में दिनभर उपवास रखकर रात में चन्द्रमा को अर्ध्य देने के उपरान्त भोजन का विधान है। वर्तमान समय में करवा चौथव्रतोत्सव ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार में प्रचलित प्रथा के अनुसार ही मनाती हैं। लेकिन अधिकतर स्त्रियां निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं। सायंकाल चंद्रमा के उदित हो जाने पर चंद्रमा का पूजन कर अर्ध्य प्रदान करें। इसके पश्चात ब्राह्मण, सुहागिन स्त्रियों व पति के माता-पिता को भोजन कराएं। भोजन के पश्चात ब्राह्मणों को यथाशक्ति दक्षिणा दें। अपनी सासूजी को वस्त्र व विशेष करवा भेंट कर आशीर्वाद लें। यदि वे न हों तो उनके तुल्य किसी अन्य स्त्री को भेंट करें। इसके पश्चात स्वयं व परिवार के अन्य सदस्य भोजन करें। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी अर्थात उस चतुर्थी की रात्रि को जिसमें चंद्रमा दिखाई देने वाला है। उस दिन प्रातः स्नान करके अपने पति की आयु, आरोग्य, सौभाग्य का संकल्प लेकर दिनभर निराहार रहें। उस दिन भगवान शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा का पूजन करें। शुद्ध घी में आटे को सेंककर उसमें शक्कर अथवा खांड मिलाकर नैवेद्य हेतु लड्डू बनाएं। काली मिट्टी में शक्कर की चासनी मिलाकर उस मिट्टी से तैयार किए गए मिट्टी के अथवा तांबे के बने हुए अपनी सामर्थ्य अनुसार 10 अथवा 13 करवे रखें। करवा चौथ के बारे में व्रत करने वाली महिलाएं कहानी सुनती है। एक बार पांडु पुत्र अर्जुन तपस्या करने नीलगिरी नामक पर्वत पर गए। इधर द्रौपदी बहुत परेशान थीं। उनकी कोई खबर न मिलने पर उन्होंने कृष्ण भगवान का ध्यान किया और अपनी चिंता व्यक्त की। कृष्ण भगवान ने कहा बहना इसी तरह का प्रश्न एक बार माता पार्वती ने शंकरजी से किया था। पूजन कर चंद्रमा को अर्ध्य देकर भोजन ग्रहण किया जाता है। सोने, चाँदी या मिट्टी के करवे का आपस में आदान-प्रदान किया जाता है। जो आपसी प्रेमभाव को बढ़ाता है। पूजन करने के बाद महिलाएँ अपने सास-ससुर एवं बड़ों को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लेती हैं। तब शंकरजी ने माता पार्वती को करवा चौथ का व्रत बतलाया। आधुनिक होते समाज में भी महिलायें अपने पति की दीर्घायु को लेकर सचेत रहती है। इसीलिये वो पति की लम्बी उम्र की कामना के साथ करवा चौथ का व्रत रखना नहीं भूलती है। पत्नी का अपने पति से कितने भी गिले-शिकवे रहे हों मगर करवा चौथ आते-आते सब भूलकर वो एकाग्र चित्त से अपने सुहाग की लम्बी उम्र की कामना से व्रत जरूर करती है। करवा चौथ शब्द करवा अर्थात मिट्टी का बर्तन और चौथ अर्थात चतुर्थी से मिलकर बना है। इस पर्व पर मिट्टी के करवे का विशेष महत्व होता है। सभी विवाहित महिलाएं पूरे वर्ष इस त्योहार की प्रतीक्षा करती हैं और इसकी सभी रस्मों को श्रद्धा के साथ निभाती हैं। किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की सौभाग्यवती स्त्रियों को ही यह व्रत करने का अधिकार है। जो सुहागिन स्त्रियां अपने पति की आयु, स्वास्थ्य व सौभाग्य की कामना करती हैं वे व्रत रखती हैं। बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी पर शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा की स्थापना करें। मूर्ति के अभाव में सुपारी पर नाल बांधकर ईश्वर का स्मरण कर स्थापित करें। पश्चात यथाशक्ति देवों का पूजन करें। करवों में लड्डू का नैवेद्य रखकर नैवेद्य अर्पित करें। एक लोटा, एक वस्त्र व एक विशेष करवा दक्षिणा के रूप में अर्पित कर पूजन समापन करें। दिन में करवाचौथ व्रत की कथा पढ़ें अथवा सुनें। इस व्रत को करने से स्त्रियां अपने सुहाग की रक्षा हर आने वाले संकट से वैसे ही कर सकती हैं जैसे एक ब्राह्मण ने की थी। प्राचीनकाल में एक ब्राह्मण था। उसके चार लडके एवं एक गुणवती लड़की थी। एक बार लड़की मायके में थी। तब करवा चौथ का व्रत पड़ा। उसने व्रत को विधिपूर्वक किया। पूरे दिन निर्जला रही। कुछ खाया-पीया नहीं, पर उसके चारों भाई परेशान थे कि बहन को प्यास लगी होगी, भूख लगी होगी, पर बहन चंद्रोदय के बाद ही जल ग्रहण करेगी। भाइयों से न रहा गया उन्होंने शाम होते ही बहन को बनावटी चंद्रोदय दिखा दिया। एक भाई पीपल की पेड़ पर छलनी लेकर चढ़ गया और दीपक जलाकर छलनी से रोशनी उत्पन्न कर दी। तभी दूसरे भाई ने नीचे से बहन को आवाज दी, देखो बहन चंद्रमा निकल आया है। पूजन कर भोजन ग्रहण करो। बहन ने भोजन ग्रहण किया। भोजन ग्रहण करते ही उसके पति की मृत्यु हो गई। अब वह दुःखी हो विलाप करने लगी। तभी वहां से रानी इंद्राणी निकल रही थीं। उनसे उसका दुःख न देखा गया। ब्राह्मण कन्या ने उनके पैर पकड़ लिए और अपने दुःख का कारण पूछा। तब इंद्राणी ने बताया कि तूने बिना चंद्र दर्शन किए करवा चौथ का व्रत तोड़ दिया इसलिए यह कष्ट मिला। अब तू वर्षभर की चौथ का व्रत नियमपूर्वक करना तो तेरा पति जीवित हो जाएगा। उसने इंद्राणी के कहे अनुसार चौथव्रत किया तो पुनः सौभाग्यवती हो गई। इसलिए प्रत्येक स्त्री को अपने पति की दीर्घायु के लिए यह व्रत करना चाहिए। द्रौपदी ने यह व्रत किया और अर्जुन सकुशल मनोवांछित फल प्राप्त कर वापस लौट आए। तभी से हिन्दू महिलाएं अपने अखंड सुहाग के लिए करवा चौथ व्रत करती हैं। कहते हैं इस प्रकार यदि कोई मनुष्य छल-कपट, अहंकार, लोभ, लालच को त्याग कर श्रद्धा और भक्तिभाव पूर्वक चतुर्थी का व्रत पूर्ण करता है तो वह जीवन में सभी प्रकार के दुखों और क्लेशों से मुक्त होता है और सुखमय जीवन व्यतीत करता है। भारत देश में चौथमाता का सबसे अधिक ख्याति प्राप्त मंदिर राजस्थान राज्य के सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा गांव में स्थित है। चौथ माता के नाम पर इस गांव का नाम बरवाड़ा से चौथ का बरवाड़ा पड़ गया। यहां के चौथ माता मंदिर की स्थापना महाराजा भीमसिंह चौहान ने करवाया था।

(लेखक के निजी विचार)

भारत के संदर्भ में यूरोप की हिंसा भिन्न प्रणाली से समझनी होगी

योगेश कुमार सोनी

लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन जनता की आवाज बुलंद करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। जब सरकारें जनभावनाओं को अनसुना करती हैं, नीतियों को लेकर असंतोष बढ़ता है या लोगों को लगता है कि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा, तब सड़कों पर उतर कर विरोध करना स्वाभाविक है। लेकिन जब यही विरोध हिंसा, आगजनी, तोड़फोड़ और पुलिस से टकराव का रूप ले लेता है तो सवाल केवल प्रदर्शनकारियों के उद्देश्य का नहीं रह जाता बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था, सामाजिक स्थिरता और कानून के शासन का भी बन जाता है। यूरोप के विभिन्न देशों में समय-समय पर हुए हिंसक प्रदर्शनों से भारत को भी कई महत्वपूर्ण सबक मिलते हैं। हालांकि यूरोप एक समान राजनीतिक या सामाजिक इकाई नहीं है। फ्रांस में पेंशन सुधारों के विरोध, किसानों के आंदोलन, ब्रिटेन में दंगों और अन्य देशों में आर्थिक असंतोष से जुड़े प्रदर्शनों की परिस्थितियां अलग-अलग रही हैं। इसलिए हर घटना को एक ही नजरिये से देखने के बजाय उसके कारणों और परिणामों को समझना आवश्यक है। हिंसक प्रदर्शनों का पहला सबक यह है कि जन-असंतोष को समय रहते समझना और उसका समाधान करना किसी भी सरकार की जिम्मेदारी है। महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता, किसान समस्या, सामाजिक भेदभाव और भविष्य को लेकर असुरक्षा जैसे मुद्दे लोगों में नाराजगी पैदा कर सकते हैं। यदि नागरिकों को लगता है कि उनकी बात सुनने वाला कोई नहीं है तो व्यवस्था के प्रति अविश्वास गहरा सकता है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में यह चुनौती और भी महत्वपूर्ण है। यहां भाषाई, धार्मिक, जातीय, क्षेत्रीय और आर्थिक विविधता के कारण अलग-अलग वर्गों की अपेक्षाएं भी अलग हैं। सरकारों को चाहिए कि वे नीतियों के निर्माण और क्रियान्वयन में जनसंवाद को प्राथमिकता दें। समय पर संवाद और शिकायतों का समाधान कई बार उस स्थिति को पैदा होने से रोक सकता है, जिसमें सामान्य विरोध उग्र हो जाता है। हालांकि यह भी समझना जरूरी है कि हर हिंसक घटना का कारण सरकारी नीतियों की विफलता नहीं होता। अफवाह, संगठित उकसावा, आपराधिक तत्व और राजनीतिक ध्रुवीकरण भी परिस्थितियों को बिगाड़ सकते हैं। विरोध का अधिकार है, हिंसा का नहीं। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यह है कि नागरिक सरकार की नीतियों से असहमति जता सकते हैं। शांतिपूर्ण प्रदर्शन, धरना, जुलूस और सार्वजनिक बहस लोकतांत्रिक व्यवस्था के आवश्यक अंग हैं लेकिन किसी नीति का विरोध करने का अधिकार सार्वजनिक संपत्ति जलाने, दुकानों को लूटने, वाहनों में आग लगाने या आम नागरिकों की सुरक्षा खतरे में डालने का अधिकार नहीं बन जाता। यूरोप की हिंसक घटनाएं यह याद दिलाती हैं कि जब विरोध की सीमा टूटती है तो सबसे अधिक नुकसान अक्सर उन्हीं आम लोगों को उठाना पड़ता है जिनके हितों की रक्षा का दावा किया जाता है। कारोबार प्रभावित होता है, सार्वजनिक परिवहन बाधित होता है, छोटे दुकानदारों की आजीविका पर असर पड़ता है और भय का वातावरण बनता है। भारत में भी किसी आंदोलन की सफलता का मूल्यांकन केवल भीड़ के आकार या सड़कों पर पैदा हुए दबाव से नहीं बल्कि उसकी वैध मांगों, जनसमर्थन, शांतिपूर्ण आचरण और प्राप्त परिणामों से होना चाहिए। सोशल मीडिया की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आज किसी भी घटना का वीडियो कुछ ही मिनटों में हजारों-लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। सोशल मीडिया जनसमस्याओं को सामने लाने, लोगों को संगठित करने और प्रशासन तक शिकायतें पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है लेकिन यही माध्यम भ्रामक सूचनाओं, पुराने वीडियो को नई घटना बताकर प्रसारित करने, नफरत फैलाने और भीड़ को उकसाने का जरिया भी बन सकता है। यूरोप और भारत, दोनों के संदर्भ में यह महत्वपूर्ण चुनौती है। तनावपूर्ण परिस्थितियों में बिना पुष्टि की गई खबरें आग में घी डालने का काम कर सकती हैं। इसलिए नागरिकों को किसी भी संदेश या वीडियो को साझा करने से पहले उसकी सत्यता जांचनी चाहिए। प्रशासन को भी अफवाहों का त्वरित खंडन करना चाहिए और विश्वसनीय जानकारी नियमित रूप से उपलब्ध करानी चाहिए। डिजिटल मंचों पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा के साथ-साथ हिंसा के लिए प्रत्यक्ष उकसावे और संगठित दुष्प्रचार से निपटने की जरूरत है। लेकिन इसके नाम पर वैध आलोचना को दबाना भी लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध होगा। हिंसक प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। कानून-व्यवस्था बनाए रखना, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना पुलिस का दायित्व है। हिंसा, आगजनी और लूटपाट करने वालों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन पुलिस की कार्रवाई निष्पक्ष, अनुपातिक और जवाबदेह भी होनी चाहिए। शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों और हिंसा करने वालों के बीच स्पष्ट अंतर करना आवश्यक है। अत्यधिक बल प्रयोग, मनमानी गिरफ्तारी या किसी समुदाय के प्रति पक्षपात का आरोप व्यवस्था पर जनता के विश्वास को कमजोर कर सकता है। भारत के लिए सबक स्पष्ट है- न तो हिंसा के सामने प्रशासन कमजोर दिखाई देना चाहिए और न ही कानून लागू करने के नाम पर नागरिक अधिकारों की अनदेखी होनी चाहिए। आधुनिक पुलिस व्यवस्था की सफलता केवल बल प्रयोग में नहीं बल्कि तनाव कम करने, संवाद स्थापित करने, खुफिया सूचनाओं के सही इस्तेमाल और समय रहते स्थिति संभालने में भी है। राजनीतिक दलों को भी अपनी ज़िम्मेदारी समझनी चाहिए चूँकि लोकतंत्र में विपक्ष का काम सरकार की नीतियों की आलोचना करना और जनता के मुद्दे उठाना है। वहीं, सत्तापक्ष का दायित्व है कि वह आलोचना को लोकतंत्र का हिस्सा माने और असहमति रखने वालों से संवाद करे। समस्या तब पैदा होती है, जब राजनीतिक लाभ के लिए किसी विवाद को भड़काया जाता है, तथ्यों के बजाय भावनाओं को उकसाया जाता है या हिंसा करने वालों के प्रति चयनात्मक रवैया अपनाया जाता है। भारत में सभी राजनीतिक दलों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे विरोध प्रदर्शनों के दौरान अपने समर्थकों को शांतिपूर्ण आचरण के लिए प्रेरित करें। हिंसा किसी भी पक्ष की ओर से हो, उसकी निंदा समान रूप से होनी चाहिए। कानून का पालन राजनीतिक विचारधारा या सत्ता में मौजूद होने के आधार पर अलग-अलग नहीं हो सकता। यूरोप के हिंसक प्रदर्शनों से भारत को सबसे बड़ा सबक यह मिलता है कि लोकतंत्र केवल चुनाव कराने तक सीमित नहीं है। उसकी वास्तविक मजबूती नागरिकों के भरोसे, संस्थाओं की निष्पक्षता, शांतिपूर्ण असहमति की स्वतंत्रता और कानून के समान अनुपालन में निहित है। सरकारों को जनसमस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशील होना होगा, राजनीतिक दलों को जिम्मेदार आचरण अपनाना होगा, पुलिस को निष्पक्षता और संयम के साथ कार्रवाई करनी होगी तथा नागरिकों को अफवाहों और हिंसक उकसावों से बचना होगा। भारत की लोकतांत्रिक शक्ति उसकी विविधता और संवाद की परंपरा में है। असहमति को दबाने के बजाय सुनना और हिंसा को किसी भी परिस्थिति में जायज न ठहराना ही वह रास्ता है, जिससे लोकतंत्र अधिक मजबूत बन सकता है। आखिरकार, किसी भी आंदोलन का उद्देश्य व्यवस्था को बेहतर बनाना होना चाहिए, उसे हिंसा और अराजकता के हवाले करना नहीं।

(लेखक के निजी विचार)

दो राजघरानों की वारिस हैं अदिति राव हैदरी

जानिए कैसे बनीं भरतनाट्यम नृत्यांगना से अभिनेत्री

भारत में राजघरानों का इतिहास हमेशा से आकर्षण और गौरव का प्रतीक रहा है। शाही परिवारों में जन्म लेने वाले लोगों का जीवन अक्सर सुख-सुविधाओं, परंपराओं और प्रतिष्ठा से जुड़ा माना जाता है लेकिन कुछ ऐसे भी हुए हैं, जिन्होंने पारिवारिक विरासत से अलग अपनी पहचान पहचान बनाई है। अभिनेत्री अदिति राव हैदरी उन अदाकाराओं में शुमार हैं, जिनका संबंध शाही राजघराने से रहा है। 28 अक्टूबर 1986 को हैदराबाद में जन्मी अभिनेत्री अदिति राव हैदरी त्याबजी-हैदरी परिवार से ताल्लुक रखती हैं। दरअसल, अभिनेत्री दो शाही परिवारों की वंशज हैं। उनके पिता का नाम एहसान हैदरी (बोहरा मुस्लिम) था और मां का नाम विद्या राव। जब अदिति केवल 2 साल की थीं, तब उनके माता-पिता अलग हो गए थे और उनकी मां उन्हें लेकर दिल्ली आ गईं थीं। पिता की ओर से वे असम के पूर्व गवर्नर और हैदराबाद राज्य के पूर्व प्रधानमंत्री सर मुहम्मद सालेह अकबर हैदरी की परपोती हैं और मां की ओर से वे तेलंगाना के वनापार्थी संस्थान के राजा जे. रामेश्वर राव की नातिन हैं।

हालांकि, राजसी परंपराओं और प्रतिष्ठित पारिवारिक पृष्ठभूमि के बावजूद अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने अभिनय की दुनिया को अपना करियर चुना। उन्होंने अपने अभिनय कौशल, सौंदर्य, सादगी और मेहनत के बल पर भारतीय सिनेमा में एक विशिष्ट पहचान बनाई। अदिति राव हैदरी अभिनय कला में निपुण होने के साथ-साथ प्रशिक्षित भरतनाट्यम नृत्यांगना भी हैं। उन्होंने हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम फिल्मों में काम कर सिनेमा की दुनिया में अपनी खास पहचान बनाई। बचपन से ही घर में संगीत और कला का माहौल होने की वजह अभिनेत्री ने बेहद कम उम्र से ही भरतनाट्यम सीखना शुरू कर दिया था और उन्होंने इसकी शिक्षा जानी-मानी भरतनाट्यम नृत्यांगना लीला सैमसन ली थी। बाद में वह उनके प्रतिष्ठित डांस ग्रुप 'स्पंदा' का हिस्सा भी बनीं, जिसके साथ उन्होंने भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई स्टेज प्रस्तुतियां दीं। अदिति राव हैदरी का सफर राजघराने से भरतनाट्यम नृत्यांगना तक तो पहुंच गया लेकिन इसके बाद उनकी जिंदगी में कुछ ऐसा हुआ जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। असल, में अदिति ने एक कॉन्फ्रेंस में भरतनाट्यम की प्रस्तुति दी थी, जिसे देखकर फिल्म निर्माताओं (शारदा रामनाथन और पद्मिनी रवि) ने उन्हें अपनी शास्त्रीय नृत्य पर आधारित तमिल फिल्म 'शृंगारम' (2007) में मुख्य भूमिका (एक देवदासी के रूप में) ऑफर की थी। हालांकि 'शृंगारम' की शूटिंग पहले हुई थी लेकिन मलयालम फिल्म 'प्रजापति' पहले रिलीज हुई, जिसमें उन्होंने ममूटी के साथ काम किया था। इसके बाद उन्होंने साल 2009 में राकेश ओमप्रकाश मेहरा की फिल्म 'दिल्ली-6' के जरिए हिंदी सिनेमा में कदम रखा। शाही खानदान से होने के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत और टैलेंट के दम पर फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई है।

अभिनेत्री का शास्त्रीय नृत्य (भरतनाट्यम) की ओर रुझान मुख्य रूप से उनके पारिवारिक माहौल और कलात्मक परिवेश के कारण हुआ था। अभिनेत्री की मां विद्या राव एक मशहूर ठुमरी और दादरा गायिका है।

वामिका गब्बी

50 साल की महिला बनने के लिए वामिका गब्बी ने पहना प्रोस्थेटिक्स, बोलीं- शीशे में खुद को पहचान नहीं पाई

अभिनेत्री वामिका गब्बी ने फिल्म 'प्रहार- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्ज्वल निकम' में प्रसिद्ध सरकारी वकील उज्ज्वल निकम की पत्नी ज्योति निकम के किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में किरदार निभाने के लिए प्रोस्थेटिक्स पहनने के अपने अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि मेकअप चेयर पर बैठे-बैठे अपने चेहरे को बदलते हुए देखना किरदार को और भी ज्यादा वास्तविक महसूस करा रहा था।

उन्होंने कहा, 'प्रोस्थेटिक्स के बाद जब मैंने खुद को शीशे में देखा, तो कुछ देर तक तो मैं शीशे में खुद को निहारती रह गई। ये एक बहुत ही अजीब एहसास था, क्योंकि मुझे पता था कि वो मैं ही हूँ, लेकिन मैं सामने दिख रहे शख्स को पहचान नहीं पा रही थी। हालांकि, इस पूरे प्रोसेस को मैंने पूरी तरह से इंजॉय किया था। '

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मेकअप चेयर पर बैठने के बाद चेहरे को धीरे-धीरे बदलते हुए देखने पर कहीं न कहीं किरदार आपके लिए और ज्यादा असली लगने लगता है। कई बार तो मैं भूल ही जाती थी कि मैं कितनी अलग दिख रही हूं, जब तक कोई मुझे सेट से मेरी फोटो नहीं दिखा देता था।

' वामिका गब्बी ने बताया कि ज्योति निकम का किरदार निभाना उनके लिए एक अलग ही एक्सपीरियंस था। उन्होंने कहा, 'ज्योति निकम का किरदार निभाना मेरे लिए एक बहुत ही अलग अनुभव था और मुझे खुशी है कि मुझे एक्टिंग के उस पहलू को एक्सप्लोर करने का मौका मिला, जिसे मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था। ' ज्योति निकम का किरदार उज्ज्वल निकम (राजकुमार राव द्वारा निभाया गया किरदार) के पेशेवर और निजी जीवन के बीच के तालमेल को दर्शाता है।

बताया जाता है कि वामिका गब्बी ने इस किरदार को निभाने से पहले वास्तविक जीवन की ज्योति निकम से मुलाकात की थी, ताकि वह उनके सफर और उनके योगदान को गहराई से समझ सकें।

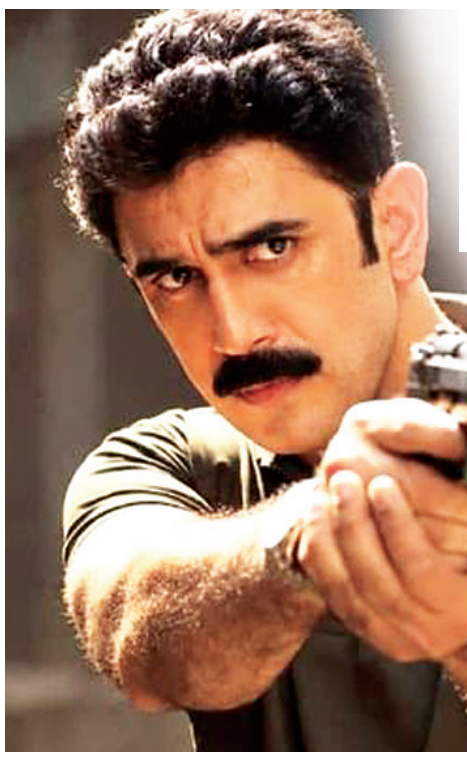

अमित साध की मुख्य भूमिका वाली फिल्म *'प्रताप'* के ट्रेलर ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म में अमित साध एक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की भूमिका निभा रहे हैं। ट्रेलर रिलीज होने के बाद दर्शक कमेंट सेक्शन में यह कयास लगा रहे हैं कि क्या फिल्म की कहानी असल जिंदगी के पुलिस अधिकारियों से प्रेरित है। कई दर्शक अमित के ऑन-स्क्रीन किरदार की तुलना मुंबई पुलिस के अधिकारियों दया नायक और सचिन वाजे से कर रहे हैं और जानना चाहते हैं कि क्या कहानी का उनकी जिंदगी से कोई संबंध है।

क्या असल जिंदगी के एनकाउंटर स्पेशलिस्ट पर आधारित है 'प्रताप' अमित साध के किरदार को लेकर ऑनलाइन छिड़ी बहस

सचिन सराफ के लेखन और निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण यूवी फिल्म्स के बैनर तले प्रदीप रंगवानी ने किया है। फिल्म में ईशा देओल, सीमा बिस्वास, तिग्मांशु धूलिया और मिलिंद गुनाजी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'प्रताप' 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म के आधिकारिक यूट्यूब ट्रेलर के कमेंट सेक्शन में दर्शकों की यह उत्सुकता साफ नजर आ रही है। कई यूजर्स ने सवाल उठाए हैं कि क्या अमित साध का किरदार किसी वास्तविक पुलिस अधिकारी से प्रेरित है। एक यूजर ने पूछा, 'कहीं ये दया नायक की स्टोरी तो नहीं है ' वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा, 'ये सचिन वाजे की लाइफ से इंस्पायर्ड है क्या' एक दर्शक ने सवाल किया, 'क्या यह सचिन वाजे की कहानी पर आधारित है' कुछ अन्य दर्शकों ने भी फिल्म की कहानी के सचिन वाजे या दया नायक की जिंदगी से जुड़े होने की संभावना पर सवाल उठाए। कई दर्शकों द्वारा इसी तरह के सवाल पूछे जाने से साफ है कि ट्रेलर ने अमित साध के किरदार और उसकी पृष्ठभूमि को लेकर लोगों की जिज्ञासा बढ़ा दी है। जहां फैंस सोशल मीडिया पर फिल्म की संभावित वास्तविक प्रेरणा को लेकर चर्चा कर रहे हैं, वहीं यह देखना दिलचस्प होगा कि 'प्रताप' की कहानी किसी खास पुलिस अधिकारी से प्रेरित है या फिर एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की दुनिया पर आधारित एक काल्पनिक कहानी है। फिलहाल, फिल्म के किसी वास्तविक पुलिस अधिकारी पर आधारित होने को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

तिरुमला के श्रीवारी मंदिर पहुंचीं भूमि पेडनेकर

परिवार के साथ किए भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर फिल्मों के साथ-साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस आंध्र प्रदेश के तिरुमला स्थित प्रसिद्ध श्रीवारी मंदिर पहुंचीं, जहां उन्होंने अपने परिवार के साथ भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। इस दौरान भूमि का सादगी भरा अंदाज देखने को मिला। उनकी इस धार्मिक यात्रा की चर्चा हो रही है। भूमि ने मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर और अन्य देवी-देवताओं के दर्शन किए। इस दौरान वह हाथ जोड़कर प्रार्थना करती दिखाई दीं। उनके लुक की बात करें तो उन्होंने खूबसूरत साड़ी पहनी थी, जिसके साथ शॉल कैरी किया था। उन्होंने अपने बाल खुले रखे और हाथों में चूड़ियां पहनी थीं। लाइट मेकअप में उनका लुक काफी सादा नजर आया। उन्होंने मंदिर में दर्शन के दौरान पूरी श्रद्धा के साथ भगवान का आशीर्वाद लिया। बता दें कि तिरुमला का श्रीवारी मंदिर भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित है। यह भारत के सबसे प्रसिद्ध और श्रद्धालुओं के बीच खास महत्व रखने वाले तीर्थस्थलों में से एक है। यहां सालभर देश के अलग-अलग हिस्सों से भक्त दर्शन करने पहुंचते हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो भूमि पेडनेकर जल्द ही ऐतिहासिक फिल्म 'द प्राइड ऑफ भारतः छत्रपति शिवाजी महाराज' में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह वीरांगना रानी बेलवाड़ी मल्लम्मा का किरदार निभाएंगी। फिल्म में ऋषभ शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं। इस प्रोजेक्ट को संदीप सिंह निर्देशित कर रहे हैं और वह इसके निर्माता भी हैं।

फिल्म में अर्जुन रामपाल और विवेक ओबेरॉय भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके पहले भाग को 21 जनवरी, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी है। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बनी हुई है, खासकर इसलिए कि इसमें भारतीय इतिहास से जुड़े किरदारों को बड़े पर्दे पर दिखाया जाएगा।

भूमि को पिछली बार रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' में देखा गया था। इसके अलावा, वह नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'द रॉयल्स' में भी नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ ईशान खट्टर ने काम किया था।

इमरान खान को बॉम्बे हाईकोर्ट से अंतरिम राहत

भारत छोड़ने के नोटिस पर लगाई रोक

बॉलीवुड अभिनेता इमरान खान को मंगलवार को बॉम्बे हाईकोर्ट से अंतरिम राहत मिली। अदालत ने केंद्र सरकार की ओर से जारी भारत छोड़ने के नोटिस के अमल पर रोक लगा दी है। इस नोटिस में अभिनेता को 28 अक्टूबर तक भारत छोड़ने का निर्देश दिया गया था। हाईकोर्ट की बेंच ने मामले की अगली सुनवाई तक इमरान के खिलाफ कोई भी सख्त कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया है। अभिनेता ने इस नोटिस को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ने अदालत से मामले की सुनवाई अगले सप्ताह तक टालने का अनुरोध किया। इसके साथ ही तब तक इमरान के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने की अपील भी की।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने नोटिस के अमल पर रोक जारी रखने का फैसला किया और अगली सुनवाई के लिए 2 नवंबर को दोपहर 3 बजे का समय तय किया, तब तक अभिनेता को अंतरिम राहत मिली रहेगी।

यह पूरा विवाद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर हुए एक विरोध प्रदर्शन में इमरान खान के हिस्सा लेने से जुड़ा है।

टेलर स्विफ्ट का अपने शहर के लिए छलका प्यार, म्यूजिक कम्युनिटी को बताया खास

पॉप आइकन टेलर स्विफ्ट का मानना है कि उनके होमटाउन नैशविले में एक ऐसी अनोखी म्यूजिक कम्युनिटी है, जिसकी बराबरी कहीं और नहीं की जा सकती। 36 वर्षीय गायिका बचपन में ही नैशविले, टेनेसी चली गई थीं, ताकि वे एक 'कंट्री स्टार' बनने के अपने सपने को पूरा कर सकें। सोमवार को 'नैशविले सॉन्गराइटर्स हॉल ऑफ फेम' में शामिल किए जाने के बाद, गायिका ने इस शहर के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया।

अपनी स्पीच के दौरान उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि आप किसी कला में तब तक पूरी तरह माहिर नहीं हो सकते, जब तक कि आप उसे बार-बार न करें। इस शानदार शहर में काम करने वाले बेहतरीन गीतकार ठीक यही करते हैं। ' कई पुरस्कार जीत चुकी यह स्टार, जो अब तक के सबसे ज्यादा म्यूजिक एल्बम बेचने वाले कलाकारों में से एक हैं, कहती हैं, 'इस म्यूजिक कम्युनिटी जैसी कोई दूसरी कम्युनिटी नहीं है। मुझे पता है, क्योंकि मैंने बाकी सभी कम्युनिटीज को भी देखा है। '

गायिका ने जीवन के कुछ महत्वपूर्ण सबक सिखाने के लिए नैशविले कम्युनिटी को भी श्रेय दिया। उन्होंने कहा, 'मैंने सीखा कि कैसे एडजस्ट करना है, जैसे कि जब आपके साथ काम करने वाले गीतकार को हैंगओवर हो या जब वे कुछ भी लिखने से पहले अपने तलाक के बारे में बहुत देर तक बात करना चाहते हों। '

टेलर ने पहले बताया था कि कैसे फेथ हिल और शैनिया ट्वेन से प्रेरित होकर वे नैशविले चली गई थीं। टेलर स्विफ्ट ने 2006 में अपने नाम से ही जारी पहले एल्बम के साथ अपने प्रोफेशनल म्यूजिक करियर की शुरुआत की।

संक्षिप्त समाचार

औरंगाबाद- सड़क हादसे में 70 साल की महिला की मौत

औरंगाबाद,एजेंसी। औरंगाबाद के बड़ेम थाना क्षेत्र के कंकेर गांव के समीप सड़क हादसे में एक 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान स्वर्गीय बिंदेश्वरी सिंह की पत्नी लहसिया देवी के रूप में हुई है। घटना मंगलवार रात की है। जानकारी के अनुसार, लहसिया देवी मंगलवार की देर शाम गांव के समीप सड़क से गुजर रही थीं। इसी दौरान एक अज्ञात ऑटो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसा अचानक होने के कारण महिला को संभलने का मौका नहीं मिला और गंभीर रूप से घायल महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद ऑटो चालक मौके से फरार हो गया। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई और इलाके में अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। घटना के बाद गांव में मचा कोहराम सड़क हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग महिला की मदद के लिए आगे आए। घटना की सूचना परिजनों तक पहुंचाई गई। लहसिया देवी की उम्र करीब 70 वर्ष थी। वहीं, हादसे के बाद ऑटो ड्राइवर के मौके से फरार होने की बात सामने आई है। घटना बड़ेम थाना क्षेत्र की है, लेकिन हादसे के बाद पुलिस की कार्रवाई, ऑटो की पहचान और चालक के खिलाफ की गई कार्रवाई से संबंधित विस्तृत जानकारी फिलहाल उपलब्ध नहीं हो सकी है।

24 घंटे में 30 गिरफ्तार, 36 लीटर विदेशी शराब भी जब्त

दरभंगा,एजेंसी। जिले में अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए दरभंगा पुलिस लगातार सख्त रुख अपना रही है। इसी कड़ी में पुलिस ने पिछले 24 घंटों के दौरान जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान विभिन्न मामलों में कुल 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से 29 अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। जिले में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस ने शिकंजा कसा है। सघन वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस ने नियमों की अनदेखी करने वालों से शमन राशि के रूप में कुल 3,18,500/- (तीन लाख अठारह हजार पाँच सौ रुपये) का जुर्माना वसूला है। इस सख्त कार्रवाई से वाहन चालकों में हड़कंप मचा हुआ है। वहीं, उत्पाद अधिनियम और अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने सराहनीय बरामदगी की है। विदेशी शराबः पुलिस ने छापेमारी के दौरान कुल 36 लीटर विदेशी शराब जब्त की है। हालांकि, इस अवधि में देशी शराब की कोई बरामदगी नहीं हुई है। जबकि वाहन जब्ती कार्रवाई के दौरान अवैध गतिविधियों में संलिप्त 04 मोटरसाइकिल और 01 साइकिल भी बरामद की गई है। न्यायिक प्रक्रिया को गति देते हुए पुलिस ने विभिन्न मामलों में लंबित वारंटों का तेजी से निष्पादन किया है। जमानतीय वारंटः कुल 22 जमानतीय वारंटों का निष्पादन किया गया। अजमानतीय वारंटः पुलिस ने दबिश बनाते हुए 18 अजमानतीय वारंटों को निष्पादित किया। इस अवधि में कुर्की की कार्रवाई शून्य रही। इसके अलावा, आम नागरिकों की सहूलियत के लिए 31 चरित्र सत्यापन और 09 पासपोर्ट सत्यापन के मामलों का भी सफल निष्पादन किया गया। वहीं, देशी आग्नेयास्त्रों और कारतूसों की बरामदगी इस दौरान नहीं हुई।

गोपालगंज में जमीन विवाद से परेशान वृद्धा ने खाया जहर

गोपालगंज,एजेंसी। गोपालगंज में जमीन हड़पे जाने के कारण मानसिक तनाव में आकर महिला ने जहर खा ली है। बेहोशी की हालत में परिजन ने तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डाक्टर की देखरेख में उसका इलाज चल रहा है।

घटना बरौली थाना क्षेत्र के मोगल बरैचा गांव की है। महिला की पहचान स्व रामनरेश की पत्नी शांति देवी(65) के रूप में हुई है।

वृद्धा पेंशन पर निर्भर हैं महिला: परिजनों ने बताया कि शांति देवी अकेली रहती हैं और वृद्धा पेंशन पर निर्भर हैं। उनके मुंहबोले भतीजे अंकुर सिंह के अनुसार, एक पड़ोसी उनकी जमीन हड़पने की कोशिश कर रहा था। विरोध करने पर वह महिला को परेशान करता था। अंकुर सिंह ने आरोप लगाया कि पड़ोसी ने पहले भी शांति देवी के साथ दो बार मारपीट की थी।

बिहार में अर्नब तूफान का असर, बक्सर में बादल छाए

पटना समेत 13 जिलों में बारिश का अलर्ट, 29-30 अक्टूबर को भारी बारिश की चेतावनी

पटना,एजेंसी। बिहार में साइक्लोन ऑर्नब का असर दिखेगा। बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवाती तूफान अर्नब बिहार के मौसम को भी बड़े स्तर पर प्रभावित करने जा रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार, राज्यभर में 28 अक्टूबर यानी आज से तेज हवा, बारिश और वज्रपात का सिलसिला शुरू होगा। बक्सर में मौसम भी बदल गया है, बादल छाए हैं। 30 अक्टूबर को पटना समेत राज्य के 13 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। कुछ इलाकों में बिजली गिरने की भी आशंका है।

बीते 24 घंटे में राज्य का मौसम सामान्य रहा। पटना, गया समेत कई जिलों में दिन में तेज धूप निकली। शाम में हल्के बादल छाए दिखे।

29-30 अक्टूबर को ज्यादा असर, 50 की रफ्तार से चलेगी हवा: मौसम विभाग के मुताबिक, 28 अक्टूबर से 1 नवंबर तक बिहार में बारिश हो सकती हैं। इस दौरान राज्य के कुछ स्थानों पर 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की

रफ्तार से हवा चलने का अनुमान है। 29 और 30 अक्टूबर को मौसम ज्यादा खराब रहेगा। इन दो दिनों में कुछ इलाकों में भारी से अति भारी बारिश की संभावना है।

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय है अर्नब तूफान: मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवाती तूफान अर्नब पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर सक्रिय है। इसके 28 अक्टूबर की सुबह आंध्र प्रदेश के बापटला और विशाखापत्तनम के बीच यानम के पास तट पार करने का अनुमान है। तट पार करते समय तूफान की अधिकतम निरंतर हवा की रफ्तार 125 से 135 किलोमीटर प्रति घंटे और झोंकों की रफ्तार 150 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है।

हालांकि, बिहार में इसका असर मुख्य रूप से बारिश, गरज-चमक और तेज हवा के रूप में देखने को मिलेगा। बिहार में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।

पटना में कैसा रहेगा मौसम

राजधानी में आज मौसम में बदलाव के आसार हैं। आसमान में बादल छाने और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। तूफान के प्रभाव से वातावरण में नमी बढ़ने के कारण अगले कुछ दिनों में बारिश की गतिविधियां तेज हो सकती हैं।

किसानों और आम लोगों को सावधानी बरतने की सलाह

लगातार बारिश और तेज हवाओं से खड़ी फसलों, बागानों, केले, पपीते, सहजन और आम के पेड़ों को नुकसान पहुंच सकता है। किसानों को कटी हुई फसल सुरक्षित स्थान पर रखने और खेतों में जलनिकासी की व्यवस्था करने की सलाह दी गई है। गरज-चमक के दौरान लोगों को खुले मैदानों और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचना चाहिए। तेज हवा के दौरान कमजोर ढांचों और बिजली के खंभों

3-कट्टा जमीन विवाद में 60 साल के वृद्ध की मौत

कोर्ट से कब्जा मिलने के बाद पड़ोसियों ने किया हमला, एक आरोपी गिरफ्तार

बेतिया,एजेंसी। पश्चिम चंपारण के मढ़िया गांव में जमीन विवाद को लेकर हुई मारपीट में 60 साल के लक्ष्मी चौधरी की मौत हो गई। मंगलवार दोपहर पड़ोसियों ने उन पर हमला किया था। गंभीर हालत में उन्हें नरकटियागंज अस्पताल ले जाया गया, जहां से बेतिया रेफर किया गया। देर रात इलाज के दौरान उनकी जान चली गई।

3 कट्ठा जमीन को लेकर ढाई साल से विवाद: मृतक के परिजन ने बताया कि तीन कट्ठा जमीन को लेकर ढाई साल से केस चल रहा था। कोर्ट ने लक्ष्मी चौधरी के पक्ष में फैसला सुनाया था और प्रशासन ने उन्हें जमीन पर कब्जा भी दिलाया था। मंगलवार को जब लक्ष्मी चौधरी अपनी जमीन पर काम कर रहे थे, तभी पड़ोसी लल्लू पासवान, राजेंद्र पासवान, कन्हैया पासवान, अवधेश पासवान और अन्य लोगों ने उन पर हमला कर दिया।

हमलावरों ने पीटकर रीढ़ की हड्डी तोड़ी: हमलावरों ने लक्ष्मी चौधरी को बेरहमी से पीटा, जिससे उनकी रीढ़ की

हड्डी टूट गई और सिर व हाथ-पैर में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद गांव में तनाव है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

बताया जाता है कि विवाद को लेकर दूसरे पक्ष की ओर से एससी-एसटी अधिनियम के तहत भी कई मामले दर्ज कराए गए थे। घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार इस मामले में साहेब पासवान नामक एक आरोपी की गिरफ्तारी की गई है। पुलिस अन्य आरोपितों की भूमिका और घटना के पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

इंदपे के पास फोन उठाते समय बाइक अनियंत्रित

युवक घायल, सदर अस्पताल में इलाज जारी

जमुई,एजेंसी। जमुई-खैरा मुख्य मार्ग पर इंदपे के पास तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस सड़क हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को मंगलवार की देर रात इलाज के लिए जमुई सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉ नवीन कुमार गुप्ता की देखरेख में उसका इलाज किया जा रहा है। घायल युवक की पहचान टाउन थाना क्षेत्र के बोड़ार गांव निवासी प्रतीक पांडेय के रूप में हुई है।

बताया जाता है की प्रतीक पांडेय मंगलवार की देर रात बाइक पर सवार होकर खैरा से

अपने घर बोड़ार लौट रहे थे। इसी दौरान जब वह जमुई-खैरा मुख्य मार्ग पर इंदपे के पास पहुंचे, तभी मोबाइल फोन उठाने के क्रम में उनकी बाइक का संतुलन बिगड़ गया। तेज रफ्तार होने के कारण बाइक अनियंत्रित हो गई और वह सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त हो गए। हादसे में प्रतीक पांडेय को चोटें आईं। दुर्घटना के बाद आसपास मौजूद स्थानीय लोग घायल युवक की मदद के लिए आगे आए। लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया और परिजनों को घटना की जानकारी दी। अस्पताल में भर्ती कराए जाने के बाद चिकित्सकों ने घायल युवक का उपचार शुरू किया। फिलहाल, इलाज के बाद प्रतीक पांडेय की हालत सामान्य बताई जा रही है।

सांप के डंसने से 4 साल की बच्ची की मौत

बांका में ननिहाल में खेल रही थी, तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले गए परिजन

बांका,एजेंसी। बांका में मंगलवार की देर रात सांप के डंसने से चार वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। घटना बुटवरिया गांव की है। मृत बच्ची की पहचान रामपुर जमदाहा गांव निवासी अजय कुमार की बेटी सोनम कुमारी के रूप में हुई है। बताया जाता है कि सोनम अपने ननिहाल बुटवरिया गांव आई हुई थी। मंगलवार की देर शाम वह घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान अचानक एक सांप ने उसके पैर में डंस लिया। तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले गए परिजन घटना के बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ने लगी, जिससे परिजन घबरा गए। बच्ची की हालत गंभीर होते देख परिजन बिना देर किए उसे इलाज के लिए बांका सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां मौजूद चिकित्सकों ने बच्ची की जांच की। जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्ची की मौत की खबर सुनते ही परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। अस्पताल में परिवार के सदस्यों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया। घटना के बाद से ही परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के लोग भी इस दर्दनाक घटना से दुखी हैं।

पोखर की सफाई कर जलस्रोतों को बचाने का संकल्प

दरभंगा में छठी पोखर पर चला स्वच्छता अभियान, युवाओं ने किया श्रमदान

दरभंगा,एजेंसी। दरभंगा में विशेष अभियान 6.0 के तहत जिला गंगा समिति की ओर से नगर क्षेत्र के वार्ड संख्या-02 स्थित सुंदरपुर की छठी पोखर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिला पदाधिकारी सह जिला गंगा समिति के अध्यक्ष कौशल कुमार के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में श्रमदान के साथ नमामि गंगे संकल्प कार्यक्रम भी हुआ। इस दौरान पोखर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई कर लोगों को जलस्रोतों के संरक्षण और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। अभियान में नमामि गंगे वॉलंटियर्स, महात्मा गांधी कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के युवा स्वयंसेवकों, दरभंगा नगर निगम के स्वच्छता कर्मियों और स्थानीय वार्ड पार्षद भगवान लाल ठाकुर ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक श्रमदान कर सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने और जलस्रोतों के संरक्षण का संदेश दिया।

युवाओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाना उद्धेश्य: जिला गंगा समिति के जिला परियोजना पदाधिकारी फारूक इमाम ने कहा कि विशेष अभियान 6.0 का उद्देश्य स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ना, सार्वजनिक स्थलों और जलस्रोतों को स्वच्छ रखना, युवाओं-स्थानीय समुदाय को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक और सक्रिय बनाना है। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को जल संरक्षण और स्वच्छता बनाए रखने की शपथ भी दिलाई गई। अभियान में संजीव कुमार, सुमित कुमार, ओंकार साह, रीतिश कुमार सहित बड़ी संख्या में युवाओं, स्वच्छता कर्मियों और स्वच्छता साथियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

समस्तीपुर में युवक के मुंह में मारी गोली, हालत गंभीर

15 दिन पहले पंजाब से घर लौटा था; दोस्त से विवाद के बाद चली बुलेट

समस्तीपुर,एजेंसी। समस्तीपुर के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में एक युवक को मुंह में गोली लगने का मामला सामने आया है। गंभीर रूप से घायल युवक की पहचान मधुरापुर टारा गांव निवासी राज साहेब के 23 वर्षीय पुत्र रजनीश कुमार के रूप में हुई है। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे डीएमसीएच दरभंगा रेफर कर दिया गया। गोली युवक के जबड़े में फंस गई थी, जिसे कल्याणपुर पीएचसी में उपचार के दौरान निकाला गया। घटना चकमहेसी और वैनी थाना क्षेत्र की सीमा के पास विरौली गांव की बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद सदर डीएसपी-2 संजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम मामले की जांच में जुट गई है। दोस्त के साथ गया था विरौली, वहीं चली गोली पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में सामने आया है कि रजनीश अपने एक साथी के साथ किसी गलत नीयत से विरौली की ओर गया था। विरौली बांध के पास दोनों दोस्तों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। इसी दौरान गोली चल गई, जो रजनीश के मुंह में जा लगी। गोली लगने के बाद उसका साथी बाइक से उसे मधुरापुर टारा की ओर लेकर आया। हालांकि, रास्ते में युवक की हालत बिगड़ने पर उसका साथी उसे सिंघियाही बांध के पास छोड़कर फरार हो गया। बाद में ग्रामीणों की सूचना पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल रजनीश को कल्याणपुर पीएचसी में भर्ती कराया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे डीएमसीएच रेफर कर दिया। 15 दिन पहले ही पंजाब से लौटा था युवक बताया जा रहा है कि रजनीश प्रदेश में रहकर काम करता था और करीब 15 दिन पहले दशहरा के मौके पर गांव लौटा था। ग्रामीणों के अनुसार, गांव लौटने के बाद से ही वह कुछ संदिग्ध युवकों के साथ घूम रहा था। पुलिस के अनुसार, जिस युवक के साथ रजनीश को देखा गया था, वह पूर्व में चोरी के मामले में पकड़ा जा चुका है। सदर डीएसपी-2 संजय कुमार ने बताया कि अभी तक घायल युवक का बयान नहीं लिया जा सका है। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। गोली किस हथियार से चली और घटना के पीछे वास्तविक वजह क्या थी, इसकी भी जांच की जा रही है। डीएसपी ने बताया कि घायल युवक का भी पूर्व का चाल-चलन अच्छा नहीं बताया जा रहा है। युवक का बयान मिलने और जांच पूरी होने के बाद घटना का स्पष्ट खुलासा किया जाएगा।

सगाई के 6 दिन बाद शिक्षक को बोलेरो ने रौंदा

सीवान में कमरे पर लौटने के दौरान हादसा, होने वाली पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल

सीवान,एजेंसी। सीवान में अनियंत्रित बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार शिक्षक की मौके पर मौत हो गई। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अमलोरी-सरसर हाईवे रोड पर हुई। मृतक की पहचान गुठनी थाना क्षेत्र के भटई गांव निवासी राम छबीला राम के बेटे नीरज कुमार दिवाकर(35) के रूप में हुई है। वह बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के अंतर्गत मुफस्सिल थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय जफरा में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। 22 अक्टूबर को ही उनकी सगाई हुई थी और परिवार में शादी की तैयारियों को लेकर खुशियों का माहौल था। नीरज कुमार दिवाकर विद्यालय में बच्चों को पढ़ाने के बाद बाइक से सीवान स्थित अपने कमरे पर लौट रहे थे। इसी दौरान अमलोरी-सरसर हाईवे रोड पर सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी भीषण थी कि वह सड़क से दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल होने के कारण मौके पर ही

उनकी मौत हो गई।

अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलटी बोलेरो: हादसे के बाद बोलेरो भी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। दुर्घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया।हाईवे पर हुई इस घटना के बाद आसपास के लोगों और राहगीरों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर मुफस्सिल थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जिस घर में कुछ दिन पहले सगाई की खुशियां मनाई जा रही थीं,वहां अब चीख-पुकार मची है। नीरज की मौत की खबर सुनकर उनकी होने वाली पत्नी का भी रो-रोकर बुरा हाल है। शादी से पहले ही जीवनसाथी को खोने के सदमे से परिवार और रिश्तेदार गहरे शोक में हैं। मुफस्सिल थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त बोलेरो को जब्त कर लिया गया है। फरार चालक की पहचान करने के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

आसाराम ने पैरोल खत्म होने के बाद नहीं किया सरेंडर, उज्जैन के अस्पताल में करा रहा है उपचार

जयपुर, एजेंसी। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम ने सर्वोच्च

न्यायालय के निर्देश के बावजूद मंगलवार शाम तक जोधपुर जेल में सरेंडर नहीं किया है। पैरोल खत्म होने की निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद जेल प्रशासन ने उसके खिलाफ एफआइआर दर्ज करवाने की तैयारी कर ली है। बता दें कि आसाराम को उपचार के लिए छह अक्टूबर को 20 दिन का पैरोल मिला था। पैरोल की अवधि मंगलवार को समाप्त हो गई, उसे शाम पांच बजे तक सरेंडर करना था। जेल अधीक्षक प्रमोद सिंह ने बताया कि तय समय पर सरेंडर नहीं करने पर आसाराम के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। वह उज्जैन के धनवंतरी आयुर्वेद अस्पताल में उपचार करा रहा है। बता दें कि आसाराम ने सर्वोच्च न्यायालय में अपील कर पैरोल अवधि बढ़ाने का आग्रह किया था। हालांकि, कोर्ट ने इससे इन्कार कर दिया था।

सूखाग्रस्त नांदेड़ में 200 विद्यार्थियों को नीट, जेईई की मुफ्त कोचिंग

नांदेड़, एजेंसी। महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त नांदेड़ जिले में आर्थिक रूप से कमजोर ग्रामीण परिवारों के 200 मेधावी विद्यार्थियों को नीट, जेईई और सीईटी प्रवेश परीक्षाओं की मुफ्त कोचिंग दी जाएगी। जिला प्रशासन ने उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे विद्यार्थियों की मदद के उद्देश्य से यह पहल की है। जिला प्रशासन के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों के जिला परिषद हाई स्कूलों और निजी सहायता प्राप्त विद्यालयों में दसवीं कक्षा में पढ़ने वाले विद्यार्थी इस योजना के लिए पात्र होंगे। विद्यार्थियों का चयन दिसंबर में आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के आधार पर किया जाएगा। चयनित विद्यार्थियों को चिकित्सा, इंजीनियरिंग और अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश की तैयारी के लिए व्यवस्थित प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक तंगी के कारण प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हासिल करने के अवसरों से वंचित न होना पड़े। महाराष्ट्र के कई क्षेत्रों में सूखे के कारण ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हुई है।

इंदौर में कारोबारी से 80 लाख वसूलने के बाद एक करोड़ की मांग, सरोगेट मदर गिरफ्तार

इंदौर, एजेंसी। शहर के एक प्रापर्टी कारोबारी को एक करोड़ रुपये के लिए ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपित महिला को गिरफ्तार किया है। शिकायत के अनुसार, वह कारोबारी से पहले 80 लाख रुपये वसूल चुकी है। एडिशनल डीसीपी दीशेष अग्रवाल के अनुसार, कारोबारी की पत्नी कृतिका तलरेजा ने राजमहल कालोनी निवासी महिला के खिलाफ शिकायत की। कृतिका और उनके पति संतोष तलरेजा की एक बेटी है, जो स्पेशल चाइल्ड है। कृतिका दोबारा मां नहीं बन सकती थीं, इसलिए दंपती ने आरोपित महिला से सरोगेट मदर बनने के लिए बात की थी। सरोगेसी से पहली बेटी हुई, लेकिन महिला ने उसे देने से मना कर दिया। दूसरा बेटा होने पर उसे भी अपने पास रख लिया। महिला ने बच्चों के लिए फ्लैट और एफडी भी करवाई। वह विवाहित है और पति के साथ रहती है। उसने पति से जन्मी बेटी को भी संतोष का नाम दे दिया। आरोप है कि महिला ने संतोष का कारोबार देखकर उन्हें ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। अक्टूबर 2019 में उसने दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई और बाद में समझौता कर लिया। इसके बदले उसने अपनी बेटी को संतोष का नाम देने की शर्त रखी। शिकायत में कहा गया है कि महिला अब तक संतोष से 80 लाख रुपये वसूल चुकी है और एक करोड़ रुपये मांगकर दंपती को धमका रही है। वह घर आकर बदनाम करने और कालोनी में बेइज्जत करने की धमकी देती है। उसके पास संतोष के आपत्तिजनक फोटो भी हैं।

त्योहारी सीजन में रैली से व्यापार चौपट हो जाएगा, व्यापारियों ने राहुल गांधी से की विरोध प्रदर्शन टालने की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। 1 नवंबर को प्रस्तावित विपक्षी गठबंधन की रैली और विरोध प्रदर्शन को लेकर दिल्ली के व्यापारिक संगठनों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। व्यापारियों ने बुधवार को कहा कि दिवाली और भाई दूज जैसे महत्वपूर्ण त्योहारी सीजन के बीच होने वाली किसी भी बड़ी राजनीतिक रैली का सीधा असर बाजारों, ग्राहकों की आवाजाही और कारोबार पर पड़ेगा। इसी कड़ी में व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविकांत गर्ग ने राहुल गांधी से प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन वापस लेने या कम से कम उसे दिवाली के बाद तक स्थगित करने की अपील की है। आईएएनएस से बातचीत में रविकांत गर्ग ने कहा कि जिस मुद्दे को लेकर रैली की जा रही है, वह पहले से ही सुप्रीम कोर्ट के विचाराधीन है। उन्होंने कहा कि इस मामले में कई याचिकाएं दायर की गई हैं और हाल ही में अदालत में इस पर विस्तृत

सुनवाई भी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि अगली सुनवाई 17 नवंबर को निर्धारित है। गर्ग ने कहा कि यदि मामला न्यायालय में लंबित है तो इस तरह की रैली का कोई औचित्य नहीं बनता। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह के कार्यक्रम लोगों को भ्रमित करने और दबाव की राजनीति का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष वास्तव में रचनात्मक राजनीति करना चाहता है तो उसे इस विरोध प्रदर्शन पर पुनर्विचार करना चाहिए। गर्ग ने कहा, 'अगर राहुल गांधी एक समझदार व्यक्ति हैं और सही मायने में समझदारी वाली राजनीति करना चाहते हैं या कुछ अच्छा करना चाहते हैं, तो उनके लिए यही बेहतर होगा कि वे इस विरोध प्रदर्शन को वापस ले लें।' वहीं, चांदनी चौक व्यापार समिति के अध्यक्ष संजय भार्गव ने आईएएनएस से कहा कि व्यापारियों ने पहले ही कई चुनौतियों का सामना किया है और अब त्योहारी सीजन में एक और बड़े आयोजन की आशंका उन्हें परेशान कर रही है। उन्होंने कहा, 'समस्या सिर्फ रैली के एक दिन आयोजित होने की नहीं है, बल्कि उससे पहले और बाद में लगने वाली सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक प्रतिबंध और बैरिकेडिंग भी बाजारों को प्रभावित करती है।' भार्गव ने कहा कि यदि आयोजन करना ही है तो इसे दिवाली के बाद रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 'रामलीला मैदान नई दिल्ली और पुरानी दिल्ली के बीच स्थित है और यहां बड़ी भीड़ जुटने की स्थिति में दोनों इलाकों में भारी ट्रैफिक जाम लग सकता है। इसका असर चांदनी चौक, सदर बाजार और आसपास के थोक व खुदरा बाजारों पर पड़ना तय है।' इसके साथ ही, कई व्यापारियों ने भी इस प्रस्तावित रैली का विरोध किया है। कारोबारी पूरनचंद जोशी ने कहा कि बाजारों के आसपास होने वाले किसी भी प्रदर्शन का नुकसान सबसे पहले व्यापारियों को उठाना पड़ता है। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजनों के कारण ग्राहकों की संख्या घट जाती है, आवाजाही प्रभावित होती है और कारोबार में करोड़ों रुपए का नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि बाजारों और भीड़-भाड़ वाले व्यावसायिक क्षेत्रों में इस प्रकार के बड़े प्रदर्शनों को अनुमति देने से आम लोगों को भी परेशानी होती है। लोगों के लिए बाजार तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है और इसका सीधा असर बिक्री पर पड़ता है। एक अन्य कारोबारी अजय कुमार मित्तल ने आईएएनएस से कहा कि त्योहारी सीजन व्यापारियों के लिए पूरे साल का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। उन्होंने बताया कि दुकानदार महीनों पहले से स्टॉक तैयार करते हैं, सप्लाई चेन व्यवस्थित करते हैं और ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए विज्ञापन सहित कई स्तरों पर निवेश करते हैं। मित्तल ने कहा, 'यदि ऐसे समय में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन और रैलियां होती हैं तो केवल नुकसान नहीं होता, बल्कि पूरा कारोबार प्रभावित हो जाता है। पिछले कई महीनों से व्यापार अपेक्षित स्तर पर नहीं रहा और अब त्योहारों के दौरान बाजार को जो उम्मीदें थीं, वे भी ऐसे आयोजनों के कारण प्रभावित हो सकती हैं।' उन्होंने कहा कि व्यापारी चाहते हैं कि राजनीतिक दल अपनी गतिविधियां जारी रखें, लेकिन त्योहारी सीजन समाप्त होने के बाद।

चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन के कारण एमएलसी चुनाव में कांग्रेस को लगा झटका : रामदास आठवले

मुंबई ,एजेंसी। केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले ने बुधवार को 'प्राइड इन पावर' कार्यक्रम और 'नेशनल ट्रांसजेंडर पर्सन्स अवार्ड्स' का उद्घाटन किया। इस मौके पर केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए एमएलसी चुनाव के नतीजों, कांग्रेस के प्रदर्शन और बैलेट पेपर से वोटिंग की मांग तथा महाराष्ट्र कैबिनेट द्वारा सूखा प्रभावित किसानों के लिए उठाए गए राहत कदमों पर टिप्पणी की। अठावले ने कहा, 'मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में कई राज्यों के ट्रांसजेंडरों ने शिरकत की। मेरा मंत्रालय ट्रांसजेंडरों को न्याय दिलाने के लिए कई योजनाएं चला रहा है। मैंने ट्रांसजेंडरों को सलाह दी है कि वे किसी के सामने हाथ न फैलाएं। सहकारी समिति बनाएं और कंपनी शुरू करें। इसके लिए सरकार मदद करेगी। हमारा मंत्रालय ट्रांसजेंडरों को हुनर सिखाने के लिए योजनाएं चलाएगा।' एमएलसी चुनावों के परिणाम को लेकर रामदास आठवले ने कहा, 'चार राज्यों की 28 सीटों में से अधिकतर एनडीए के उम्मीदवार जीत रहे हैं। कांग्रेस को इस

चुनाव में भी करारा झटका लगा है। कांग्रेस को अपनी हार के लिए बहाने नहीं बनाने चाहिए। पार्टी बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग कर रही थी और अब जब चुनाव बैलेट पेपर से ही हुए हैं, तो एनडीए को बड़ी जीत मिली है। कांग्रेस अब यह दावा कर सकती है कि इसमें कुछ गड़बड़ियां थीं या कोई अन्य कारण जिम्मेदार थे, लेकिन इस तरह के बयान देना उचित नहीं है। चुनाव आयोग के खिलाफ आंदोलन करने के कारण राहुल गांधी समेत विपक्षी नेताओं के प्रति जनता में आक्रोश है। यह आक्रोश इस चुनाव में दिखाई दे रहा है। सूखे से प्रभावित किसानों के लिए महाराष्ट्र कैबिनेट द्वारा उठाए गए राहत कदमों पर केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले ने कहा, 'बैंक उन किसानों से कर्ज वसूलने के हकदार हैं, जिन्होंने पैसे उधार लिए हैं। लेकिन, सूखे की स्थिति और किसानों की परेशानियों को देखते हुए बैंकों को उन्हें परेशान नहीं करना चाहिए। जो बैंक अधिकारी किसानों को परेशान करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। राज्य कैबिनेट ने भी यही फैसला लिया है। इससे पहले मंगलवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि राज्य सरकार ने संकटग्रस्त उपसा सिंचाई योजनाओं के ऋणों को माफ करने का निर्णय लिया है। इसके तहत सूखे से प्रभावित किसानों को 5,000 रुपए का अग्रिम भुगतान दिया जाएगा। नमो शेतकरी महासन्मान निधि योजना की किश्तें किसानों को दी जाएंगी। सरकार नियमित रूप से फसल ऋण चुकाने वाले किसानों को 50,000 रुपए का प्रोत्साहन अनुदान दे रही है। ऋण माफी के लिए गठित मंत्रिपरिषद इस अनुदान में वृद्धि पर चर्चा करेगी और आर्थिक स्थिति के अनुसार उचित निर्णय लिया जाएगा।

कोलकाता-हावड़ा नगर निगम चुनाव से पहले बंगाल जाएंगे भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन

कोलकाता ,एजेंसी। कोलकाता और हावड़ा नगर निगम चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद नितिन नवीन अगले सप्ताह पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे। इस दौरान वह राज्य के पार्टी नेतृत्व के साथ कई बैठकें कर चुनावी रणनीति और उम्मीदवारों के चयन पर चर्चा करेंगे। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने यह जानकारी दी। शुरुआती कार्यक्रम के अनुसार, कोलकाता नगर निगम (केएमसी) और हावड़ा नगर निगम (एचएमसी) समेत सात नगर निकायों के चुनाव नवंबर के अंतिम सप्ताह में होने की उम्मीद थी। वहीं, चुनाव परिणाम दिसंबर के पहले सप्ताह में घोषित किए जाने की संभावना जताई गई थी। संभावित उम्मीदवारों और चुनावी रणनीति को लेकर अटकलों के बीच भाजपा ने नगर निकाय चुनावों की तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, नितिन नवीन 2 नवंबर को कोलकाता पहुंचेंगे। अपने दौरे के दौरान वह राज्य के वरिष्ठ नेताओं के साथ व्यापक चर्चा करेंगे। इन बैठकों में चुनावी रणनीति, संगठन की तैयारियों और उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया पर विचार-विमर्श होने की संभावना है। भाजपा ने पहले संकेत दिया था कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष काली पूजा से पहले पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे, हालांकि उस समय तारीख तय नहीं हुई थी। अब राज्य इकाई ने उनके 2 नवंबर के दौरे की पुष्टि की है। नितिन

नवीन ने इससे पहले सितंबर के अंतिम सप्ताह में पश्चिम बंगाल का दौरा किया था। उस दौरान उन्होंने दो दिवसीय दौरे पर राज्य के भाजपा नेताओं के साथ कई बैठकें की थीं। पार्टी सूत्रों ने बताया कि आगामी दौरे में कोलकाता और हावड़ा नगर निगम चुनावों की रणनीति, उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने और बूथ स्तर पर तैयारियों पर विशेष रूप से चर्चा हो सकती है सूत्रों के अनुसार, भाजपा इस बार नगर निकाय चुनावों में भी उसी तरह की गंभीरता और संगठनात्मक तैयारी के साथ उतरने की योजना बना रही है, जैसी उसने इस साल की शुरुआत में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान अपनाई थी। इस बीच, भाजपा ने नेशनल सिटिजन पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) के साथ किसी भी तरह के गठबंधन या सीटों के बंटवारे की संभावना से इनकार किया है। नितिन नवीन दो दिवसीय गोवा दौरे पर थे।

उनका देश छोड़ना शर्मनाक: फ्लेवियो बोल्सोनारो के ब्राजील छोड़ने की खबरों पर लूला का तंज

ब्रासीलिया,एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने चुनाव में हार के बाद फ्लेवियो बोल्सोनारो के देश छोड़ने की खबरों पर नाराजगी जताई है। उन्होंने इस कदम को शर्मनाक बताया। लूला ने मंगलवार

को ब्रासीलिया स्थित राष्ट्रपति आवास अल्वोराडा पैलेस के बाहर अपने समर्थकों के बीच यह बात कही। समर्थक उनका 81वां जन्मदिन मनाने के लिए जुटे थे।

लूला ने क्या कहा: समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, लूला ने कहा कि उन्हें इस बात का अफसोस है कि फ्लेवियो बोल्सोनारो ने ब्राजील छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद उनका देश से चले जाना शर्मनाक है। लूला की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब फ्लेवियो के अमेरिका जाने की खबरें सामने आ रही हैं। अमेरिका जाने की खबर लिबरल पार्टी के संघीय सांसद मौरिसियो मार्कोन ने मंगलवार को बताया कि फ्लेवियो बोल्सोनारो ब्राजील से निकल चुके हैं और अमेरिका जा रहे हैं। हालांकि, उनके देश छोड़ने की अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस मामले में कई सवाल भी उठ रहे हैं।

अदालत ने लगाई थी रोक: ब्राजील के सुप्रीम फेडरल कोर्ट ने सोमवार को फ्लेवियो बोल्सोनारो के देश छोड़ने पर रोक लगा दी थी। अदालत ने उन्हें अपना पासपोर्ट जमा करने का आदेश भी दिया है। ब्राजील की सरकारी समाचार एजेंसी एजेंसिया ब्रासिल के मुताबिक, यह फैसला एक गोपनीय जांच से जुड़ा है, जिसमें फ्लेवियो और वकील विलर टोमाज़ की भूमिका की पड़ताल की जा रही है।

मनी लॉन्ड्रिंग की जांच: ब्राजील के मीडिया के अनुसार, जांच मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध विदेशी मुद्रा लेनदेन के संदेह को लेकर चल रही है। जज एलेक्जेंडर डी मोरेस ने फ्लेवियो को विलर टोमाज़ से संपर्क करने से भी मना किया है। इस बीच, संघीय पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि फ्लेवियो ने वास्तव में देश छोड़ा है या नहीं।

केरलम मर्सिडीज हादसा: भारी दबाव के बाद एक्शन में सरकार, जज के खिलाफ FIR दर्ज

कोच्चि, एजेंसी। केरलम में एक जज के नाबालिग बेटे द्वारा चलाई गई मर्सिडीज-बेंज कार की दुर्घटना में 55 वर्षीय जयबालाकृष्णन की मौत के मामले में पुलिस जांच में खामियों को स्वीकार करते हुए सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं। कार के मालिक जज के खिलाफ भी एफआईआर में धारा जोड़ी गई है और चार पुलिसकर्मी निलंबित किए गए हैं। गृह मंत्री रमेश चेन्नीथला के निर्देश पर मंगलवार को एफआईआर में मोटर वाहन अधिनियम की धारा 199ए जोड़ी गई, जिसके तहत नाबालिग के अभिभावक या वाहन मालिक को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। चार निलंबित पुलिसकर्मी हैं, सर्कल इंस्पेक्टर श्याम कुमार केएस, सब-इंस्पेक्टर विश्वजीत, ग्रेड सब-इंस्पेक्टर मनोज केटी और सिविल पुलिस अधिकारी अरुण जोशी। परिवार ने आरोप लगाया था कि पुलिस ने जज और उनके 17 वर्षीय बेटे का पक्ष लिया। नाबालिग ने मर्सिडीज से स्कूटर सवार जयबालाकृष्णन को टक्कर मार दी थी, जिससे उनकी मौत हो गई। परिवार का कहना है कि शुरुआती एफआईआर में उचित धाराएं नहीं जोड़ी गई और आरोपी को रात में ही जमानत दिलाने की जल्दबाजी की गई। गृह मंत्री चेन्नीथला ने विधानसभा में कहा कि जांच में खामियां हुईं और जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने दोहराया कि जज को भी कोई विशेष रियायत नहीं दी जाएगी। पुलिस को नाबालिग की जमानत रद्द करने के लिए सत्र न्यायालय जाने का निर्देश दिया गया है। एडीजीपी (लॉ एंड ऑर्डर) पी. विजयन कोच्चि पहुंचे और परिवार की शिकायतों की जांच की। परिवार ने पुलिस स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज की जांच की मांग की है।

आसियान रक्षा बैठक इतर मिले राजनाथ सिंह और पीट हेगसेथ, अमेरिकी रक्षा मंत्री से हुई क्या चर्चा

सेबू, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को फिलीपींस के सेबू में आसियान रक्षा मंत्रियों की 13वीं बैठक प्लस (एडीएमएम-प्लस) से इतर अमेरिका के युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई। अमेरिकी युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मुलाकात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने प्रमुख रक्षा साझेदारी के ढांचे के एक साल पूरे होने का जश्न मनाया और सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की।

मुलाकात में क्या हुई चर्चा: राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस मुलाकात की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, '13वीं एडीएमएम-प्लस बैठक के इतर अमेरिकी युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ के साथ शानदार मुलाकात हुई। हमने अपने 10 वर्षीय भारत-अमेरिका रक्षा ढांचे की प्रगति की समीक्षा की। यह ढांचा सैन्य प्रौद्योगिकी,

सूचना साझा करने और संयुक्त उत्पादन के क्षेत्रों में रणनीतिक तालमेल को आगे बढ़ा रहा है। हमारी मजबूत साझेदारी स्वतंत्र, खुले और सुरक्षित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण आधार बनी हुई है।'

भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी के एक साल पूरे: राजनाथ सिंह और हेगसेथ की मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब भारत और अमेरिका के बीच प्रमुख रक्षा साझेदारी के ढांचे को एक साल पूरा हो गया है। वर्ष 2025 में दोनों देशों ने इस ढांचे पर हस्ताक्षर किए थे। इसका उद्देश्य अगले 10 वर्षों में रक्षा साझेदारी को और व्यापक बनाना है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह ढांचा दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को गहरा करने के लिए साझा दृष्टिकोण और नीतिगत दिशा प्रदान करता है। हेगसेथ ने अन्य देशों के रक्षा नेताओं से भी की मुलाकात अमेरिकी युद्ध मंत्री ने दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और जापान के रक्षा नेतृत्व के साथ भी बैठकें कीं। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री कांग के साथ मुलाकात के बाद उन्होंने दोनों देशों के गठबंधन और रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने पर जोर दिया। ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री मार्ल्स के साथ बैठक में उन्होंने गठबंधन को मजबूत करने और बेहतर परिणाम हासिल करने की बात कही। वहीं, जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ चर्चा में उन्होंने साझा रणनीतिक लक्ष्यों, रक्षा निवेश, प्रशिक्षण और हथियारों के उत्पादन को बढ़ाने पर जोर दिया।

आसियान बैठक में भारत की भागीदारी: राजनाथ सिंह मंगलवार रात सेबू पहुंचे थे। हवाई अड्डे पर फिलीपींस के राष्ट्रीय रक्षा विभाग के अवर सचिव और सेवानिवृत्त मेजर जनरल फैबियन एम. पेड्रोसा ने उनका औपचारिक स्वागत किया। इस दौरान फिलीपींस में भारत के राजदूत हर्ष कुमार जैन और रक्षा अताशे कैप्टन चंद्रकांत कोठारी भी मौजूद थे। सेबू पहुंचने के बाद राजनाथ सिंह ने भारतीय समुदाय और फिलीपींस के नागरिकों से भी मुलाकात की। गुरुवार को रक्षा मंत्री एडीएमएम-प्लस बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे और क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी साझा चुनौतियों पर अपना पक्ष रखेंगे।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता पर जोर: सेबू रवाना होने से पहले राजनाथ सिंह ने कहा था कि भारत आसियान की केंद्रीय भूमिका और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता तथा सामूहिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले के बाद क्या हुआ संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी बोली- मरम्मत के सबूत नहीं मिले

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहस तेज हो गई है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रोसी ने मंगलवार को कहा कि अब तक ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि ईरान ने अमेरिकी और इस्राइली हमलों में क्षतिग्रस्त हुए अपने परमाणु ठिकानों की मरम्मत या उन्हें दोबारा बनाने की कोशिश की हो। हालांकि, एजेंसी अब भी ईरान के परमाणु भंडार की पूरी जानकारी हासिल नहीं कर पाई है।

'परमाणु ठिकानों की मरम्मत के सबूत नहीं': संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में ग्रोसी ने कहा कि जून 2025 के बाद से ऐसी कोई गतिविधि नजर नहीं आई, जिससे पता चले कि 2025 और 2026 के सैन्य हमलों में क्षतिग्रस्त परमाणु ठिकानों को दोबारा तैयार किया जा रहा है। उन्होंने ईरान से अपील की कि वह अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के

निरीक्षकों को सभी परमाणु ठिकानों पर जाने की अनुमति दे। इसमें वे स्थान भी शामिल हैं, जिन्हें सैन्य हमलों में नुकसान पहुंचा था।

ट्रम्प ने परमाणु कार्यक्रम खत्म करने का किया था दावा: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का कहना है कि ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू करने की एक बड़ी वजह उसे परमाणु हथियार बनाने से रोकना है। उन्होंने यह भी दावा किया था कि जून 2025 में ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों ने उसके परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह खत्म कर दिया। हालांकि, इन ठिकानों की मौजूदा स्थिति और ईरान के परमाणु भंडार की जानकारी हासिल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय निरीक्षण अब भी अहम माना जा रहा है।

यूरेनियम के भंडार ने बढ़ाई चिंता: अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के मुताबिक, ईरान के पास 60 फीसदी तक संवर्धित यूरेनियम का 440.9 किलोग्राम भंडार था। यूरेनियम को करीब 90 फीसदी तक संवर्धित करने पर उसे परमाणु हथियार बनाने के स्तर का माना जाता है। हालांकि, 60 फीसदी संवर्धन का मतलब यह नहीं है कि ईरान ने परमाणु हथियार बना लिया है। एजेंसी की चिंता यह है कि निरीक्षण की कमी के कारण वह यह पता नहीं लगा पा रही कि ईरान के पास अब कितना यूरेनियम बचा है और उसका इस्तेमाल किस तरह हो रहा है।

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका और ईरान आमने-सामने: सुरक्षा परिषद की बैठक कई देशों की मांग पर बुलाई गई थी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने परमाणु अप्रसार से जुड़ी जिम्मेदारियों का पालन न करने के मामले में ईरान को सुरक्षा परिषद के पास भेजा था। रूस और चीन ने बैठक रोकने की कोशिश की, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। परमाणु अप्रसार संधि के तहत ईरान को अपनी परमाणु गतिविधियों की जानकारी देनी होती है और निरीक्षकों को जांच की अनुमति देनी पड़ती है।

ईरान ने अमेरिका पर लगाए गंभीर आरोप: संयुक्त राष्ट्र में ईरान के उप-राजदूत गुलामहोसैन दर्जी ने अमेरिका और इस्राइल के हमलों की निंदा की। उन्होंने इसे ईरान के खिलाफ आक्रामक युद्ध बताते हुए अमेरिका पर युद्ध अपराध करने का आरोप लगाया। उन्होंने इस्राइल के परमाणु हथियारों का मुद्दा भी उठाया। हालांकि, इस्राइल ने कभी आधिकारिक तौर पर यह स्वीकार नहीं किया है कि उसके पास परमाणु हथियार हैं।

अमेरिका ने ईरान से मांगा जवाब: अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने ईरान को क्रूर तानाशाही बताते हुए सवाल किया कि वह अपनी परमाणु गतिविधियों को लेकर एजेंसी के सवालों का जवाब क्यों नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि ईरान को आरोप लगाने के बजाय अपनी जिम्मेदारियों पर जवाब देना चाहिए। इस पूरे विवाद के बीच अमेरिकी हमलों, परमाणु निरीक्षण और यूरेनियम के भंडार को लेकर तनाव बना हुआ है।

वहीं, युद्ध के आर्थिक असर और ईंधन की बढ़ती कीमतें भी ट्रम्प प्रशासन के लिए चुनौती बन रही हैं

केंद्र का ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं के रख रखाव में पंचायतों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने बुधवार को ह्यसुजल ग्राम संवाद्र का 12वां संस्करण आयोजित किया। इसमें ग्रामीण पेयजल योजनाओं के संचालन और रखरखाव में ग्राम पंचायतों की भूमिका, जलस्रोतों के संरक्षण और उपयोगकर्ता शुल्क के माध्यम से व्यवस्था को टिकाऊ बनाने पर जोर दिया गया। संवाद में पांच ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा किए। जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव अशोक केके मीणा की अध्यक्षता में आयोजित संवाद में राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के अतिरिक्त सचिव एवं मिशन निदेशक कमल किशोर सोअन और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। मीणा ने कहा कि पंचायतों को जल सेवा आकलन और स्वच्छ सेवा आकलन के जरिए सेवाओं की नियमित समीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने 16वें वित्त आयोग के अनुदान का प्रभावी उपयोग करने और जलापूर्ति योजनाओं के रखरखाव के लिए उपयोगकर्ता शुल्क वसूलने की व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले की घालियां ग्राम पंचायत ने बताया कि जल जीवन मिशन से पहले ग्रामीण बोरवेल और टैंकरों पर निर्भर थे, लेकिन अब पंचायत के सभी छह गांवों में नियमित जलापूर्ति हो रही है। महिलाओं को पानी की गुणवत्ता जांचने का प्रशिक्षण भी दिया गया है। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले की इतोरे पंचायत में प्रत्येक परिवार से 62 रुपये मासिक उपयोगकर्ता शुल्क लिया जा रहा है। जिले के उपायुक्त मनीष कुमार ने बताया कि स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों को नल से जल की सुविधा से जोड़ा गया है। दादरा एवं नगर हवेली की अथाल पंचायत ने पाइप से जलापूर्ति के बाद स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता में सुधार की जानकारी दी। मिजोरम के खावजावल जिले की सियालहॉक पंचायत में प्रत्येक परिवार 150 रुपये मासिक शुल्क देता है, जिसका उपयोग जलापूर्ति व्यवस्था के रखरखाव में किया जाता है। नगालैंड के जुन्हेबोटो जिले की नाथा न्यू विलेज पंचायत ने बताया कि सभी घरों में नल कनेक्शन उपलब्ध हैं। समुदाय ने जल स्रोतों के संरक्षण के लिए जलग्रहण क्षेत्र में पौधरोपण भी किया है। समापन संबोधन में सोअन ने कहा कि पेयजल योजनाओं को लंबे समय तक प्रभावी बनाए रखने के लिए जल स्रोतों का संरक्षण और स्थानीय समुदायों की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने ग्राम पंचायतों और जिला प्रशासन से वीबी-जी राम जी, वित्त आयोग के अनुदान और राज्य सरकार की योजनाओं के संसाधनों का समन्वित उपयोग करते हुए ग्राम पंचायत विकास योजनाओं के तहत जल संरक्षण, पारंपरिक जल निकायों के पुनर्जीवन और जलापूर्ति व्यवस्था के रखरखाव की कार्ययोजना बनाने का आग्रह किया।

एक नजर

मेघालय में 3.1 एवं असम में 2.7 तीव्रता का भूकंप

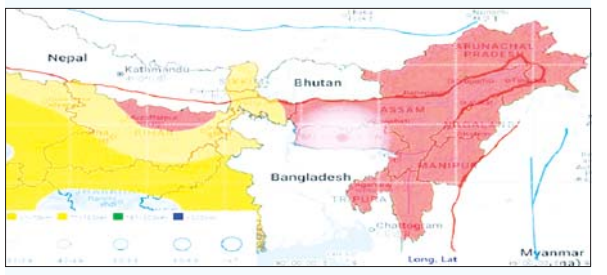

गुवाहाटी। मेघालय और असम में बुधवार सुबह एक के बाद एक दो मध्यम तीव्रता के दो भूकंप के झटके महसूस किये गये।मेघालय में सुबह 07 बजकर 56 मिनट 06 सेकेंड पर भूकंप का झटका महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.1 मापी गई। भूकंप के चलते कहीं से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र मेघालय के वेस्ट खासी हिल्स जिले में जमीन में 10 किलोमीटर नीचे स्थित था। भूकंप का एपीक सेंटर 25.544 उत्तरी अक्षांश तथा 91.056 पूर्वी देशांत्तर पर स्थित था। वहीं, असम में आज तड़के 04 बजकर 35 मिनट 44 सेकेंड पर भी 2.7 तीव्रता का महसूस किया गया। यहां भूकंप का केंद्र असम के ग्वालपाड़ा जिले में जमीन के अंदर 5 किलोमीटर नीचे बताया गया है। भूकंप का एपीक सेंटर 26.068 उत्तरी अक्षांश तथा 90.417 पूर्वी देशांत्तर पर स्थित था। भूकंप की तीव्रता काफी कम थी, जिसके चलते अधिकांश लोगों को इसका अहसास नहीं हुआ है। उल्लेखनीय है कि, समूचा पूर्वोत्तर क्षेत्र भूकंप के लिहाज से काफी संवेदनशील इलाका है। यहां पर आए दिन भूकंप के झटके महसूस किये जाते हैं।

कोलकाता बंदरगाह पर 13.50 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की ई-सिगरेट जब्त

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर दो अलग-अलग कार्रवाईयों में 13.50 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की ई-सिगरेट जब्त की हैं। ये ई-सिगरेट नेपाल भेजे जाने वाले दो कंटेनरों में छिपाई गई थीं। अधिकारियों ने 24 अक्टूबर को खुफिया सूचना के आधार पर दोनों कंटेनरों को रोका था। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि एक कंटेनर में सामान को वाटर ग्लास और दूसरे में ह्यसिरेमिक मगह्न के रूप में घोषित किया गया था। जांच के दौरान पहले कंटेनर से आईजीईटी ब्रांड की अलग-अलग फ्लेवर वाली 40 हजार ई-सिगरेट बरामद हुईं। दूसरे कंटेनर से वीटीवी, वॉको, बैंग और ईजॉय सहित विभिन्न ब्रांडों की करीब 15 हजार ई-सिगरेट मिलीं। डीआरआई ने सीमा शुल्क अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत ई-सिगरेट के साथ उन्हें छिपाने के लिए इस्तेमाल किए गए सामान को भी जब्त कर लिया। भारत में इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट और सभी इलेक्ट्रॉनिक निकोटीन डिलीवरी सिस्टम (ईएनडीएस) पर प्रतिबंध है। यह प्रतिबंध सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा और लोगों को इनके नुकसान से बचाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम, 2019 के तहत लगाया गया है। वित्त वर्ष 2026-27 में डीआरआई अब तक महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली और पश्चिम बंगाल के विभिन्न बंदरगाहों, हवाई अड्डों और अंतर्देशीय कंटेनर डिपो में करीब तीन लाख ई-सिगरेट जब्त कर चुका है। इनकी कीमत 120 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है।

कूनो में गोली के छर्रों से चीते की मौत की जांच के लिए केंद्र ने भेजी उच्चस्तरीय टीम

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में 19 महीने के नर चीते की गोली के छर्रों से घायल होने के बाद मौत के मामले में केंद्र सरकार ने उच्चस्तरीय टीम भेजी है। टीम घटनास्थल और मौत की परिस्थितियों का पता लगाने के साथ उपलब्ध साक्ष्यों की पड़ताल करेगी। केंद्र ने मध्य प्रदेश वन विभाग के साथ समन्वय कर मामले में त्वरित और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार, केंद्रीय टीम में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के वन महानिरीक्षक, वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी) के अतिरिक्त निदेशक और क्षेत्रीय उपनिदेशक शामिल हैं। टीम राज्य सरकार की जांच में सहयोग करेगी। इसके साथ ही चीते की सुरक्षा के लिए लागू प्रोटोकॉल, निगरानी और संरक्षण उपायों की भी समीक्षा करेगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटना को रोका जा सके। मंत्रालय के अनुसार, चीता निरवा की संतान 19 महीने का नर चीता 25 अक्टूबर को कूनो राष्ट्रीय उद्यान के संरक्षित क्षेत्र से बाहर मुरैना के क्षेत्रीय वन क्षेत्र में घायल मिला था। उसी दिन उसे श्योपुर क्षेत्रीय वन प्रभाग से जबलपुर के पशु चिकित्सा केंद्र ले जाया गया। वहां उसे गहन चिकित्सा और आपातकालीन सर्जरी की गई। सर्जरी के दौरान उसके शरीर से गोली के पांच छर्रे निकाले गए। बावजूद इसके 27 अक्टूबर को चीते की मौत हो गई। चिकित्सा जांच में गोली के छर्रों से कई आंतरिक चोटों की पुष्टि की गई है। मध्य प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए वन और पुलिस अधिकारियों को शामिल करते हुए विशेष कार्यबल (एसटीएफ) का गठन पहले ही कर दिया है। वहीं, केंद्रीय टीम राज्य की जांच एजेंसियों के साथ मिलकर काम करेगी। वह अपनी जांच के निष्कर्ष और सिफारिशें मंत्रालय को सौंपेगी, जिसके आधार पर आगे के निर्देश दिए जाएंगे।

भगवंत मान सरकार ने दलजीत सिंह की मृत्यु के बाद भी संवेदनशीलता नहीं दिखाई : भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधते हुए दलजीत सिंह की मौत और उनके पार्थिव शरीर के साथ कथित दुर्व्यवहार को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। भाजपा ने आरोप लगाया कि मान सरकार ने दलजीत सिंह को जीवित रहते उचित सम्मान नहीं दिया और उनकी मृत्यु के बाद भी संवेदनशीलता नहीं दिखाई। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने बुधवार को यहां पत्रकार वार्ता में कहा कि दलजीत सिंह के परिवार के अनुसार उनकी मौत नशे की लत के कारण हुई। भाजपा प्रवक्ता ने पंजाब पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भगवंत मान के निदेर्शों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस दलजीत सिंह के पार्थिव शरीर को उनके परिवार से जबरन ले जाती दिखाई दी और उसे सड़क पर घसीटा गया। भाटिया ने इस घटना को लेकर राज्य सरकार की भूमिका पर सवाल खड़े किए। भाटिया ने अपने बयान में पंजाब के सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान से जुड़ी पगड़ी के सम्मान का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस पूरे घटनाक्रम में पगड़ी का भी अपमान किया गया। उन्होंने मुख्यमंत्री मान की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए उन्हें गैर-जिम्मेदार बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री मान अपनी जिम्मेदारियों से पीछे हटते हैं। भाजपा प्रवक्ता भाटिया ने कहा कि पंजाब की जनता ऐसे मुख्यमंत्री को दोबारा चुनने के बारे में विचार करेगी और अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के माध्यम से जवाब देगी। उल्लेखनीय है कि यह सारा विवाद उस समय हुआ जब 35 वर्षीय किसान दलजीत सिंह का परिवार उनके शव के साथ प्रदर्शन कर रहा था। इस दौरान पंजाब पुलिस जबरदस्ती उसके शव को अपने साथ ले गई।

मुंबई और गुजरात में 11 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित धन की जांच

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुंबई जोनल कार्यालय-कने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत मुंबई और गुजरात में करीब 11 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई अपराध से अर्जित आय (पीओसी) का पता लगाने और उसके आगे किए गए हस्तांतरण तथा लेयरिंग की जांच के लिए की गई। ईडी के अनुसार, नविन गुरुनाथ चिचकर और अन्य आरोपितों ने एक स्थापित अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के माध्यम से मादक पदार्थों की बिक्री से अपराध से अर्जित आय जुटाई। इसमें कोकीन, हाइड्रोपोनिक गांजा, एलएसडी और गांजे से बने खाद्य पदार्थ शामिल हैं। इन मादक पदार्थों की अधिकांश खेप भारत के बाहर से तस्करी के जरिए लाई जाती थी। ईडी ने बताया कि नविन चिचकर और अन्य के खिलाफ पीएमएलए के तहत जांच नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), मुंबई और नवी मुंबई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल (एएनसी) द्वारा दर्ज मामलों के आधार पर शुरू की गई। इन मामलों में मुंबई और नवी मुंबई में उच्च गुणवत्ता वाले हाइड्रोपोनिक गांजे, कोकीन और बेहिसाब नकदी की बड़ी मात्रा जब्त की गई थी। जांच के दौरान सामने आया कि नविन चिचकर ने अपराध से अर्जित धन का एक हिस्सा क्रिप्टोकरेंसी में निवेश किया। यह भी पता चला कि मादक पदार्थों की बिक्री से प्राप्त रकम सीधे हवाला संचालकों के पास जमा की जाती थी। बाद में हवाला संचालक नविन चिचकर को यूएसडीटी या थाई बहत के रूप में भुगतान करते थे। तलाशी अभियान के दौरान ईडी ने कई आपत्तिजनक सामग्री, डिजिटल उपकरण और मादक पदार्थों की बिक्री से अर्जित धन के धनशोधन से जुड़े साक्ष्य बरामद किए। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपितों ने हवाला चैनलों और क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से मादक पदार्थों की बिक्री से प्राप्त रकम भारत से बाहर भेजी। तलाशी के दौरान बरामद साक्ष्यों से इन गतिविधियों की पुष्टि हुई है। मामले में आगे की जांच जारी है।

आजम खान से जुड़े जौहर विश्वविद्यालय की 426.46 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन के मामले में उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद आजम खान से जुड़े रामपुर स्थित मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की 426.46 करोड़ रुपये की जमीन और इमारतों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। कुर्क संपत्ति का मौजूदा बाजार मूल्य करीब 1,170 करोड़ रुपये आंका गया है। ईडी के लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय ने यह कार्रवाई धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की है। ईडी के अनुसार, विश्वविद्यालय का परिसर रामपुर के सिंहनखेड़ा गांव स्थित जौहर नगर में है। यह मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट के अधीन है। ट्रस्ट की स्थापना आजम खान ने की थी और वे विश्वविद्यालय के मानद कुलाधिपति भी हैं। एजेंसी ने ट्रस्ट, आजम खान और अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज मामले की जांच के आधार पर यह कार्रवाई की है। ईडी ने बताया कि रामपुर के अजीम नगर थाने में दर्ज 26 प्राथमिकी के आधार पर जांच शुरू की गई थी। इनमें किसानों की कृषि भूमि जबरन लेकर विश्वविद्यालय के लिए इस्तेमाल करने के आरोप लगाए गए थे। रामपुर जिला प्रशासन की जांच रिपोर्ट के अनुसार, सिंहनखेड़ा गांव में शत्रु संपत्ति के 45 भूखंडों, जिनका क्षेत्रफल करीब 34 एकड़ है, पर भी विश्वविद्यालय के लिए अवैध कब्जे का आरोप था। एजेंसी के अनुसार, संबंधित जमीन का पट्टा रद्द होने के बाद गृह मंत्रालय के शत्रु संपत्ति अभिरक्षक ने जिला प्रशासन के माध्यम से उसका कब्जा वापस ले लिया है। जांच में ईडी ने पाया कि सरकारी कार्यों के लिए आवंटित धन विश्वविद्यालय के निर्माण में लगाया गया। सरकारी ठेके पाने वाले ठेकेदारों से धन ट्रस्ट को दान के रूप में वापस भेजे जाने का भी आरोप है। एजेंसी के अनुसार, एक कंपनी के प्रबंध निदेशक ने बताया कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के करीब 186 करोड़ रुपये के ठेकों में से 30 से 40 फीसदी राशि विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए सामग्री खरीदने में इस्तेमाल की गई। एक अन्य फर्म के साझेदारों ने आजम खान के प्रभाव में काम करने और ट्रस्ट को 40 लाख रुपये दान देने की बात स्वीकार की। ईडी के मुताबिक, विश्वविद्यालय परिसर में विधायक और विधान परिषद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास निधि से 6.60 करोड़ रुपये के काम कराए गए। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश सरकार ने परिसर में पंडाल, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों के छात्रावास और अस्पताल ब्लॉक के निर्माण के लिए 23.41 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। एजेंसी ने कहा कि पंडाल के निर्माण के लिए 2015 में मंजूर 12.16 करोड़ रुपये की राशि के साथ शर्त रखी गई थी कि उसका स्वामित्व संस्कृति विभाग के पास रहेगा और राज्य सरकार उसे निःशुल्क इस्तेमाल कर सकेगी। हालांकि, 2016 में आदेश में बदलाव कर पंडाल का स्वामित्व विश्वविद्यालय को दे दिया गया और राज्य सरकार के इस्तेमाल की शर्त हटा दी गई। ईडी ने विश्वविद्यालय परिसर की संपत्ति के मूल्यांकन का हवाला देते हुए बताया कि 59 इमारतों के निर्माण की लागत 494.46 करोड़ रुपये आंकी गई। विश्वविद्यालय की जमीन का मूल्य 4.63 करोड़ रुपये था। इस तरह परिसर की कुल लागत 499.09 करोड़ रुपये आंकी गई।

सनातन को बदनाम करने के षड्यंत्रों का प्रमाणों के साथ होगा पदार्फाश : रामदेव

हरिद्वार। हरिद्वार स्थित पतंजलि विश्वविद्यालय में 29 से 31 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 52वें अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन में सनातन धर्म और भारतीय ज्ञान परंपरा को बदनाम करने के षड्यंत्रों का तथ्यों और प्रमाणों के साथ पदार्फाश किया जाएगा। योग गुरु स्वामी रामदेव ने बुधवार को कनखल स्थित दिव्य योग मंदिर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सम्मेलन की रूपरेखा और उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश के विद्वान, शिक्षाविद और शोधकर्ता शामिल होंगे। स्वामी रामदेव ने सनातन धर्म और वैदिक परंपराओं पर सवाल उठाने वालों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि वेदों में भेदभाव नहीं, बल्कि समस्त मानवता के कल्याण का संदेश निहित है। सनातन को संकीर्ण दृष्टि से देखने वालों को अपनी सोच का विस्तार करना चाहिए। सनातन केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन को देखने, प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने और संपूर्ण मानवता के कल्याण का मार्ग है। भारत की पहचान उसकी ऋषि परंपरा, वेदों, उपनिषदों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से है। इस विरासत पर गर्व करना प्रत्येक भारतीय का स्वाभाविक अधिकार है। अपनी परंपराओं को जाने बिना उन पर सवाल उठाना और हीनभावना रखना उचित नहीं है। सनातन की मूल भावना समन्वय, सह-अस्तित्व, करुणा और विश्व कल्याण की है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को किसी पूर्वाग्रह के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। वेदों का संदेश किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि मानव जीवन को श्रेष्ठ बनाने की प्रेरणा देता है। सनातन परंपरा ने सदियों से विचारों के आदान-प्रदान, आध्यात्मिक चिंतन और ज्ञान की विभिन्न धाराओं को स्थान दिया है। भारत की सांस्कृतिक विरासत अतीत की धरोहर के साथ वर्तमान और भविष्य के लिए भी मार्गदर्शक है। योग, आयुर्वेद, अध्यात्म और वैदिक ज्ञान की प्रासंगिकता आज पूरी दुनिया महसूस कर रही है।

ट्राई ने की गोंडा, बहराइच और बलरामपुर में मोबाइल नेटवर्क की जांच

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने उत्तर प्रदेश के गोंडा, बहराइच, श्रावस्ती और बलरामपुर में मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता की जांच की। सितंबर में किए गए स्वतंत्र परीक्षण में गोंडा, बहराइच और बलरामपुर शहरों में रिलायंस जियो की औसत डाउनलोडिंग स्पीड सबसे अधिक दर्ज की गई। वहीं, भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की डाउनलोडिंग स्पीड चारों कंपनियों के मुकाबले कम रही।

केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार ट्राई के भोपाल क्षेत्रीय कार्यालय की निगरानी में 7 से 10 सितंबर तक ये परीक्षण किए गए। इसके तहत चारों शहरों में कुल 367.7 किलोमीटर की दूरी पर वाहन से नेटवर्क की जांच की गई। गोंडा और बलरामपुर में 2.7 किलोमीटर का पैदल परीक्षण भी हुआ। इसके अलावा प्रयागराज से गोंडा और गोंडा से बहराइच के बीच 256 किलोमीटर लंबे राजमार्ग पर मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता परखी गई।

ट्राई के परीक्षण में गोंडा में रिलायंस जियो की औसत डाउनलोडिंग स्पीड 167.44 मेगाबिट प्रति सेकंड (एमबीपीएस) दर्ज की गई। एयरटेल की गति 94.98 एमबीपीएस, वोडाफोन आइडिया की 34.31 एमबीपीएस और बीएसएनएल की 1.15 एमबीपीएस रही। बहराइच में जियो की डाउनलोड गति 146.74 एमबीपीएस, एयरटेल की 105.94 एमबीपीएस, वोडाफोन आइडिया की 41.12 एमबीपीएस और बीएसएनएल की 7.30 एमबीपीएस दर्ज की गई।

बलरामपुर में जियो की औसत डाउनलोड गति 167.93 एमबीपीएस रही। एयरटेल की गति 130.93 एमबीपीएस, वोडाफोन आइडिया की 31.66 एमबीपीएस और बीएसएनएल की 4.09 एमबीपीएस दर्ज की गई। ये आंकड़े परीक्षण के दौरान संबंधित क्षेत्रों में दर्ज प्रदर्शन पर आधारित हैं।

कॉल ड्रॉप के मामले में भी कंपनियों के प्रदर्शन में अंतर मिला। गोंडा में एयरटेल की 171 सफलतापूर्वक स्थापित कॉल में से एक कॉल ड्रॉप हुई, जबकि बीएसएनएल की 162 कॉल में से 23 कॉल ड्रॉप हुईं। जियो और वोडाफोन आइडिया में दर्ज परीक्षण के दौरान कोई कॉल ड्रॉप नहीं हुई। बहराइच में एयरटेल की 205 कॉल में से एक, बीएसएनएल की 159 में से छह और वोडाफोन आइडिया की 205 में से एक कॉल ड्रॉप हुई। जियो में 206 कॉल में कोई कॉल ड्रॉप दर्ज नहीं हुई। बलरामपुर में एयरटेल और बीएसएनएल की 78 और 72 कॉल में से दो-दो कॉल ड्रॉप हुईं, जबकि जियो और वोडाफोन आइडिया में कोई कॉल ड्रॉप दर्ज नहीं हुई।

सिग्नल की उपलब्धता के परीक्षण में बीएसएनएल के नेटवर्क में कमजोर सिग्नल वाले नमूनों का अनुपात अन्य कंपनियों की तुलना में अधिक रहा। गोंडा में बीएसएनएल के 16,823 नमूनों में से 7,289, बहराइच में 19,472 में से 11,807 और बलरामपुर में 7,994 में से 3,271 नमूनों में सिग्नल निर्धारित न्यूनतम स्तर से कम पाया गया। ट्राई ने नेटवर्क कवरेज, कॉल ड्रॉप, कॉल के दौरान आवाज बाधित होने और इंटरनेट की डाउनलोड तथा अपलोड गति जैसे मानकों का आकलन किया। परीक्षण में जिला अदालत और जिला अस्पतालों, बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों तथा गोंडा के राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज जैसे प्रमुख स्थानों को भी शामिल किया गया। राजमार्ग परीक्षण प्रयागराज से गोंडा के बीच मऊ-आइमा, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर और अयोध्या से होते हुए तथा गोंडा से बहराइच के बीच विभिन्न मार्गों पर किया गया। ट्राई ने कहा कि परीक्षण के नतीजे संबंधित मार्गों और स्थानों पर परीक्षण के दिन तथा समय दर्ज नेटवर्क प्रदर्शन को दशार्ते हैं।

रेल परिचालन सुचारू रखने के लिए चक्रवात अर्नब की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही : वैष्णव

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को चक्रवात अर्नब के प्रभाव के मद्देनजर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जमीनी स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि रेलवे नेटवर्क पर 10 स्थानों पर पेड़ गिरने जैसी मामूली बाधाओं को तत्काल दूर कर दिया गया है। वैष्णव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि स्थिति पर करीबी नजर रखी जा रही है, ताकि रेलगाड़ियों का परिचालन सुरक्षित और सुचारु बना रहे। आंध्र प्रदेश तट पर यानम-काकीनाडा के निकट चक्रवात अर्नब के दस्तक देने के मद्देनजर रेलवे ने सुरक्षा उपाय तेज कर दिए हैं। चक्रवात के कारण तटीय क्षेत्रों में भारी बारिश और जलभराव की स्थिति पैदा होने की आशंका को देखते हुए रेल परिचालन की लगातार निगरानी की जा रही है। इससे पहले, संभावित जोखिमों को कम करने के लिए आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा के तटीय मार्गों पर कई रेलगाड़ियों को एहतियातन रद्द किया गया था। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, प्रभावित क्षेत्रों में परिचालन की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।